जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 248 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार 12 जुलाई, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप, सोमवार को रूस के बारे में बड़ी नीतिगत घोषणा करेंगे?

प्राप्त संकेतों के अनुसार, ट्रंप, रूस के अब तक के व्यवहार से काफी क्षुब्ध हैं, और चर्चा है कि संभवतया यूक्रेन को पुनः हथियारों की सप्लाई शुरु करेगा अमेरिका तथा आर्थिक प्रतिबंध भी लगा सकता है रूस पर

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 11 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप सोमवार को रूस को लेकर एक बड़ा बयान देने वाले हैं।

मौजूदा संकेतों से यह प्रतीत होता है कि यह यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस के साथ ट्रंप के व्यवहार में एक बड़ा मोड़ आ सकता है। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति का रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संघर्ष समाधान को लेकर रुख अब बदल गया है।

पुतिन ने ट्रंप की शांति की पहल को बार-बार ठुकराया है। पहले ट्रंप इन इन्कारों को नज़रअंदाज़ करते थे, लेकिन अब उन्होंने पूरी तरह रुख बदलते हुए अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करने की बात कही है। इसमें और अधिक आर्थिक प्रतिबंध लगाने की संभावनाएं भी शामिल हो सकती हैं।

- अमेरिका, यूक्रेन को ''पेट्रिअट'' मिसाइल देना चाहता है, ''फ्री'' में नहीं, अतः, ये मिसाइल, नाटो के माध्यम से दी जायेंगी। इस तरह नाटो देश भी इन मिसाइलों का कुछ खर्च वहन करेंगे।
- अगर अमेरिका, यूक्रेन को सीधे ही हथियार देता है तो फिर रूस से सीधे बातचीत का सिलसिला टूटने की आशंका बनती है।
- दूसरी ओर यूरोपियन यूनियन से बातचीत करते हुए, चीन ने भी रूस को पूरा समर्थन देने की बात दोहराई। चीन, रूस को यूक्रेन में हारने नहीं देना चाहता, क्योंकि चीन खुद ताइवान पर आक्रमण कर उस पर कब्जा करने का इरादा रखता है।
- यूरोप, अब शायद अशांति ही देखेगा। जर्मनी ने अपने सैनिकों की संख्या बढ़ाने का निर्णय ले लिया है तथा इसकी तैयारी शुरु कर दी है। रूस ने भी पहली बार स्वीकार किया कि उसने नॉर्थ कोरिया से सैनिक बुलाये हैं, यूक्रेन के खिलाफ लड़ने के लिए।

अमेरिका पहले ही यह घोषणा कर चुका है कि वह यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों और अन्य हथियार प्रणालियों की आपूर्ति फिर से शुरू करेगा। हालांकि, यह आपूर्ति सीधे नहीं बल्कि नाटो गठबंधन के माध्यम से की जाएगी।

अमेरिका ने कई पैट्रियट मिसाइलें नाटो सदस्य देशों को बेची हैं और विचार यह है कि इन मिसाइलों का कुछ हिस्सा पहला, यह कि तुरंत यूक्रेन भेजने के लिए पैट्रियट सिस्टम उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वे पहले से ही अन्य स्थानों पर तैनात हैं। ये सिस्टम बहुत महंगे हैं और अमेरिका इन्हें मुफ्त में देने के मूड में नहीं है।

ट्रंप ने दावा किया है कि यूक्रेन को भेजे जा रहे सभी हथियारों का खर्च ''100 प्रतिशत'' अदा किया जाएगा। इसका अर्थ है कि इनका भार अकेले अमेरिका नहीं बल्कि पूरा नाटो गठबंधन उठाएगा।

दूसरा, अमेरिका अब भी रूस के साथ सीधे बातचीत कर युद्ध के समाधान का विकल्प खुला रखना चाहता है। सीधे हथियार भेजना इस राजनयिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, यदि बातचीत शुरू होती है, तो हथियारों की आपूर्ति को भी निलंबित करना होगा।

यह उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति अचानक रोक दी थी, जिससे एक प्रकार की अफरा-तफरी मच गई सीधे यूक्रेन भेजा जा सकता है, बजाय इसके कि अमेरिका से नई मिसाइलें भेजी जाएं। इसके दो कारण बताए जा रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खाटूश्यामजी में श्रद्धालुओं के साथ मारपीट, चार दुकानदार गिरफ्तार

खाटूश्यामजी, 11 जुलाई (निसं)। कस्बे में बाबा श्याम के दरबार में मध्यप्रदेश के आगर मालवा से दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट के मामले को लेकर पुलिस ने चार दुकानदारों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, बरसात के चलते दर्शन मार्ग पर पानी भर गया था और श्रद्धालु एक दुकान के पास आश्रय लेने के लिए खड़े थे। इसी दौरान, दुकान

- दर्शन मार्ग पर बरसात का पानी भरने से मालवा से आये दर्शनार्थी दुकान पर खड़े हो गए। दुकानदारों ने कहासुनी होने के बाद, दर्शनार्थी महिलाओं, पुरुषों व बच्चों के साथ मारपीट शुरु कर दी।

पर खड़े होने को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। पुलिस ने इस मामले में मांगीलाल पुत्र नरसीराम माली निवासी चौमू, मेघराज योगी पुत्र सांवलराम योगी निवासी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पुरी रथ यात्रा में अफरा-तफरी इसलिए मची कि सरकार अडानी परिवार को रथ खींचने का मौका देना चाहती थी'

राहुल गांधी ने बिहार में दिये गये भाषण में भाजपा के उड़ीसा मॉडल में भारी कमियाँ गिनाईं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। बरमुण्डा ग्राउंड में आयोजित संविधान बचाओ समावेश को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पहले जिस प्रकार महाराष्ट्र में चुनाव 'चुराया' गया, वैसे ही बिहार में चुनाव को चुराने की कोशिश की जा रही है।

महाराष्ट्र में कथित गड़बड़ी एवं हेराफेरी का हवाला देते हुए गांधी ने कहा, ''लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जोड़ दिए गए। किसी को नहीं पता कि ये मतदाता कौन हैं और कहां से आए हैं। हमने कई बार आयोग से मतदाता सूची और वीडियोग्राफी मांगी, लेकिन आयोग ने हमारी अपील पर ध्यान नहीं दिया।''

ओडिशा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, ओडिशा में भाजपा सरकार का एकमात्र काम गरीबों की संपत्ति छीनना है। पहले बीजद सरकार ऐसा करती थी, अब भाजपा सरकार वही कर रही है।

- राहुल के अनुसार, उड़ीसा में विकास की दिशा केवल दो-तीन उद्योगपतियों को लाभ पहुँचाने के लिए तय की जाती है, गरीब मार्जिनलाइज़्ड वर्ग से पैसा खींच कर।
- राहुल ने यह भी कहा, कानून व्यवस्था के बारे में कि उड़ीसा में प्रतिदिन 15 बलात्कार होते हैं तथा चालीस हजार महिलाएँ लापता हैं और उनको ढूंढने के लिए कोई सुराग नहीं मिल रहा।
- पर, अजीबोगरीब बात यह है कि राहुल गांधी ने बिहार में उड़ीसा को इंगित करके इतना बड़ा भाषण क्यों दिया।

एक ओर गरीब और वंचित वर्ग हैं, तो दूसरी ओर पांच-छह अरबपति और भाजपा सरकार है।

पुरी रथ यात्रा के दौरान कथित कुप्रबंधन पर बोलते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने में जानबूझकर देरी की, ताकि उद्योगपति गौतम अडाणी का परिवार रथ खींच सके। उन्होंने आगे आरोप लगाया, ''यह है ओडिशा मॉडल ऑफ गवर्नेंस। विकास सिर्फ दो-तीन उद्योगपतियों के हितों को पूरा करने के मामले में किया जा रहा है, जबकि गरीबों, वंचितों और हाशिये पर पड़े लोगों की संपत्ति छीनी जा रही है।''

महिलाओं की ''बढ़ती असुरक्षा के वातावरण'' पर प्रकाश डालते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ''ओडिशा में हर दिन दुष्कर्म 15 मामले दर्ज होते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि ''करीब 40,000 महिलाएं लंबे समय से लापता हैं और उनकी कोई खोज-खबर नहीं है।

भरतपुर में युवक ने थाने में फांसी लगाकर आत्महत्या की

मृतक के परिजनों ने पुलिस पर हत्या कर फंदे से लटकाने का आरोप लगाया

भरतपुर, 11 जुलाई (निसं)। भरतपुर के उद्योग नगर थाने में शुक्रवार सुबह पुलिस कस्टडी में बंद एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक पर नाबालिग लड़की को भगाने का आरोप था। वह पॉक्सो के मामले में तीन दिन से बंद बताया जा रहा है। आत्महत्या के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। परिजनों ने घटना पर जमकर विरोध जताया और प्रदर्शन किया।

मृतक युवक के परिजनों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाया और थाने के सामने पुलिस की बैरिकेडिंग लगाकर जाम लगा दिया। पुलिस ने समझाइश कर जाम को खुलवाया। शव को आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। शव को शिफ्ट करने के दौरान मृतक के परिजनों ने पुलिस की गाड़ी रोकने की कोशिश की। परिजन थाने के बाहर धरने पर बैठे रहे। पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। बाद में पुलिस सुरक्षा में शव को अस्पताल पहुँचाया जा सका। वहाँ भारी संख्या में ग्रामीणों एवं परिजनों की मौजूदगी में पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया।

- मृतक गब्बर 8 जुलाई से,नाबालिग लड़की को भगाकर ले जाने के आरोप में पुलिस हिरासत में था। उसके परिजनों ने आरोप लगाया कि लड़की पक्ष से पैसे खाकर पुलिस ने उसे थाने में बैठाये रखा।

युवक के बड़े भाई लोकेश उर्फ भोला (30) ने बताया कि उनका छोटा भाई गब्बर उर्फ बंटी (22) 8 जुलाई को 16 साल की नाबालिग लड़की को अपने साथ ले गया था। उसी दिन वह लड़की को अपने साथ लेकर घर आ गया। घर से वह लड़की को लेकर उद्योग नगर थाने में पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने गब्बर को थाने में बैठा लिया। 8 जुलाई से गब्बर थाने में ही हिरासत में था। आज सुबह दो पुलिसकर्मी घर आए। उन्होंने बताया कि गब्बर ने थाने के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। लोकेश का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने गब्बर को जान से मारकर फंदे से लटका दिया है। लड़की पक्ष ने पुलिसकर्मियों को पैसे दिए थे। इसलिए पुलिस ने गब्बर को थाने में बैठा रखा था। गब्बर हेयर कटिंग का काम करता था। उसके पिता पप्पू भी कटिंग का काम करते हैं। भाई लोकेश होटल में काम करता है।

एडिशनल एसपी सतीश यादव ने बताया कि पॉक्सो के मामले में आरोपी युवक ने शुक्रवार सुबह 6 बजे कंबल फाड़कर हवालात में लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की जांच न्यायिक मजिस्ट्रेट के द्वारा की जा रही है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

दिल्ली एनसीआर में फिर भूकंप के झटके

नई दिल्ली, 11 जुलाई। दिल्ली और गुरुग्राम में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। इससे एक दिन पहले भी दिल्ली-हरियाणा और यूपी में सुबह के वक्त भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। करीब 10 सेकंड तक भूकंप के झटके महसूस हुए थे। इस

- रात 7.45 पर दिल्ली एनसीआर में 3.7 तीव्रता के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केन्द्र झज्जर था।

दौरान लोग घरों और दफ्तरों से बाहर आ गए थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र ने बताया कि हरियाणा के झज्जर में आज रात करीब 7:49 बजे भारतीय समयानुसार रिक्टर पैमाने पर 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। दिल्ली-एनसीआर में भी इसके तेज झटके महसूस किए गए हैं। एक दिन पहले भी दो बार झज्जर की धरती ही भूकंप का मुख्य केन्द्र था।

''उदयपुर फाइल्स'' को रिलीज़ करना सोमवार तक रुका

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। ''उदयपुर फाइल्स'' फिल्म की रिलीज़ के दिन ही दिल्ली हाईकोर्ट ने उस पर रोक लगा दी। यह फिल्म राजस्थान के उदयपुर में दर्ज़ी कन्हैयालाल साहू की हत्या के केस पर आधारित है। हाईकोर्ट ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि बेहतर है केन्द्र सरकार से संपर्क कर फिल्म पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रयास करें।

सिब्बल ने सेंसर बोर्ड द्वारा फिल्म को दिए गए प्रमाणपत्र की समीक्षा की मांग की, यह तर्क दिया कि यह फिल्म सांप्रदायिक हिंसा भड़का सकती है। कोर्ट ने आदेश दिया कि जब तक केन्द्र सरकार जमीयत की पुनरीक्षण याचिका पर कोई निर्णय नहीं लेती, तब तक फिल्म की रिलीज़ पर रोक जारी रहेगी।

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं, जिनमें फिल्म से जुड़े कुछ आरोपी भी शामिल हैं, को निर्देश दिया कि वे सैंसर बोर्ड द्वारा फिल्म को दी गई प्रमाणिकता के खिलाफ केन्द्र सरकार के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर करें।

जब तक केन्द्र सरकार इस याचिका पर कोई अंतरिम निर्णय नहीं लेती, तब तक फिल्म की रिलीज़ पर रोक लागू रहेगी। फिल्म शुक्रवार को रिलीज़ होनी थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने फिल्म को

- सुप्रीम कोर्ट ने जमीअत उल्मा-ए-हिन्द, जो फिल्म को रिलीज़ होने से रोकना चाहते थे, को कहा कि प्रसारण पर यह रोक इसलिए लगाई है कि संस्था, सरकार के समक्ष अपना केस प्रस्तुत कर सके तथा फिल्म निर्माता को प्रसारण के लिए जो सर्टिफिकेट दिया है, वह गलत है।

मुस्लिम समुदाय के खिलाफ भड़काऊ बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

हालांकि हाईकोर्ट ने रिट क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने से इनकार कर दिया और कहा कि याचिकाकर्ताओं को पहले सिनेमैटोग्राफ अधिनियम की धारा 6 के तहत वैधानिक उपाय अपनाना चाहिए था। कोर्ट ने उन्हें सोमवार तक धारा 6 के तहत पुनरीक्षण आवेदन करने की अनुमति दी।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी तीसरा पक्ष इस धारा के तहत पुनरीक्षण का अधिकार रखता है। दिल्ली हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की खंडपीठ ने कहा: ''चूंकि हम याचिकाकर्ता को वैधानिक उपाय अपनाने के लिए कह रहे हैं, इसलिए निर्देश देते हैं कि यदि याचिकाकर्ता सरकार के समक्ष अंतरिम राहत की मांग करता है, तो उस पर निर्णय होने तक फिल्म की रिलीज़ पर रोक रहेगी।''

कोर्ट ने कहा: ''याचिकाकर्ता ने सिनेमैटोग्राफ अधिनियम की धारा 6 के तहत उपलब्ध वैधानिक उपाय का सहारा नहीं लिया है, जो केंद्र सरकार को फिल्म को अप्रमाणित घोषित करने या अंतरिम उपाय के रूप में फिल्म की प्रदर्शनी को स्थगित करने की शक्ति प्रदान करता है। तदनुसार, हम याचिकाकर्ता को सोमवार तक अधिनियम की धारा 6 के तहत केंद्र सरकार के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर करने की अनुमति देते हैं। यदि याचिकाकर्ता सरकार के समक्ष यह याचिका प्रस्तुत करता है, तो वह अंतरिम राहत के लिए भी प्रार्थना कर सकता है। जब याचिकाकर्ता केंद्र सरकार के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर करेगा, तो उसे एक सप्ताह के भीतर निर्णय लिया जाएगा, और अधिनियम की धारा 6 (3) के तहत फिल्म निर्माता को भी अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। हम यह भी निर्देश देते हैं कि यदि अंतरिम राहत की मांग की जाती है, तो उस पर भी विचार कर उचित निर्णय लिया जाए।''

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि फिल्म मुस्लिम समुदाय को नकारात्मक रूप में दर्शाती है और एक अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य को एक नाबालिग के साथ समलैंगिक गतिविधियों में शामिल दिखाया गया है। यह भी कहा गया कि फिल्म में नेता नुपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ दिए गए विवादास्पद बयान को भी शामिल किया गया है, जिससे फिल्म और अधिक सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ बन जाती है। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कोर्ट में अपनी दलीलों के दौरान कहा: ''फिल्म की शुरुआत एक दृश्य से होती है, जिसमें मुस्लिम पुरुष हिंदू स्थल पर मांस का टुकड़ा फेंकते हैं और फिर एक दृश्य में मुस्लिम छात्रों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जाता है। इसका फिल्म से क्या संबंध है? या उस दर्जी की हत्या से क्या लेना-देना है? ये तो दिल्ली दंगे लगते हैं... कृपया खुद फिल्म देखें और निर्णय लें... ये देश के लिए सही नहीं है... और यह निश्चित रूप से कला नहीं है। यह तो सिनेमाई बर्बरता है।''

कपिल सिब्बल ने अपने तर्क में सुप्रीम कोर्ट के अमीश देवगन फैसले का हवाला दिया, जिसमें कोर्ट ने 'हेट स्पीच' और 'फ्री स्पीच' के बीच अंतर को स्पष्ट किया था। सिब्बल ने कहा: यह फिल्म नफरत और हिंसा से भरी हुई है। यह मुस्लिम समुदाय को समाज की सभी बुराइयों के प्रतीक के रूप में दर्शाती है। यह केवल एक अपराध की कहानी नहीं है, बल्कि एक समुदाय को निशाना बनाकर बनाई गई है।

राज्य सरकार भर्ती को लेकर दोहरे मापदंड नहीं अपना सकती : हाई कोर्ट

जयपुर, 11 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में कहा है कि राज्य सरकार भर्ती को लेकर दोहरा मापदंड नहीं अपना सकती। एक तरफ तो सरकार कह रही है कि मामले की जांच चल रही है और अभी भर्ती रद्द करने का निर्णय लेना जल्दबाजी होगी। वहीं, दूसरी ओर पेपर लीक में आरपीएससी सदस्य और कोचिंग माफिया की मिलीभगत मान रही है। एसओजी पहले कहती है कि भर्ती में दोषी और निर्दोष की पहचान मुश्किल है, लेकिन अब दोषियों को अलग छांटने की बात कही जा रही है। अदालत ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो हम एक बार फिर एसआईटी के मुखिया वीके सिंह को बुलाकर जानकारी मांग सकते हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मामले की सुनवाई 14 जुलाई को रखी है।

- अदालत ने कहा, एसओजी ने पहले कहा, भर्ती में दोषी व निर्दोष की पहचान मुश्किल है, लेकिन अब दोषियों को अलग छांटने की बात कही जा रही है।

सुनवाई के दौरान, शुक्रवार को चयनित अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एके शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने तथ्यों को छुपाकर याचिका लगाई है और सिफारिशों के आधार पर भर्ती को रद्द करने की मांग कर रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री स्तर पर भर्ती रद्द नहीं करने के निर्णय को चुनौती नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि मामले में एसओजी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीकानेर में डेढ़ घंटे की मूसलाधार वर्षा से सड़कों पर 4 फीट तक पानी भरा

पुराने शहर से तेज बहाव से आए पानी में के.ई.एम. रोड पर दुकानों का सामान बहा

बीकानेर, 11 जुलाई (कासं)। बीकानेर में शुक्रवार को मानसून की सबसे तेज बारिश हुई। डेढ़ घंटे तक बादल जमकर बरसे, जिससे सड़कों पर तीन-से चार फीट तक पानी भर गया और कई वाहन फंस गए। बारिश के पानी में गड्ढे से गुजरने के दौरान एक बोलेरो पलट गई।

पब्लिक पार्क, पुरानी गिन्नाणी का पानी भी सूरसागर में पहुंच गया। बड़ी संख्या में लोग सूरसागर और जूनागढ़ के बीच की सड़क पर पानी

- बड़ी संख्या में लोग सूर सागर व जूनागढ़ के बीच की सड़क पर पानी में फंस गए। जूनागढ़ के बाहर खाई में पानी भरा।

में फंस गए। दुपहिया वाहनों के पहिए पूरी तरह पानी में डूब गए। जूनागढ़ की खाई के चारों ओर बारिश का पानी भर गया।

कुछ मोहल्लों में दो से चार फीट तक पानी जमा हो गया। पुरानी गिन्नाणी में बारिश में पानी भरना आम समस्या है। यहां अधिकांश लोगों ने सड़क की सतह से ऊपर अपने घर बना लिये हैं, लेकिन इसके बाद भी पानी घरों के अंदर घुस गया। सड़कें तालाब बन गईं। शहर के अंदरूनी क्षेत्र से पानी तेज बहाव के साथ केईएम रोड पहुंच गया। बहाव इतना तेज था कि दुकानों का सामान भी पानी के साथ ही बह गया।

कुछ दिन पहले ही प्रशासन ने सूरसागर में मरम्मत का काम शुरू किया था। तेज बारिश में पड़ा मरम्मत का सामान भी बह गया।

प्रशासन ने बताया, दोपहर दो बजे बारिश का सिलसिला शुरू हुआ, जो करीब डेढ़ घंटे चलता रहा। बीकानेर शहर के अलावा आसपास के गांवों में भी अच्छी बारिश हुई है। बीकानेर शहर पर दोपहर 12 बजे बाद से ही बादल घिरने लगे थे। दोपहर दो बजे से शुरु हुई बरसात साढ़े तीन बजे तक जारी रही।

समरावता उपद्रव प्रकरण में नरेश मीणा को जमानत मिली

जयपुर, 11 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा उप चुनाव के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा और एसडीएम के बीच हुई मारपीट के बाद, समरावता में हुए उपद्रव के मामले में नरेश मीणा को राहत दी है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने आरोपी नरेश मीणा की तीसरी जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए उसे जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। निचली अदालत में जमानत-मुचलके पेश होने के बाद मीणा जेल से बाहर आएगा। वह बीते 13 नवंबर से जेल में बंद है।

- देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव के दौरान एसडीएम के साथ मारपीट व उपद्रव के मामले में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा 13 नवम्बर से जेल में बंद है।

याचिका में नरेश मीणा की ओर से अधिवक्ता फतेहराम मीणा ने कहा कि उसके खिलाफ राजनीतिक दुर्भावना के चलते केस दर्ज किया है। उपद्रव में उसका कोई हाथ नहीं है और उसकी उपद्रव में कोई सक्रिय भूमिका भी नहीं रही है। मामले में निचली अदालत में उसके खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। इसके अलावा प्रकरण में 144 गवाहों के बयान होने हैं, जिसमें लंबा समय लगेगा। इसके अलावा प्रकरण से जुड़े सह आरोपियों को पूर्व में ही जमानत दी जा चुकी है।

जवाब में राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि नरेश मीणा ने ही लोगों को उपद्रव के लिए उकसाया था। उसके कहने पर ही वाहन जलाए गए व पुलिसकर्मियों से मारपीट की गई। इस घटना में 27 पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं और 42 वाहन जले हैं। इसलिए उसे जमानत नहीं दी जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हर चीज़ बदलती है, नष्ट कोई चीज़ नहीं होती -अरविन्द घोस

बारिश के मौसम में घर में औषधीय पौधे लगाएं

मानसून अपने साथ अपार खुशियां लेकर आता है। लोगों को पीने के लिए जहाँ पानी मिलता है वहां किसान अपने खेतों में बुवाई शुरू कर देते है। इसी के साथ देशभर में पौधरोपण का कार्य भी शुरू हो जाता है। इस समय सभी प्रकार के पेड़ पौधे लगाए जा सकते है। मॉनसून का मौसम औषधीय पौधों को उगाने के लिए सबसे बेहतरीन है। हमारे बुजुर्ग कहते है हमें औषधीय पौधे अपने घरों पर लगाने चाहिए जो हमारे जीवन को नवजीवन प्रदान करेंगे। यह वह समय है जब हम पेड़ पौधे लगाकर देश को हराभरा बना सकते है। आयुर्वेद में बहुत से औषधीय पौधे और जड़ी-बूटियाँ शामिल हैं, जो हमारी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का प्रभावी ढंग से उपचार कर सकते हैं और हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए अच्छे साबित हो सकते हैं। ये पौधे प्राचीन काल से ही विभिन्न औषधीय प्रयोजनों के लिए उपयोग किए जाते रहे हैं। आयुर्वेदिक चिकित्सा में इन पौधों का उपयोग दवाई के रूप में किया जाता रहा है। बताया जाता है एक वृक्ष अपने पूरे जीवन में हर तरह से मनुष्य के काम आता है। भोजन प्रदान करने, छाँव देने, घर बनाने को लकड़ी देने से लेकर सांसे लेने के लिये जीवनदायिनी ऑक्सीजन भी देता है। पेड़-पौधों को लेकर कई प्रकार के शोध होते रहते है। हर शोध में पेड़-पौधों को जीवनदाई बताया जाता है। हाल ही एक शोध रिपोर्ट में बताया गया की पेड़-पौधे बेहद संवेदनशील होते है। शोर से पेड़ पौधे मुरझा जाते है और उनकी ग्रोथ पर बुरा असर पड़ता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोगों की आयुर्वेदिक पौधों में रूचि बढ़ रही है। राजधानी जयपुर की विभिन्न नर्सरियों में लोग बड़ी संख्या में औषधीय पौधे खरीद रहे है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विभिन्न प्रदेशों और विदेशों से आने वाले छात्र औषधीय पौधों के लाभों की जानकारियां प्राप्त कर रहे है।

मानसून के आते ही लोगों के समक्ष यह दुविधा बन जाती है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए हितकारी हो। औषधीय पौधेंइम्युनिटी बढ़ाने के साथ हमें विभिन्न प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है। हमारे बड़े बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते है। बहुत से बड़े बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दवाओं का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मगर अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें सुनना पसंद नहीं करते। फलस्वरूप विभिन्न शारीरिक रोगों को भोगते हुए जैसे-तैसे अपने जीवन की गाड़ी को हांकते है। अपने घरों पर औषधीय पौधे लगाएं तो ये हमें प्राण वायु तो देते ही है साथ ही स्वस्थ जीवन की राह भी दिखाएंगे।

पेड़-पौधे हमारे शरीर में होने वाली विभिन्न बीमारियों से छुटकारा दिलाने के लिए हमें बहुत कुछ दे सकते हैं। प्राचीन काल में मानव ने तरह-तरह के पेड़-पौधों की खोज कर खुद को निरोगी रखा। मानव सभ्यता के विकास के साथ विज्ञान ने हमें नयीनयी ऊंचाइयों तक पहुँचाया, इसमें कोई दो राय नहीं है मगर औषधीय पौधों की महत्ता कभी कम नहीं हुई। भारत में औषधीय गुण वाले असंख्य पेड़-पौधे हैं। भारतीय पुराणों, उपनिषदों, रामायण एवं महाभारत जैसे प्रमाणिक ग्रंथों में इसके उपयोग के अनेक साक्ष्य मिलते हैं। रामायण में संजीवनी बूटी की चर्चा आज भी घर घर में सुनी जा सकती है। बहुत सारी अंग्रेजी दवाइयों में आज भी औषधीय पौधों का मिश्रण किया जाता है। सर्दी, जुकाम, बुखार, बीपी, शुगर, उलटी दस्त जैसी सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का इलाज भी हमारे औषधीय पौधों में है। यदि इन पेड़ पौधों का हम उचित रखरखाव कर विभिन्न रोगों के इलाज में सही ढंग से उपयोग करें तो ये हमारे स्वस्थ जीवन के लिए बेहद लाभदायक हो सकते है।

पेड़ पौधों और वनों से हमें एक नहीं अपितु अनेकों लाभ है। वन और जीवन दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है और मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू-जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव-विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं।

औषधीय एवं सुरभित पौधे हमारी धरोहर हैं जिनका वैश्विक महत्व है। विश्व में असंख्य औषधीय एवं सुरभित पौधों की प्रजातियाँ हैं। उनमें से अनेक पौधों का उपयोग हम विभिन्न कारणों से करते हैं और अनेक हमसे अपरिचित हैं। भारत के रेड डाटा बुक में 427 संकटग्रस्त पौधों के नाम दर्ज हैं, इनमें से 28 लुप्त, 124 संकटग्रस्त, 81 नाजुक दशा में, 100 दुर्लभ तथा अन्य पौधे हैं। पारम्परिक औषधि का कोई विपरीत प्रभाव न होने के कारण तथा स्वस्थ जीवन शैली के लिए वर्तमान समय में भी इनका महत्व काफी अधिक बढ़ गया है। अभी भी विकसित देशों में 80 प्रतिशत जनसंख्या पारम्परिक औषधीय ज्ञान पर ही निर्भर करती हैं। भारत के पहाड़ी और जंगली इलाकों में उपलब्ध तीन सौ से अधिक औषधीय वनस्पतियों की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर है। अगर सरकार इनके संरक्षण की दिशा में पहल नहीं करेगी तो आने वाले वर्षों में कई वनस्पतियां विलुप्त हो जाएंगी। सरकार यदि इनके संरक्षण की दिशा में पहल नहीं करेगी तो आने वाले वर्षों में कई वनस्पतियां विलुप्त हो जाएंगी।

हमारे विभिन्न ग्रंथों और प्राचीन पुस्तकों में हजारों ऐसे नुक्खे बताये गए है जो औषधीय पौधों से निकले है। हमारे देश में आज भी लाखों लोग इन नुक्खों का उपयोग करते है। नीम, तुलसी, बेंग साग, ब्राम्ही, हल्दी, चन्दन, चिरायता, अडूसारू, सदाबहार , गुलाब , सहिजन, हडजोरा, करीपत्ता, लहसून, एलोवीरालेवेंडर, जीरा, पुदीना, गिलोय, सूरजमुखी,पीपल, आक, बरगद, आंवला, गूगल, अदरखनीम्बू, पत्थरचूर, शतावर, अजवायन, चुकंदर, चिरचिटी, कुल्थी, घृतकुमारी, करेला, पिपली, मेथी, पुनर्नवा, मदन मस्त, पिपली, चंपा, रजनीगंधा, श्वेत अपराजिता, सर्पगन्धा, अशोक और वलाक आदि औषधीय पौधों में से बहुत से ऐसे भी है जो घरों में लगाए जा सकते है। इनमें बहुत सी प्रजातियां अब लुप्तप्राय है। आवश्यकता इस बात की है इन बहु गुणकारी औषधीय पौधों के विकास की योजनाएं बनाकर आम आदमी को इनके प्रयोग और उपयोग की जानकारी दी जाएं।

पेड़ पौधों और वनों से हमें एक नहीं अपितु अनेकों लाभ है। वन और जीवन दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है और मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू-जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव-विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं। दुनिया में जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास और आधुनिक जीवन शैली की वजह से प्राकृतिक वनों पर मानव समाज का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसे ध्यान में रखकर मानव जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से वनों के संतुलित दोहन तथा नये जंगल लगाने के लिए भी विशेष रूप से काम करने की जरूरत है। मनुष्य के जीवन में वन महत्वपूर्ण रहे हैं। परन्तु जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हुआ वैसे-वैसे मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वृक्षों को काटना आरम्भ कर दिया। वनों की लगातार कटाई होती गई और वातावरण पर भी इसका प्रभाव पड़ा। आज हमारी स्थिति यह हो गई है की वृक्षों की छाव मिलनी भी दुर्लभ हो गई है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 12 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, द्वितिया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र प्रातः 6:36 तक, विष्कुम्भ योग सायं 7:31 तक, तैतिल करण दिन 2:58 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से प्रातः 6:36 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 6:36 से सूर्योदय तक है। आज अशून्य शयन व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:27 से 9:08 तक, चर 12:32 से 2:14 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 5:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:19

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

सिंह
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

राजस्थान : जन सुविधाओं का टोटा, जो हैं उनका हाल खोटा

राजेन्द्र मोहन शर्मा

किसी भी शहर या गांव का आइना होता है जन शौचालय। आप इस नजरिए से राज्य के किसी भी शहर के व्यस्ततम इलाकों की जन सुविधाओं पर नजर डाल लीजिए या तो वे दिखेंगे नहीं अगर हैं तो नाक पर रुमाल बांध कर भी भीतर जाने के लिए अतिरिक्त हिम्मत जुटानी पड़ेगी। यूं भी राजस्थान आज भी बुनियादी जन सुविधाओं के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें सबसे प्रमुख है सार्वजनिक शौचालयों की कमी और उनकी दयनीय स्थिति। स्वच्छता और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सार्वजनिक शौचालय किसी भी समाज की प्रगति का एक महत्वपूर्ण सूचक हैं, लेकिन राजस्थान में यह सुविधा न केवल अपर्याप्त है, बल्कि जो उपलब्ध है, उसका हाल भी खस्ता है। स्कूलों, कॉलेजों, कार्यालयों, राजमार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर शौचालयों की स्थिति चिंताजनक है। विशेष रूप से महिलाओं और विकलांगों के लिए सुविधाओं का अभाव, स्वच्छता व्यवस्था की कमी,और पेयजल की अनुपस्थिति इस समस्या को और जटिल बनाती है। स्वच्छ भारत मिशन के बावजूद, कथनी और करनी में भारी अंतर दिखाई देता है। आपको यह भी साफ़-साफ़ दिखाई दे ही रहा है कि जिन इलाकों में ये सुविधाएं हैं भी तो वे सब सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की श्रेणी में हैं। आशय स्पष्ट है कोई निगम निकाय यह जहमत नहीं उठाता कि जन सुविधाओं के लिए सड़क न रोकी जाए। वे तो बस खानापूर्ति में लगे रहते हैं।

राजस्थान में सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति दशकों से चिंता का विषय रही है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में शौचालयों की कमी और उनकी खराब रखरखाव व्यवस्था आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। स्वच्छ भारत मिशन, जो 2014 में शुरू किया गया, ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शौचालय निर्माण को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा था। इस मिशन के तहत राजस्थान में कई शौचालयों का निर्माण हुआ, लेकिन आंकड़े और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (2016) के अनुसार, राजस्थान में कई नए बने शौचालयों का उपयोग नहीं हो रहा, क्योंकि उनमें पानी की सुविधा, सफाई व्यवस्था, या उचित रखरखाव का अभाव है। यह स्थिति न केवल स्वच्छता को प्रभावित करती है, बल्कि स्वास्थ्य और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देती है। शहरी क्षेत्रों में, जहां जनसंख्या घनत्व अधिक है, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति और भी बदतर है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर जैसे बड़े शहरों में कुछ स्थानों पर सामुदायिक शौचालय बनाए गए हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश या तो बंद पड़े हैं या उनकी हालत इतनी खराब है कि लोग इनका उपयोग करने से कतराते हैं। उदाहरण के लिए, मिहिजाम जैसे क्षेत्रों में बने सामुदायिक शौचालयों पर ताले लटके हुए हैं, और पानी की कमी के कारण वे बेकार साबित हो रहे हैं। यह स्थिति स्वच्छ भारत मिशन के दावों को खोखला साबित करती हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति कुछ खास बेहतर नहीं है। ग्राम पंचायतों को सामुदायिक शौचालयों के निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन निधि की कमी, जागरूकता का अभाव, और प्रशासनिक उदासीनता के कारण ये प्रयास असफल हो रहे हैं। कई गांवों में शौचालय बनाए तो गए, लेकिन उनकी सफाई और रखरखाव की कोई व्यवस्था नहीं है। इससे ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को खुले में शौच करने की मजबूरी बनी हुई है। स्कूलों और कॉलेजों में शौचालयों की स्थिति भी चिंताजनक है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) के तहत प्रत्येक स्कूल में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालयों की व्यवस्था अनिवार्य है, लेकिन राजस्थान के कई स्कूलों में यह नियम लागू नहीं हो पाया है। कई स्कूलों में शौचालयों में पानी की कमी, साबुन या सफाई एजेंटों का अभाव, और नियमित सफाई की कमी देखी गई है। यह स्थिति विशेष रूप से छात्राओं के लिए हानिकारक हैं। बिहार के समस्तीपुर जिले में एक स्कूल में बच्चों को शौचालय और नालियों की सफाई करने के लिए मजबूर किया गया, जो राजस्थान के कई स्कूलों में भी देखा जा सकता है। कार्यालयों और सरकारी दफ्तरों में भी शौचालयों की स्थिति कोई खास बेहतर नहीं है। कई सरकारी कार्यालयों में शौचालयों की संख्या कर्मचारियों और आगंतुकों की जरूरतों के अनुपात में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में (जनवरी 2025) देश भर के न्यायालय परिसरों में पुरुषों, महिलाओं, विकलांगों, और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अलग-अलग शौचालयों की व्यवस्था करने का आदेश दिया है, जो यह दर्शाता है कि स्वच्छता को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है। लेकिन राजस्थान में इस तरह के निर्देशों का पालन कितना हो रहा है, यह एक बड़ा सवाल है।

कई अध्ययनों ने बताया है कि शौचालयों की कमी के कारण महिलाओं और लड़कियों को यौन हिंसा का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं के लिए भारतीय शैली के शौचालयों का उपयोग करना असुविधाजनक और असुरक्षित हो सकता है। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि उकड़ू बैठने की स्थिति गर्भावस्था में फायदेमंद हो सकती है, लेकिन सार्वजनिक शौचालयों की गंदगी और असुरक्षा इस लाभ को नकार देती है। विकलांगों के लिए शौचालय सुविधाएं लगभग न के बराबर हैं।

कथनी और करनी में अंतर राजस्थान में स्वच्छता के क्षेत्र में सबसे बड़ी बाधा है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन में कमी साफ दिखाई देती है। कई शौचालय बनाए गए, लेकिन उनके उपयोग की स्थिति, रखरखाव, और पानी की उपलब्धता पर ध्यान नहीं दिया गया। यह स्थिति नगरीय और ग्रामीण स्वायत्त संस्थाओं की उदासीनता को दर्शाती है। नगर पालिकाएं और ग्राम पंचायतें शौचालयों के निर्माण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन धन की कमी, प्रशिक्षित कर्मचारियों की अनुपस्थिति, और निगरानी की कमी के कारण ये संस्थाएं अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा पा रही हैं। पेयजल की व्यवस्था भी सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति से गहराई से जुड़ी हुई है। बिना पानी के शौचालय बेकार हैं। राजस्थान, जहां पानी की कमी पहले से ही एक बड़ी समस्या है, वहां शौचालयों में नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करना एक चुनौती है। कई शौचालयों में हैंडपंप या टैंकर के भरोसे पानी की व्यवस्था की जाती है, लेकिन यह अनियमित और अपर्याप्त है। विदेशों में, जैसे जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया में, शौचालयों में पानी की आपूर्ति के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जाता है, जैसे रेनवाटर हार्वेस्टिंग और रिसाइकिल्ड वाटर सिस्टम। राजस्थान में भी ऐसी तकनीकों को अपनाने की जरूरत है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जहां पानी की कमी गंभीर है।

इस संदर्भ में, बिंदेश्वरी पाठक जैसे समाज सुधारकों का योगदान प्रेरणादायक है। बिंदेश्वरी पाठक, जिन्होंने सुलभ इंटरनेशनल की स्थापना की, ने भारत में स्वच्छता के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए। उनके द्वारा शुरू किए गए सुलभ शौचालय परिसरों ने न केवल स्वच्छता को बढ़ावा दिया, बल्कि सामाजिक समावेशिता और महिलाओं की गरिमा को भी प्राथमिकता दी। राजस्थान में भी ऐसे प्रयासों की आवश्यकता है, जहां निजी और सरकारी क्षेत्र मिलकर स्वच्छता के लिए दीर्घकालिक समाधान ढूंढ सकें। पाठक का मॉडल, जिसमें कम लागत वाले, पर्यावरण-अनुकूल शौचालयों का निर्माण और सामुदायिक भागीदारी पर जोर दिया गया, राजस्थान के लिए एक रोडमैप हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण को प्राथमिकता दी, लेकिन कचरा संग्रह और प्रबंधन की तरह शौचालयों के रखरखाव और स्वच्छता के लिए कोई स्पष्ट नीति लागू नहीं की गई। कचरा प्रबंधन के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स (2016) जैसे नियम बनाए गए, लेकिन शौचालयों के रखरखाव और निगरानी के लिए ऐसी कोई व्यापक नीति नहीं है। यदि सरकार राजमार्गों, स्कूलों, और सार्वजनिक स्थानों पर शौचालयों के लिए नियमित निगरानी समितियों का गठन करे, और स्थानीय निकायों को जवाबदेह बनाए, तो स्थिति में सुधार हो सकता है। इसके अलावा, स्वच्छता कर्मचारियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण और वेतन, और तकनीकी नवाचारों को अपनाने की जरूरत है। विदेशी उदाहरणों से प्रेरणा लेते हुए, राजस्थान में भी स्मार्ट शौचालयों की अवधारणा को लागू किया जा सकता है। सिंगापुर में, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और रखरखाव के लिए एक राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान चलाया जाता है, जिसमें निजी कंपनियों और सामुदायिक संगठनों की भागीदारी होती है। जापान में, शौचालयों में बायो-टॉयलेट और स्वचालित सफाई प्रणालियां उपयोग की जाती हैं, जो पानी की खपत को कम करती हैं।

राजस्थान में, जहां पानी की कमी एक बड़ी समस्या है, बायो-टॉयलेट और कम पानी वाले शौचालयों को बढ़ावा देना एक व्यवहारिक समाधान हो सकता है। राजस्थान में स्वच्छता की स्थिति को सुधारने के लिए सामुदायिक भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। तेलंगाना के कल्वाकोता गांव की रजिता जैसे उदाहरण, जहां एक महिला ने अपने गहने बेचकर 40 परिवारों के लिए शौचालय बनवाए, यह दर्शाते हैं कि सामुदायिक पहल कितनी प्रभावी हो सकती है। राजस्थान में भी स्थानीय समुदायों, गैर-सरकारी संगठनों, और निजी क्षेत्र को शामिल करके स्वच्छता के प्रति जागरूकता और भागीदारी बढ़ाई जा सकती है। अंत में, राजस्थान में सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति को सुधारने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सरकार को न केवल शौचालय निर्माण पर ध्यान देना चाहिए, बल्कि उनके रखरखाव, पानी की उपलब्धता, और समावेशी डिज़ाइन पर भी जोर देना चाहिए। महिलाओं और विकलांगों की जरूरतों को प्राथमिकता देना, राजमार्गों पर स्वच्छ शौचालयों की व्यवस्था करना, और स्थानीय निकायों को जवाबदेह बनाना समय की मांग है। बिंदेश्वरी पाठक जैसे समाज सुधारकों की प्रेरणा और विदेशी मॉडलों को अपनाकर राजस्थान स्वच्छता के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिख सकता है। लेकिन इसके लिए कथनी और करनी के बीच के अंतर को पाटना होगा, ताकि हर नागरिक को स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की सुविधा मिल सके।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद्
और चिन्तक

कोटा जिन्दा है : टाटा जिन्दा रहेगा

राम निवास बैरवा

1960 के दशक में डी.सी.एस. ग्रुप की तरफ से श्री राम फर्टिलाइजर एण्ड केमीकलस नाम से कोटा में बड़ी औद्योगिक इकाई लगाई जाने के पहले कोटा 'कोटा डोरिया' साड़ियों और 'कोटा स्टोन' के नाम से विख्यात था। लेकिन श्री राम फर्टिलाइजर्स एण्ड केमीकल के बाद इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड सोवियत संघ के सहयोग से केन्द्रीय सरकार का बड़ा उद्योग लगाने के बाद कानपुर के जे.के. ग्रुप ने जे.के. सिंथेटिक लिमिटेड नाम से कई नायलोन फैक्टियां लगाई जिनमें 10 हजार से ज्यादा मजदूर काम करते थे। साथ ही, ओरिएण्टल पॉवर केबल्स लिमिटेड केबल बनाने का बड़ा कारखाना भी था। इन औद्योगिक इकाईयों के साथ ही कोटा राजस्थान का सबसे बड़ा औद्योगिक शहर बन गया था- उसके बाद अलवर और अब भीलवाड़ा का नाम आता था।

जे.के. सिंथेटिक के करीब दस कारखाने और संस्थान कोटा में थे, वे सिंथेटिक धागा बनाने में डी.एम.टी. (डाई मिथाइल टेरीफ्टालेट) का कच्चे माल के रूप में उपयोग करते थे। वहीं नई उभरती अंबानी की रिलाइंस इण्डस्ट्रीज पी.टी.ए. (प्यूरीफाइड टेरी फ्टालेट) का उपयोग करते थे। चूंकि, अंबानी ने पी.टी.ए. उत्पादन के लिए नये कारखाने लगाये थे जिसका उपयोग सिंथेटिक वस्त्र उद्योग में कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता था। इस प्रकार जे.के. सिंथेटिक्स लिमिटेड और बांबे डाइंग के प्रतिद्वंद्वी के रूप में अंबानी का रिलाइंस इण्डस्ट्रीज उभरा। प्रतिद्वंद्वी को धाराशाही करने के लिए जे.के. के खास इंजीनियरों को अपने पास बुलाकर शुरूआत की। साथ ही अपने पारिवारिक झगड़ों से उभर कर जे.के. सिंथेटिक्स का पी.टी.ए. के उपयोग के लिए मशीनों का नीवकरण कर पाते उसके पहले ही जे.केसिंथेटिक्स को बंद करना पड़ गया। बहुत बड़ा औद्योगिक कोटा शहर औद्योगिक रूप से उजाड़ होने की स्थिति में पहुंच गया। इंस्ट्रूमेंटेशन भी बंद कर दी गई। केवल श्री राम फर्टिलाइजर्स बची और चंबल फर्टिलाइजर नाम से नया खाद कारखाना लगा है।

उल्लेखनीय है कि कोटा में लगभग सभी तरह से बिजली का उत्पादन किया जाता है पन बिजली घर भी है, थर्मल पॉवर भी है, परमाणु बिजली घर भी है तो गैस से भी बिजली पैदा की जाती है, सोलर का घरेलू उत्पादन भी होता है लेकिन पवन चक्कियां भी मिल जायेगी। जे.के. सिंथेटिक्स के बंद होने और अपनी औद्योगिक बरबादी के बाद कोटा में कोचिंग का एक नया व्यवसाय शुरू किया गया जो पिछले तीस वर्षों में सबसे ज्यादा डॉक्टर, इंजीनियर, आई.ए.एस. देने वाला शहर बन गया है। आज की तारीख में कोटा में लाखों विद्यार्थी जेईई और नीट-पी.जी. की कोचिंग लेते हैं जिससे कोटा भारत की कोचिंग केपीटल बन गया है। कोटा किसी की बदनियती के बावजूद जिंदा है।

टाटा परिवार भारत का राष्ट्रीय औद्योगिक घराना है जो सवा 150 सालों से भी ज्यादा समय से भारत के राष्ट्रीय उद्योगों की श्रृंखला लगाता जा रहा है। टाटा घराना व्यापारिक घराना ही नहीं हैं। वह विशिष्ट औद्योगिक उत्पादनों के कारखानों का भी संचालन करता रहा है। इंडियन एयरलाइंस जो मूलतः टाटा की ही टाटा एयरलाइंस थी, भारत सरकार द्वारा बेची जाने पर टाटा ने ही फिर से उसे खरीद लिया। यह महंगा सौदा था।

बीमार हवाई जहाजों के लिए दांव लगाना था, अन्यथा अम्बानी या अडानी भी इंडियन एयरलाइंस को ले सकते थे। अडानी मूलतः ठेकेदार व्यापार ही है जो सभी सरकारी प्रतिष्ठानों को किराये पर लेकर चलाता है। उसने कोई उद्योग नहीं लगाये है। चूंकि कई हवाई अड्डों के रखरखाव का ठेका अडानी ने प्राप्त कर लिये है, इंडियन एयरलाइंस को भी अपने अधीन करने का शायद विचार कर रहा हो। इसीलिए अहमदाबाद में इंडियन एयरलाइंस के हवाई जहाज के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने और लगभग तीन सौ लोगों के मारे जाने के बाद आये दिन समाचारों में इंडियन एयरलाइंस के विमानों की खामियों को लेकर समाचार छपवायें जा रहे हैं।

अहमदाबाद हादसा के पीछे कई कारण हो सकते हैं। अहमदाबाद हवाई अड्डे का रखरखाव भी अडानी के पास है। गुजरात वैसे भी व्यापारिक पूंजीपतियों और राजनीतिक पार्टियों-नेताओं की साठगांठ की प्रयोगशाला है। कहीं इस प्रयोगशाला में टाटा पर तो कोई परीक्षण नहीं किया जा रहा है?

एक बीमार एयरलाइंस को सम्भाल कर फिर से सक्षम बनाने से पहले ही कहीं उसे अडानी के हाथों में लेने के प्रयोग तो नहीं किये जा रहे है? अगर इंडियन एयरलाइंस को इसी तरह से नुकसान पहुंचाया जाता रहा हो तो भी सम्भवतः टाटा इंडियन एयरलाइंस को खरबों का घाटा होने के बाद भी नहीं बेचेगा। खुद टाटा ही उसे चलायेगा चाहे पुराने विमानों को जमीन पर ले आना पडे.और नये विमान खरीद कर बेहतर सेवायें देनी पड़े। किसी की बदनियती से बिछाये जाने वालें काटों के बावजूद टाटा जिंदा रहेगा जैसे कोटा नहीं मरा।

- राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि
आयुक्त

चूरू शहर में भरे बरसाती पानी से आमजन व छात्र परेशान

बरसात के पानी की निकासी के अभाव में शहर में जगह-जगह भरे गंदे पानी से आमजन का हाल बेहाल है

चूरू, (निसं)। अधिकारी और जनप्रतिनिधि बैठकों और मंचों पर विकास के नाम पर बड़े-बड़े भाषण देते हैं और दावा करते हैं कि शहर के विकास के लिए करोड़ों रुपए का बजट खर्च हो गया, परंतु हकीकत कुछ और ही है।

जानकारी के अनुसार बरसात के पानी के निकासी के अभाव में शहर में जगह-जगह भरे गंदे पानी से आमजन का हाल बेहाल है। इससे लोगों का घरों से बाहर निकलना भी दुर्लभ हो रहा है। वाहन चालकों व विद्यार्थियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यदि यही हाल रहे तो आगामी बारिश के दिनों में चूरू की स्थिति और अधिक दयनीय हो जाएगी और इसका खामियाजा चूरू की जनता को भुगतना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार शहर के लोहिया कॉलेज के आगे पिछले दो

बरसात के पानी की निकासी के अभाव में चूरू शहर में जगह-जगह पानी भरा हुआ है।

दिनों से भरे बरसाती पानी से सबसे ज्यादा परेशानी विद्यार्थियों को हो रही है। विद्यार्थी इस दो फीट गहरे पानी से होकर महाविद्यालय में प्रवेश करते हैं और कई छात्र-छात्राएं इस बड़े नाले में गिरकर चोटिल हो गये हैं। ठीक ऐसा ही हाल भरतिया अस्पताल, पुराने कलेक्ट्रेट के सामने, चांदनी चौक क्षेत्र सहित शहर के अनेक स्थानों पर है। शहरवासियों ने बताया कि यदि समय रहते हुए प्रशासन इसका समाधान नहीं करेगा, तो इसके नतीजे और बूरे होंगे।

- **लोगों का घरों से बाहर निकलना भी दुर्लभ हो रहा है, वाहन चालकों व विद्यार्थियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है**
- **लोहिया कॉलेज के आगे दो फीट पक पानी भरा हुआ है**

स्वनिधि योजना का अधिक से अधिक उठाऐं लाभ

भरतपुर (निस)। राज्य सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों यथा गिग वर्कर्स, ट्रांसपोर्ट वर्कर्स, भवन निर्माण श्रमिक, होकर्स, सफाई श्रमिक, रेगपिकर्स, दस्ताकार, आदि की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना लागू की गयी है। जिसके तहत लोगों को बिना गारंटी का 10 हजार रूपये का ऋण मात्र 7 प्रतिशत ब्याज पर उपलब्ध करवाया जा रहा है। आयुक्त नगर निगम श्रवण विश्नोई ने बताया कि योजना में आवेदन के लिए तीन दस्तावेज आवश्यक होंगे। जिनमें जनाधार कार्ड, जनाधार से जुडा हुआ मोबाईल नम्बर एवं बैंक पास बुक की फोटोप्रति आवश्यक रूप से साथ लानी होगी। उन्होंने बताया कि इस श्रेणी के श्रमिक दस्तावेजों के साथ किसी भी ई-मित्र पर जाकर आवेदन कर सकता है या वह नगर निगम कार्यालय के कमरा नं0 5 में भी आकर आवेदन कर सकता है। उन्होंने बताया कि योजना में आवेदन के लिए नगर निगम कार्यालय में 20 जुलाई तक लगातार कैम्प लगाया जा रहा है। कैम्प में भी योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं जिसका कोई शुल्क नहीं लगेगा।

भरतपुर में श्रीखाटू श्याम बाबा के संकीर्तन में रातभर झूमे लोग

भरतपुर (निस)। मौरबीनन्दन श्याम सेवा समिति भरतपुर की ओर से हीरादास स्थित पचौरी डेन्टल क्लीनिक परिसर में श्री खाटू श्याम बाबा के संकीर्तन का आयोजन किया गया। इसमें भरतपुर के त्रिभुवन सिंह एवं कानपुर से आई भजन गायिका प्रीति शर्मा की ओर से भजनों की ऐसी रसधार बहाई कि श्रद्धालु पूरी रात झूमते रहे। संकीर्तन में सर्वप्रथम श्री खाटू श्याम बाबा की प्रतिमा के सम्मुख अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई।

पचौरी डेन्टल क्लीनिक परिसर में आयोजित बाबा श्री खाटू श्याम जी के जागरण में शामिल श्रद्धालुओं में डॉ. विनोद पचौरी, एलजी शोरूम के अनिल खंडेलवाल, आनंद खण्डेलवाल, सब इंस्पेक्टर नगेंद्र शर्मा, पवन कुमार शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा खेड़ा, भाजपा नेता नरेंद्र सिंह, यशपाल सिंह चोला मंडल, विक्रम सिंह टाटा, विनोद चौटाला, आशीष त्रिपाठी, एएसआई फतेह सिंह मौजूद रहे। जागरण कार्यक्रम में श्री श्याम बाबा के भजनों की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया।

पचौरी डेन्टल क्लीनिक परिसर में श्री खाटू श्याम बाबा के संकीर्तन का आयोजन किया ।

■ श्रद्धालुओं ने भक्ति भावविभोर होकर जमकर कयिा नृत्य

इस दौरान श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया एवं महिलाओं ने भक्ति भाव में भावविभोर होकर नृत्य किया। जागरण के बाद दूसरे दिन गुरू पूर्णिमा के अवसर सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। प्रसादी वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद जगराम धाकड़ सहित पधारे हुए सभी अतिथियों का साफा,दुपट्टा पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत सम्मान किया गया । इस अवसर पर शहर अध्यक्ष दयाचन्द पचौरी, बाल कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष गंगाराम पाराशर, प्रदेश सचिव धर्मेंद्र शर्मा, पूर्व प्रधान सतीश सोगरवाल, उद्योगपति नवीन पाराशर, डीसीसी उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, प्रेम सिंह प्रजापत, माधो शर्मा, बृजमोहन शर्मा, खेमचंद शर्मा, मनोज पंडित, विनोद चौटाला, कौशल किशोर, देवी चरन, देवी प्रसाद, सचिन खेड़ा, विनोद, राम मनोहर शर्मा, खेमचंद शर्मा, रमेश पाठक, मंडल अध्यक्ष गजराज सिंह, प्रवक्ता दिगंबर खटाना, महासचिव शहीद खान, उपेंद्र चंदेला सहित विभिन्न समाजों के श्रद्धालु मौजूद रहे।

सार-समाचार

विधायक व समाज सेवी का किया स्वागत

करौली, (निंसं.) करौली के निकट गांव टोके ग्राम पंचायत तुलसीपुरा में 12 गांव की अथाई वाले हनुमान मंदिर से टोके नंदी बाबा के स्थान व फुलेकी झोपड़ी से परीता तक सडक स्वीकृत करने पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर और भाजपा के वरिष्ठ नेता समाजसेवी सतवीर चंदीला का 12 ग्राम की अथाई पर साफा माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान गांव के विकास के लिए तन,मन,धन से ग्रामीणो का साथ देने का दोनों नेताओं द्वारा गांव की जनता को आश्वासन दिया गया इस अवसर पर देवनारायण कमेटी के अध्यक्ष सूबेदार वीरेंद्र सिंह, महाराज सिंह, रामचरण, शीशराम, तुलसीपुरा सरपंच रामवीर, राम सिंह, सिरमौर, जय सिंह, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता के के सारस्वत और गांव के पंच पटेल मौजूद थे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन के प्रचार में माली समाज की सक्रिय भागीदारी

करौली, (निंसं.) जिला मुख्यालय स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले विकास संस्थान छात्रावास परिसर में आगामी देवउठनी एकादशी 2 नवंबर को माली समाज का सातवां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में अधिक से अधिक विवाह योग्य जोड़ों के पंजीयन के लिए प्रचार प्रसार ग्रामीण क्षेत्रों में सम्मेलन पदाधिकारियों द्वारा किया जा रहा है सम्मेलन समिति पदाधिकारी कल्याणलाल कोषाध्यक्ष,सह संयोजक शिवचरण, मेंबर प्यारेलाल डायरेक्टर, किरोड़ी माली,जगन्नाथ सरपंच, प्रवक्ता गोपाल माली एवं हेमराज टेंट वाले सहित समाज के प्रतिनिधि विभिन्न गांवों में पहुंच रहे हैं और समाज के लोगों से अधिक से अधिक जोड़ों के पंजीयन हेतु अपील कर रहे हैं और साथ ही छात्रावास निर्माण के लिए तन,मन,धन से सहयोग की अपील की जा रही है सम्मेलन की प्रचार सामग्री अटा,अस्थल, कुडगांव,सपोटरा,अमरगढ़, मोतीपुरा,अंडेल, रामठरा, बाजना बड़ा-छोटा,आडाडूंगर, गैरई, चैनपुर, बरिया, गोपालगढ़, बाजितपुर, महमदपुर, डफलपुर आदि गांव में पहुंचकर वितरित की गई इस दौरान ग्रामीणों ने प्रचार सामग्री वितरण में उत्साहपूर्वक सहयोग किया।

बयाना उप जिला अस्पताल में जेबकट गिरोह सक्रिय

बयाना भरतपुर (निस)। उप जिला अस्पताल में इन दिनों जेबकट गिरोह सक्रिय नजर आ रहा है। शुक्रवार दोपहर एक बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए शातिर बदमाशों ने अस्पताल परिसर में दवा वितरण केंद्र पर लाइन में खड़े एक बुजुर्ग की जेब से 40 हजार रुपये पार कर लिए। घटना के बाद से अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, शेरगढ़ निवासी हरि सिंह जाटव (50) अपने 10 वर्षीय बीमार पोते मनु को इलाज के लिए शुक्रवार दोपहर करीब 12रू30 बजे अस्पताल लाए थे। डॉक्टर को दिखाने के बाद वह दवा लेने के लिए दवा वितरण केंद्र पर लाइन में खड़े थे। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात बदमाश ने उनकी जेब में रखे 40 हजार रुपये निकाल लिए। हरि सिंह ने बताया कि यह राशि

■ बुजुर्ग की जेब से उड़ाए 40 हजार रुपये

उन्होंने कस्बे के एक दुकानदार को उधारी चुकाने के लिए साथ रखी थी। दवा लेने के बाद जैसे ही वह लाइन से बाहर आए, तो जेब खाली देखकर उनके होश उड़ गए।

उन्होंने तुरंत अस्पताल प्रशासन और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पीएमओ डॉ. जोगेन्द्र सिंह गुर्जर को भी घटना से अवगत कराया गया। कोतवाली के हेड कांस्टेबल शांतिचंद मीना ने बताया कि पीड़ित से मौखिक शिकायत मिली है। अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

रील बनाने पर चिकित्सा अधिकारी कर्मचारी के विरूद्ध होगी कार्यवाही

करौली। करौली सामान्य चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने एक आदे'ा जारी करते हुए चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारीयो को निर्दे'ा दिये है कि वह अस्पताल मे मोबाईल से रील या बीडियो नही बनाये अन्यथा उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही कि जायेगी।

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी रामके'ा मीणा ने कहा कि प्राय: देखने में आया है कि चिकित्सककार्मिक चिकित्सालय में मरीजो के साथ रीलविडियो बनाते है एवं उन्हे सोशल मिडिया पर भी डाल देते है जिससे कई बार चिकित्सालय की छवि भी खराब होती है। अत: सभी को निर्देशित किया जाता है कि मरीजो के साथ किसी भी प्रकार की रीलविडियो ना बनाये और यदि भविष्य में कोई भी चिकित्सककार्मिक ऐसा करते पाया गया तो उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

विश्व जनसंख्या दिवस पर विद्यालय में शिविर का आयोजन

भरतपुर (निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के एक्शन प्लान की अनुपालना में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भरतपुर के द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बझामदी, भरतपुर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भरतपुर अनुतोष गुप्ता द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को जनसंख्या दिवस पर बाल विवाह अभिशाप एवं उसके दुष्परिणाम, पोक्सो अधिनियम, बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना, 2024 योजनाओं, बच्चों का हेल्पलाईन नं. 1098, नालसा के टोल-फ्री राष्ट्रीय विधिक सहायता हेल्पलाईन नं. 15100 के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013, विधिक सहायता, नालसा थीम सॉन्ग, साइबर क्राइम, बाल श्रम, घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, नि:शुल्क विधिक सहायता, कानूनी प्रक्रिया, महिला सषक्तिकरण, बिना लाइसेन्स वाहन न चलाना, टैफिक नियम, राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही छात्र-छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के बारे में बताया एवं उनकी समस्याओं का निराकरण किया। शिविर में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अशोक द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। यह विज्ञिप्त आमजन से संबंधित है। अत: आपसे अपेक्षा है कि इस सूचना को इलेक्ट्रोनिक एवं प्रिन्ट मीडिया में प्रकाशित करावे ताकि अधिक-से-अधिक व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की गतिविधियों से अवगत हो सके।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बझामदी, भरतपुर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया

शिविरों में आमजन को राज्य सरकार की योजनाओं से किया जा रहा है लाभान्वित

करौली, (निंसं.) नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि आज ब्लॉक करौली में कैलादेवी व लौहरा, ब्लॉक मासलपुर में सीलौती, उपखंड टोडाभीम में भनकपुरा, भजेडा व धवान, उपखंड हिण्डौन में झारेडा, सिकरोदा मीना व फुलवाडा, पंचायत समिति श्रीमहावीरजी में श्रीमहावीरजी व अकबरपुर, उपखंड नादौती में नादौती, कैमा व कैमरी, उपखंड मण्डरायल में नानपुर, महाराजपुरा व माँगेपुरा के राजीव गांधी सेवा केन्द्रों पर शिविरों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों द्वारा अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित कर राज्य सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

पश्चिम मध्य रेल

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि.मं.सं.एवं दू.सं.इंजी.(सिगनल एवं दूर संचार) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल, निम्नलिखित कार्यों, KOTA/S&T/Tele/2025/04 & KOTA/S&T/Tele/2025/05 के लिये निर्धारित ई-निविदाएं आमंत्रित करते है टेण्डर खुलने की तारीख एवं समय 04.08.2025 को 15:00 बजे है। इस निविदा के लिये किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जायेगा। **क्र.सं.1- टेन्डर सं.:** कोटा/एसएण्डटी/टेली/2025/05, **कार्य का नाम:** प्रोविजन ऑफ वीएचएफ कम्युनिकेशन (25 वाट) कम हेविंग रिकॉर्डर फेसिलिटी ऐट कोटा-रुठयाई एंड कोटा-बस्सी बैरिसाल सेक्शन (32 स्टेशन) ऑफ कोटा डिवीजन पश्चिम मध्य रेलवे, **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 1,56,87,179.12, **टेण्डर फार्म की कीमत:** नगण्य, **बयाना राशि:** ₹ 2,28,500.00, **कार्य समाप्ति अवधि:** 12 माह, **टेण्डर जमा करने आखिरी तारीख एवं समय:** दिनांक 04.08.2025 को 15:00 बजे तक, **क्र.सं.2- टेन्डर सं.:** कोटा/एसएण्डटी/टेली/2025/04, **कार्य का नाम:** रिप्लेसमेंट ऑफ ओवरऐज्ड वीएचएफ कम्युनिकेशन (25 वाट) कम्युनिकेशन हेविंग रिकॉर्डर फेसिलिटी अट मथुरा-नागदा सेक्शन (58 स्टेशन) ऑफ कोटा डिवीजन पश्चिम मध्य रेलवे, **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 2,68,12,210.12, **टेण्डर फॉर्म की कीमत:** नगण्य, **बयाना राशि:** ₹ 2,84,100.00, **कार्य समाप्ति अवधि:** 12 माह, **टेण्डर जमा करने आखिरी तारीख एवं समय:** दिनांक 04.08.2025 को 15:00 बजे तक। **नोट:** पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई है। निविदा/बोलीदाताओं के पास कक्षा III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और आई.आर.ई.पी.एस पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये। केवल पंजीकृत निविदा/बोलीदाताओं ई-टेण्डरिंग पर भाग ले सकते है। सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किया जाना चाहिये। पंजीकृत निविदा एण्ड GSTIN रजिस्टर होना चाहिये। (हस्ता.)

वरि.मं.सं. एवं दू.सं.इंजी./समन्वय
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सुरक्षित प्रवास की जानकारी दी

करौली, (निंसं.) डांग विकास संस्थान करौली द्वारा मंडरायल तहसील के गांव मनाखुर मे प्रवास पूर्व प्रशिक्षण शुक्रवार को रखा गया। जिसमे डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा द्वारा सुरक्षित प्रवास की जानकारी सभी सहभागियों को दी। कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि डांग विकास संस्थान विगत कई वर्षो से श्रमिको, विधवा महिला एवं गरीब व वंचित परिवारो के लिए कार्य कर रही है। प्रशिक्षण में प्रवास पूर्व आवश्यक जानकारी,सतर्कता,सुरक्षित प्रवास एवं कार्यस्थल पर चिनौतियों व सुरक्षा के साथ-साथ केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पात्रता,आवश्यक दस्तावेज, लाभ के बारे में उपस्थित ग्रामीणो को बताया गया। डांग विकास संस्थान की नीतू चतुर्वेदी द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, बीओसीडबल्यू, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना,पालनहार योजना आदि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। श्रीमती ज्योति शर्मा ने मजदूर हेल्पलाईन नम्बर की जानकारी दी एवं प्रशिक्षण पश्चात आईईसी सामग्री का वितरण किया गया। प्रशिक्षण में डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा एवं जिला समन्वयक श्रीमती ज्योति शर्मा के साथ डांग विकास संस्थान की टीम उपस्थित रही।

भरतपुर में बिजलीघर पर हुआ बीईएसएल की जनसुनवाई का आयोजन

भरतपुर (निस)। भरतपुर में बिजलीघर चौराहा स्थित सब-डिविजनल कार्यालय पर शुक्रवार को भरतपुर इलेक्ट्रिसिटी सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें बिजली से संबंधित उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुना गया। बीईएसएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आकाश सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि जनसुनवाई में भरतपुर शहर के मात्र 17 उपभोक्ता ही अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। अधिकांश उपभोक्ताओं ने विद्युत बिल में किश्त करवाने, पुराने कनेक्शन कटवाने तथा विद्युत खंभे को स्थानांतरित कराने संबंधी समस्याएं रखीं। उन्होंने बताया कि प्राप्त 17 में से 11 शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि कुछ कार्य तकनीकी प्रक्रिया के कारण 7 से 10 दिनों के भीतर पूर्ण किए जा सकेंगे।

रुदावल तहसील बचाओ संघर्ष समिति की बैठक आयोजित

रुदावल भरतपुर (निस)। रुदावल तहसील को यथावत रखने की मांग को लेकर शुक्रवार को दाऊजी मंदिर पर तहसील बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले व्यापारी, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासियों की बैठक पूर्व सरपंच श्रीराम बैंसला की अध्यक्षता में हुई। जिसमें रुदावल तहसील के अस्तित्व को बचाने को लेकर चर्चा की गई। साथ ही सरकार द्वारा रुदावल तहसील को मूल इकाई (पूर्व की तहसील) में विलय करने पर सरकार के खिलाफ आन्दोलन करने की चेतावनी दी है। बैठक में पूर्व सरपंच श्रीराम बैंसला ने कहा कि राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन सलाहकार समिति जयपुर के सचिव राजनारायण शर्मा के पत्र 25 जून 2025 की ओर से जिला कलक्टर भरतपुर से राजस्व मण्डल के पत्र 19 अप्रेल 2007 द्वारा निर्धारित मापदण्ड पर समिति की ओर से परीक्षण उपरांत मापदण्डों के विपरीत तहसील एवं उप तहसीलों को मूल इकाई में विलय करने की रिपोर्ट मांगी है। उक्त मांगी गई रिपोर्ट से लगता है कि राज्य सरकार की ओर से तहसील रुदावल को मूल इकाई (पूर्व की तहसील रूपवास

■ रुदावल तहसील को पूर्व तहसील में विलय करने पर दी उग्र आंदोलन की चेतावनी। क्षेत्रीय विधायक एवं तहसीलदार को सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन।

) में विलय किए जाने की मंशा है, जो कि न्याय संगत नहीं है। तहसील रुदावल को विलय करने से क्षेत्रीय लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही अधिक समय एवं धन का भी व्यय होना तय है। राज्य सरकार द्वारा रुदावल में करोडों रूपये खर्च कर तहसील भवन निर्मित किया हुआ है। जहां तहसीलदार द्वारा सुचारू रूप से भूमि सम्बंधित कार्य सम्पादित किए जाते है व आस-पास के क्षेत्र के लोग भूमि सम्बंधित कार्यों को सहजता के साथ कर पा रहे है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि रुदावल तहसील के खत्म होने से उन्हें भारी नुकसान होगा। तहसील का दर्जा दिलाने के लिए क्षेत्रवासियों ने लंबे समय तक संघर्ष कर धरना-प्रदर्शन भी किए थे। इस मौके पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ऋषि बंसल, संयोजक अर्जुन पहलवान, पूर्व सरपंच भीमसिंह, पूरन सिंह, व्यापार संघ अध्यक्ष खेमचंद बंसल, महामंत्री विजय गर्ग, मनोज शुक्ला, रामबाबू शर्मा, सुरेश सोनी, मदन मोहन भण्डारी, कमल सिंह, लोकेंद्र मुर्रिका, कुमरपाल, रामसिंह, यादराम, विक्रम चौहान, हेमलता, डोडीराम, जजवीर, श्रीभान, किशन सिंह, रामेंद्र, तोताराम, उदयभान, दिलीप, हंसा बरौदा आदि मौजूद थे।

तहसील बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत व तहसीलदार जयप्रकाश शर्मा को सीएम भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपकर रुदावल तहसील को यथावत रखने की मांग रखी। जिस पर विधायक बनावत ने सीएम से मुलाकात कर रुदावल तहसील को यथावत रखने का भरोसा दिया। विधायक ने बताया कि पिछले दिनों आमजन की मांग को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सीएम को पत्र

शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की उमडी भीड़

महादेव मंदिर में दर्शन किए। भक्तों ने शिवजी को बिल्वपत्र, पुष्प और जल अर्पित किया

करौली, (निंसं.) करौली में श्रावण मास की शुरुआत श्रद्धा और भक्ति के साथ हुई। शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में प्रात: से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। मंदिरों में बम-बम भोले के जयकारे और शिव स्त्रोतों की गूंज सुनाई दी। श्रद्धालुओं ने बैठा हनुमान मंदिर,संत गोमतीदास मंदिर,आंधरे की बगीची,सिद्ध हनुमान मंदिर और पंचमुखी महादेव मंदिर में दर्शन किए। भक्तों ने शिवजी को बिल्वपत्र, पुष्प और जल अर्पित किया। उन्होंने सुख,समृद्धि और अच्छी वर्षा की कामना की।कई मंदिरों में सहस्त्रधारा का विशेष आयोजन हुआ।श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से शिवलिंग पर जलधारा चढ़ाई। मंदिरों को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। सावन मास में एक महीने तक चलने वाली शिवपूजन की श्रृंखला में श्रद्धालु प्रतिदिन प्रात: से ही मंदिरों में पहुंच रहे हैं। भक्त शिव परिवार की आराधना कर मंगलकामनाएं मांग रहे हैं।

भरतपुर में बिजलीघर पर हुआ बीईएसएल की जनसुनवाई का आयोजन

भरतपुर (निस)। भरतपुर में बिजलीघर चौराहा स्थित सब-डिविजनल कार्यालय पर शुक्रवार को भरतपुर इलेक्ट्रिसिटी सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें बिजली से संबंधित उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुना गया। बीईएसएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आकाश सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि जनसुनवाई में भरतपुर शहर के मात्र 17 उपभोक्ता ही अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। अधिकांश उपभोक्ताओं ने विद्युत बिल में किश्त करवाने, पुराने कनेक्शन कटवाने तथा विद्युत खंभे को स्थानांतरित कराने संबंधी समस्याएं रखीं। उन्होंने बताया कि प्राप्त 17 में से 11 शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि कुछ कार्य तकनीकी प्रक्रिया के कारण 7 से 10 दिनों के भीतर पूर्ण किए जा सकेंगे।

कृषि महाविद्यालय कुम्हेर में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया

भरतपुर (निस)। कृषि महाविद्यालय कुम्हेर में शुक्रवार को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि भारत वर्ष 2023 में चीन को पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। उन्होंने बताया कि भले ही वर्तमान में देश की जनसंख्या वृद्धि दर धीमी हुई है, लेकिन बड़ी जनसंख्या के आधार के चलते अनेक सामाजिक और आर्थिक चुनौतियाँ अभी भी विद्यमान हैं।

डॉ. सिंह ने कहा कि अत्यधिक जनसंख्या के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बना रहता है, संसाधनों की सीमितता के कारण सभी तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचना कठिन हो गया है। साथ ही बेरोजगारी, पर्यावरण प्रदूषण, झुग्गी-बस्तियों का विस्तार, यातायात की असुविधाएँ और सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ भी तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों पर जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

कृषि महाविद्यालय कुम्हेर में विश्व जनसंख्या दिवस पर संगोष्ठी आयोजित, जनसंख्या वृद्धि से जुड़ी चुनौतियों पर हुई चर्चा।

कार्यक्रम में डॉ. श्वेता सिंह ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस 2025 की थीम युवाओं को एक निष्पक्ष एवं आशापूर्ण विश्व में अपने मनचाहे परिवार बनाने के लिए सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि हमें लैंगिक समानता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और महिला व शिशु मृत्यु दर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने परिवार नियोजन, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और गर्भनिरोधक उपायों के विस्तार की भी आवश्यकता जताई। इस संगोष्ठी में डॉ. रामफूल पूनिया और डॉ. दिलीप सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में राजेन्द्र मीना, डॉ. ममता मीना सहित समस्त कॉलेज स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आधा दर्जन ट्यूबवैल से विद्युत केबल चोरी

नदबई भरतपुर (निस)। नदबई क्षेत्र के गांव कबई में देर रात अज्ञात बदमाश, बेखौफ...करीब आधा दर्जन लोगों के ट्यूबवैल का ताला तोड़ते हुए विद्युत केबल चोरी कर ले गए। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर जांच पडताल करते हुए अज्ञात बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस को सफलता नही मिल सकी। बाद में कबई निवासी उदय सिंह पुत्र टुण्डाराम ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। पुलिस सूत्रों की मानें तो पीडित उदयसिंह पुत्र टुण्डाराम सहित शिवसिंह पुत्र मांगीलाल, किशनसिंह पुत्र मानसिंह, महेन्द्र सिंह पुत्र रामजीलाल, रामदयाल सिंह पुत्र रामहेत व सुरेन्द्र सिंह पुत्र तेजसिंह के अलग-अलग ट्यूबवैल से अज्ञात चोर, विद्युत केबल चोरी कर ले गए। सुबह खेत पर कार्य करने दौरान पीडित को ट्यूबवैल का ताला टूटा मिलने व केबल चोरी होने पर, पीडित ने पुलिस को सूचना दी।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला करौली (राज.)

क्रमांक:-व-15()सामा./घोडा/2024-25/6891-6930 दिनांक: 11.07.2025

खुली निविदा सूचना

जिला पुलिस करौली के घुडसवार शाखा पुलिस लाईन करौली के सरकारी घोडो 06 हेतु सूखा घास 180 क्विंटल (वर्ष 2025-26 के लिए) क्रय करने के लिए एक वर्ष की अवधि के लिये दरें अनुमोदित किये जाने हेतु निविदाऐं आमंत्रित की गई है। निविदाऐं दिनांक 30.07.2025 को 2.00 PM तक स्वीकार की जा कर उसी दिनांक 30.07.2025 को 3.00 बजे समस्त निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी।

क्र.सं.	नाम सामान/कार्य का विवरण	अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा फार्म शुल्क	निविदा खोलने की तिथि
1	सूखा घास	3,00,000	6,000/-	200/-	30.07.2025

शर्तें:-

1. निविदा फार्म व शर्तें दिनांक 30.07.2025 तक कार्यालय समय में 01.00 पी.एम. तक 200/- रूपये का डी.डी./नकद/पोस्टल आर्डर जमा करवाकर कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है।
2. सभी दरें समस्त प्रकार के करों सहित होनी चाहिए।
3. सशर्त निविदाऐं स्वीकार नहीं की जावेगी।
4. सूखा घास की आपूर्ति पुलिस लाईन करौली में करनी होगी।
5. निविदा दाता फर्म रजिस्टर्ड होना अनिवार्य हैं।
6. मांग के अनुसार नियत समय पर सूखा घास की पूर्ति की जावेगी।
7. सूखा घास की गुणवत्ता उच्च कोटि की होगी जिसकी जांच करवायी जाकर एवं इस कार्यालय द्वारा गठित कमेटी द्वारा गुणवत्ता एवं मापतौल की रिपोर्ट के आधार पर राशि का भुगतान किया जावेगा।

जिला पुलिस अधीक्षक
करौली

देश के पहले राजकीय कन्या सैनिक स्कूल का बीकानेर के जयमलसर में लोकार्पण

विद्यालय से बालिकाओं में राष्ट्रभक्ति व राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना जागृत होगी : अर्जुनराम मेघवाल

बीकानेर, (निसं)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को जयमलसर में देश के पहले राजकीय बालिका सैनिक कन्या विद्यालय, रामीदेवी रामनारायण राठी बालिका सैनिक विद्यालय का लोकार्पण किया। इसके लिए भामाशाह पूनमचंद राठी द्वारा 108 करोड़ रुपए राशि की भूमि और भवन शिक्षा विभाग को समर्पित की गई है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि देश का पहला राजकीय बालिका सैनिक विद्यालय, जयमलसर में खुला है। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इसके लिए भामाशाह परिवार का आभार जताया और कहा कि दानवीर लोगों का धन चलता रहता है, जो नदी के पानी की तरह मीठा होता है। तिजोरी में जमा धन, समाज के किसी काम नहीं आता। केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न लोक गीतों और कहावतों के माध्यम से दान-पुण्य और परोपकार का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा संभाग स्तर पर सैनिक विद्यालय प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है, यह सराहनीय है। इससे बालिकाओं में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना जागृत होगी।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि देश के पहले राजकीय सैनिक विद्यालय से हमारी बेटियां सैनिक शिक्षा प्राप्त करेंगी तथा सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह की भांति देश की सेवा करते हुए राजस्थान और बीकानेर का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने कहा कि राठी परिवार द्वारा अपनी मेहनत से कमाया हुआ पैसा, इतने बड़े काम के लिए समर्पित किया है। इसे आने वाले समय में याद रखा जाएगा। दिलावर ने कहा कि गत डेढ़ वर्ष में प्रदेश के परीक्षा परिणाम में सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों ने निजी विद्यालयों की तुलना में बेहतर परिणाम दिए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के दृष्टि बाधित, मूकबधिर और शत प्रतिशत दिव्यांग शिक्षकों को उनके इच्छित स्थान पर पदस्थापन दिया जा रहा है। राजस्थान में पढ़ने वाले सभी बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण पहली बार करवाया गया है। लगभग 70 लाख बच्चों को आवश्यक दवाइयां और ऑपरेशन सहित समस्त चिकित्सा सुविधा राज्य सरकार द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर शिक्षा विभाग के 35 हजार कार्मिकों को पदोन्नत किया गया है। इक्कीस हजार पदोन्नतियां प्रगतिरत हैं। राज्य सरकार द्वारा आरटीई के तहत दो हजार करोड़ रुपए का भुगतान निजी विद्यालयों को किया गया है। वहीं साढ़े 10 लाख बालिकाओं को साइकिलें, 88 हजार बच्चों को लैपटॉप दिए हैं। विभाग द्वारा गत वर्ष 7 करोड़ 22 लाख पौधे लगाए गए। इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसे ध्यान रखते हुए क्रियान्वयन किया जा रहा है। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि पूनम चंद राठी ने अपने पिता रामनारायण राठी की इच्छा पूरी करते हुए संभाग को बड़ी सौगात दी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने बताया कि राज्य के वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट में प्रदेश के सभी संभाग मुख्यालय पर सैनिक विद्यालय स्थापित करने की घोषणा की, जिसकी सर्वप्रथम क्रियान्विति बीकानेर से हुई है।

शिक्षा निदेशक ने बताया कि दानदाता परिवार द्वारा भूमि और प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन के अलावा स्विमिंग पूल, शूटिंग रेंज, घुड़सवारी, हॉकी, फुटबॉल जैसे 13 खेल सुविधाओं के मैदान अथवा कोर्ट का विकास भी करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां सभी सुविधाएं सैनिक सोसायटी के मापदंडों के अनुसार होंगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उद्यमी बिट्ठल दास मूंधड़ा ने कहा कि देश की सुरक्षा में बाह्य सुरक्षा के साथ आंतरिक सुरक्षा भी महत्वपूर्ण होती है। इसमें इन सैनिक स्कूलों का अच्छा योगदान रहेगा। उन्होंने रामीदेवी को अद्भुत महिला बताया और कहा कि उनकी प्रेरणा से यह संस्कारों से यह संभव हो सका है। रामगोपाल जाट ने रामनारायण राठी चेरिटेबल ट्रस्ट की गतिविधियों के बारे में बताया। इससे पहले भामाशाह पूनमचंद राठी ने भूमि से जुड़े दस्तावेज केंद्रीय मंत्री मेघवाल और शिक्षा मंत्री को भेंट किए। इस दौरान पूर्व मंत्री कनकमल कटारा, श्याम पंचारिया, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र शर्मा, बनवारी शर्मा, सूरज देवी दिलावर, श्यामा देवी राठी अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

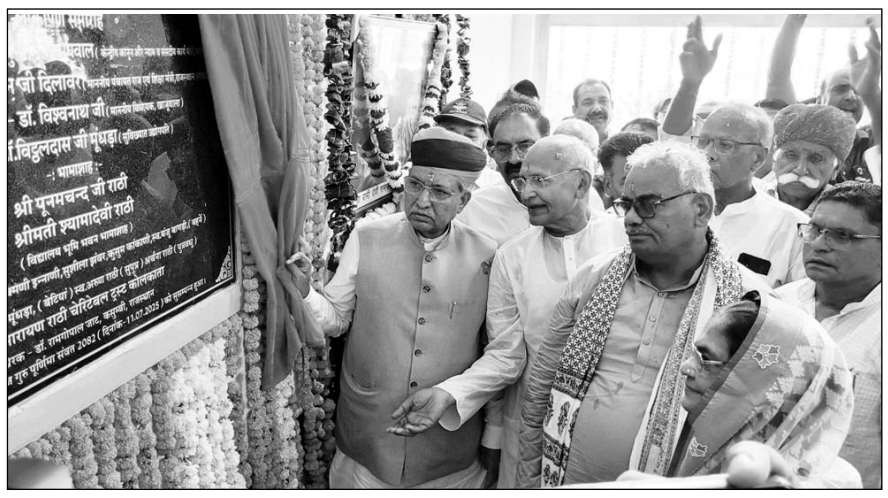

राजकीय कन्या सैनिक विद्यालय का केन्दीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल व राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने लोकार्पण किया।

- विद्यालय के लिए भामाशाह पूनमचंद राठी द्वारा 108 करोड़ रुपए राशि की भूमि और भवन शिक्षा विभाग को समर्पित की गई है

सड़क हादसे में वरिष्ठ लिपिक की मौत

उदयपुर, (निसं)। जिले के परसाद थाना क्षेत्र में कार की चपेट में आने से बाइक सवार वरिष्ठ लिपिक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार परसाद थाना क्षेत्र पराई रोड़ पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार कुरीलाल पुत्र होमाजी मीणा निवासी बारा टीडी गंभीर घायल हो गया। जिसे परसाद चिकित्सालय से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। कुरीलाल सराड़ा तहसिल कार्यालय में वरिष्ठ लिपिक पद पर काम करता था एवं गुरूवार रात में ऋषभदेव में सत्संग में शामिल होने के बाद वापस बाइक पर घर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते पराई रोड़ पर हादसा हो गया। सूचना मिलने पर एएसआई सत्यनारायण ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

- परसाद थाना क्षेत्र में कार ने बाइक को टक्कर मार दी थी

निवेश के नाम पर नगदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। शहर के भुपालपुरा थाना पुलिस ने दंपती सहित छह आरोपियों के खिलाफ निवेश के नाम पर कंपनी बना कर पीड़ित से नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सुरेन्द्रसिंह राठौड़ पुत्र महेन्द्रसिंह ने आरोपी मनोहरसिंह पुत्र महेन्द्रसिंह निवासी जयरामपुर मनारी वाराणासी निदेशक बीएमडी फॅट्स एण्ड हास्पीटलीटी प्रॉ. लि. हॉल रॉयल रोज ज्ञानगढ़ के समीप, ऋषि सुखवाल पुत्र मोहन सुखवाल, छत्रसाल पुत्र नारसिंह, अर्चनासिंह पुत्र मनोहरसिंह, पवन जैन स्वाति सुखवाल पत्नी रिषि सुखवाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया। पीड़ित ने बताया कि मनोहरसिंह से संपर्क होने पर कंपनी बना कर कारोबार शुरू करने की बात कही। इनकार करने के बावजूद आरोपियों ने कंपनी का निर्माण किया। बदले में मैने 50 लाख रूपये एवं आरोपी मनोहरसिंह ने 50 लाख रूपये कंपनी खाते में जमा करवाए। कुछ समय बाद कार्यालय के लिए 13 लाख रूपये का मैने भुगतान किया। इस दौरान आरोपियों ने मेरी सहमति के बिना गोल्ड बॉक्स माईफ्रो फाईनेन्स कंपनी खोल कर मुझे निदेशक बना दिया, जबकि मैने कंपनी बनाने एवं पद लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने मेरे द्वारा किया गया भुगतान मुझे नहीं लौटाया। संपर्क करने पर टालमटोल करना शुरू कर दिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर
क्रमांक-814 दिनांक-4/7/25
Notice Inviting Bid - : 11/2025-26
Bid for the Annual rate contract for repair and mte of road of various Sub Dns, Renewal of Roads at Sub Dantore & Construction of Addl. room and Garage of Residential accommodation of CJ&JM at Khajuwala work are invited from interested bidders upto 10.07.2025 [09:30 AM] to 18.07.2025 [06:00 PM] & Open date 21.07.2025 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www. pwd.rajasthan. gov.in & eproc. rajasthan. gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 301.25 Lakh.
UBN No.- 1. PWD2526WSOB06322, 2. PWD2526WSOB06323, 3. PWD2526WSOB06324 4. PWD2526WSOB06325, 5. PWD2526WSOB06326, 6. PWD2526WSOB06327
DIPR/C/9486/2025 Executive Engineer, PWD Distt. Dn-i, Bikaner

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां Phone : 07453-230106
क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/2317-19 दिनांक : 09.07.2025
ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 26/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से मरम्मत कार्य के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्य की लागत 48.81 लाख रूपये है तथा UBN No. DLB2526WSOB10547 है।
राज.संवाद/सी/25/6039 आयुक्त नगर परिषद बारां

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482
Registerd Office : Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004
Office of The Superintending Engineer (Civil)
Email-secivilavvnl@gmail.com ; http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl
No. : AVVNL/SE/CIVIL/AJM/FC: D : 674 Date : 09/07/2025
निविदा सूचना संख्या 04 (2025-26)
केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों में "ए" व "एए" श्रेणी तथा अ.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी तथा माल एवं सेवाकर विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियंता (सिविल/सिविल-QC), अजमेर/उदयपुर/सीकर/चितौड़गढ़ के अधीन सिविल कार्यों के लिए निविदाऐं UBN No. AVV2526WSOB00154 to AVV2526WSOB00220 आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl पर उपलब्ध है। अधीक्षण अभियन्ता (सिविल) अविविनिलि, अजमेर
राज.संवाद/सी/25/6003

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खंड भीनमाल
क्रमांक : अअ/भीन/2025-26/371 दिनांक : 4.7.2025
निविदा सूचना संख्या : 04 वर्ष 2025-2026
NIB No. PWD2526A1756
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक एवं भवन कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 108.13 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	08 जुलाई 2025, 9.30 बजे से 17 जुलाई 2025, सायं 06.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
1. UBN No. PWD2526WSOB6295 2. UBN No. PWD2526WSOB06296
3. UBN No. PWD2526WSOB06297 4. UBN No. PWD2526WSOB06298
5. UBN No. PWD2526WSOB06299 6. UBN No. PWD2526WSOB06300
DIPR/C/9468/2025 (ओम प्रकाश) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड भीनमाल

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खण्ड उदयपुर
क्रमांक : 863 दिनांक : 03/07/25
NIT No. 07/2025-26
Notice Inviting Bid No. PWD2526A1757
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगर खण्ड उदयपुर के अधीन उपखण्ड द्वितीय/तृतीय/चतुर्थ के अन्तर्गत भवन निर्माण/भवन मरम्मत सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष से पांच वर्ष की गारण्टी अवधि सहित निम्न कार्यों की निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	भवन कार्य-कुल (06) कार्य
निविदा की कुल लागत	राशि रु. लाख 164.54 लाख
ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एंव अपलोड करने की तारीख	10.07.2025. प्रात: 9.30 बजे से 21.07.2025 सांय: 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	22.07.2025 सांय: 4.00 बजे से

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "http://dipr.rajasthan.gov.in", "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "http://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑनलाइन सम्पादित की जायेगी।

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1.	PWD2526WSOB06336	4.	PWD2526WSOB06343
2.	PWD2526WSOB06341	5.	PWD2526WSOB06344
3.	PWD2526WSOB06342	6.	PWD2526WSOB06345

(आर.के. मुदंडा)
DIPR/C/9501/2025 अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खंड, उदयपुर

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा.अभि.विभाग, वृत्त कोटपूतली-बहरोड
क्रमांक-अ.अ./जन स्वा/कोट-बह/2025-26/938 दिनांक-25.06.2025
निविदा में संशोधन हेतु कार्यालय आदेश
इस कार्यालय की निविदा संख्या में निम्न संशोधन किया जाता है।

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	वर्तमान निविदा प्रपत्र (TD) में अंकित	वर्तमान निविदा प्रपत्र (TD) में अंकित दिनांक	निम्नानुसार पढा जावे
17/2025-26	Work of Construction & Commissioning of pipeline and tubewell construction in Narayanpura, Gyanpura, Mundawara, Bilali, Ratanpur/Karana, Garhi, Bamanwas Kankad, and Badagaon, including Bansur Kotputli-Behror, in jurisdinder Sub Division Narayanpur in Jurisdiction of Executive Engineer PHED Division Bansur District Kotputli-Behror.	1. Last Date & time for downloading and upload of tende Documents 2. Deposition of Earnest money, tender fees and processing fees Challan Copy, Annexure "C" 3. Date & time for opening of tender (Tec.Bid/Price bid) 4. Period	30.04.2025 30.04.2025 01.05.2025 4 माह	14.07.2025 15.07.2025 15.07.2025 06 माह

(रामनिवास यादव)
अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वा.अभि.विभाग
वृत्त कोटपूतली
DIPR/C/9618/2025

Office of the Project Director
RUIDP Rajasthan Urban Infrastructure Development Project
AVS Building, Jawahar Circle, JLN Marg, Jaipur – 302017 Tel No.: +91 141 2721966,
Fax No.: 0141-2721919 email : mail.ruidp@rajasthan.gov.in, web site: www.ruidp.rajasthan.gov.in
Invitation for Bids No: RSTDSP/OCB/NTL/47
दिनांक : 10 जुलाई, 2025
राजस्थान द्वितीयक नगर विकास क्षेत्र परियोजना (RSTDSP)-Additional Financing
1. राजस्थान शहरी आधारभूत विकास परियोजना निम्नलिखित कार्यों के लिए पात्र निविदादाताओं से ई-प्रोक वेबसाइट पर ओपन बिडिंग कॉम्पिटिशन के तहत ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित करता हैं :

क्र. सं.	क्लस्टर/पैकेज संख्या	पैकेज का नाम एवं कार्य का विवरण	निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि
1	RSTDSP/BUN/CTYBF/01	बूंदी में शहरी सौन्दर्यीकरण के कार्य – पुर्ननिविदा	14 अगस्त 2025 की दोपहर 3 बजे तक

2. निविदा दस्तावेज e-proc वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 10 जुलाई, 2025 से उपलब्ध होंगे। निविदा दिनांक 14 अगस्त 2025 को दोपहर 3.00 बजे तक e-proc पर प्रस्तुत की जा सकेगी।
3. प्री–बिड मीटिंग दिनांक 17 जुलाई, 2025 को दोपहर 11.00 बजे आयोजित की जावेगी। सभी भावी निविदादाताओं को प्री–बिड मीटिंग में सम्मिलित होने की सलाह दी जाती है। यह भी सलाह दी जाती है कि निविदादाता कार्यस्थल का दौरा एवं निविदा दस्तावेजों का पूर्ण रूप से अध्ययन कर लेवें।
4. निविदादाताओं के प्रश्नों के स्पष्टीकरण/Addendum एवं शुद्धिपत्र केवल e-proc वेबसाईट पर प्रकाशित किये जायेंगे ना कि किसी समाचार पत्र में।
5. अतिरिक्त परियोजना निदेशक, आरयूआईडीपी, जयपुर (0141–2548404) से निविदादाता, निविदा प्रक्रिया संबंधित पूर्ण जानकारी ले सकते हैं।

NIB Code : UID2526A0007
UBN No. : UID2526WSOB00007
राज.संवाद/सी/25/6030 परियोजना निदेशक आरयूआईडीपी

हाईटेंशन लाइन के करंट से युवक झुलसा, जयपुर रैफर

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना शहर के हीरानगर रोड स्थित कृष्ण मैरिज गार्डन के पास रहने वाला एक युवक अमित सैनी पुत्र बाबूलाल सैनी निवासी डेहरा जोहड़ी गुहाला हाईटेंशन बिजली लाइन से करंट लगने के कारण गंभीर रूप से झुलस गया।

जानकारी के अनुसार यह हादसा 10 जुलाई को शाम करीब सात बजे हुआ, जब अमित अपने किराये के मकान की छत पर गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मकान के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के ढीले तार और पोल पर क्षमता से अधिक तारों के कारण मकान की छत पर हवाई करंट फैल गया। इसके संपर्क में आने से अमित बुरी तरह झुलस गया। घटना के तुरंत बाद उसे कपिल चिकित्सालय नीमकाथाना में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताकर उसे जयपुर के लिए रैफर कर दिया। पीड़ित के परिजनों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार शिकायतों के बावजूद विभाग ने हाईटेंशन लाइन की मरम्मत नहीं करवाई। बिजली पोल पर छह तार होना खुद में नियमों का उल्लंघन है, जिससे यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ। प्रार्थी छोटेलाल सैनी ने नीमकाथाना थाने में रिपोर्ट देकर बिजली विभाग के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे सभी खतरनाक बिजली पोल और हाईटेंशन लाइनों की तत्काल जांच कर सुधार कार्य करवाया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

गंभीर रुप से घायल युवक।

गौचर भूमि बचाने की मांग, गौभक्त भूख हड़ताल पर बैठे

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी, (निसं)। क्षेत्र में गौचर भूमि बचाने की मांग को लेकर गौभक्त भूख हड़ताल पर बैठे। पहले दिन पांच युवा भूख हड़ताल पर बैठे और बड़ी संख्या में रैली के रुप में युवा पहुंचे। संत महावीर जति महाराज के अनुसार क्षेत्र में गौचर भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने, गौचर भूमि खाली कराने व ठोस कार्यवाही प्रशासन द्वारा नहीं की जायेगी तब तक भूख हड़ताल जारी रहेगी तथा भूख हड़ताल करने वाले गौभक्तों व युवाओं को तब तक संतों का सानिध्य व समर्थन मिलेगा।

यहां उपखंड कार्यालय के सामने गौचर बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले भूख हड़ताल पर बैठे युवाओं की मांग का समर्थन करते हुए धरना स्थल पर पहुंचे, शिवमठ धाम आश्रम के पीठाधीश्वर महावीर जति महाराज ने गौभक्तों व युवाओं को संबोधित किया तथा मीडिया से रूबरू हुए। संघर्ष समिति के अनुज बादूसर ने बताया कि उपखंड क्षेत्र में गौचर भूमि को बचाने की मांग को लेकर शुक्रवार को गौचर भूमि बचाओ संघर्ष समिति की ओर से उपखण्ड कार्यालय के सामने भूख हड़ताल शुरू की गई है तथा पहले दिन पांच युवा भूख हड़ताल पर बैठे तथा उनके समर्थन में साधु संत सहित बड़ी संख्या में लोग आये। उन्होंने बताया कि समिति के सदस्य रैली के रुप में उपखण्ड अधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां उपखण्ड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया तथा प्रमुख शासन सचिव व जिला कलेक्टर के ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रेषित की। ज्ञापन में समिति ने बताया कि क्षेत्र की गौचर भूमि को बचाने के लिए काफी समय से ज्ञापन दिए जा रहे हैं तथा हाल ही में तीन जुलाई को भी बादूसर एवं समस्त ग्राम पंचायतों की गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर खाली कराए जाने का ज्ञापन भी दिया गया था। जिस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर संतों के सानिध्य में गौभक्त श्रावण मास के पहले दिन से भूख हड़ताल पर बैठे। इस अवसर पर शिवमठ आश्रम गाडोदा के पीठाधीश्वर महावीर जति महाराज, श्री शील जति आश्रम भोजासर बड़ा के पीठाधीश्वर शिवराज जति महाराज, विकास नाथ महाराज, रविनाथ महाराज, प्रवीणनाथ महाराज सहित बड़ी संख्या में गौभक्त, युवा धरने में शामिल हुए।

- पहले दिन पांच युवा भूख हड़ताल पर बैठे, बड़ी संख्या में रैली के रुप में युवा पहुंचे
- संतों ने चेतावनी दी कि जब तक ठोस कार्यवाही नहीं होगी व गौचर भूमि से अतिक्रमण नहीं हटेगा तब तक भूख हड़ताल जारी रहेगी

पाली में बारिश से सड़कें जलमग्न

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर में शुक्रवार शाम 5:30 बजे डेढ़ घंटे तक जमकर बरसात हुई, जिससे सड़के जलमग्न हो गई।

करीब एक सप्ताह बाद हुई इस बारिश से शहरवासियों के चेहरे खिल गए। तेज बारिश के कारण सभी शहर के नाले उफान पर रहे, शहर की कई बस्तियों और सड़कों पर एक से डेढ़ फीट पानी भर गया। बारिश से आदर्श नगर लोढ़ा स्कूल रोड, मांड्या रोड, जांगिवाड़ा रामदेव रोड सिंधी कॉलोनी, मिल गेट रोड स्टेशन चौराहा पर पानी भर गया, जहां से राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया।

- तेज बारिश से शहर के नाले उफान पर रहे, शहर की कई बस्तियों और सड़कों पर एक से डेढ़ फीट पानी भर गया

सड़क पर पानी भरने से लोगों को परेशानी हुई।

जैसलमेर में छतरी निर्माण विवाद शांत

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में छतरियों के निर्माण कार्य को लेकर गुरुवार को शुरू हुआ तनाव शुक्रवार को शांत रहा।

गुरुवार रात को पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी ने छतरियों के निर्माण स्थल पर ही रात बिताई। उन्होंने यहां समर्थकों के साथ भजन-कीर्तन किया। उन्होंने कहा कि निर्माण पूरा होने तक वे यहीं रहेंगे। शुक्रवार सुबह शिव विधायक रविंद्रसिंह भाटी भी विवादित स्थल पहुंचे। उन्होंने भी भजन-कीर्तन किया। मामला जिले के बासनपीर गांव का है। एक दिन पहले हुई पत्थरबाजी और विरोध प्रदर्शन के कारण मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। मौके पर शांति है और निर्माण कार्य भी चल रहा है।

विधायक महंत प्रतापपुरी ने छतरियों के निर्माण स्थल पर समय बिताया।

उम्मेद स्टेडियम में बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर खेल मंत्री राज्यवर्धन ने नाराजगी जताई

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने अधिकारियों को फटकार लगाई

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश सरकार के उद्योग विभाग, खेल एवं युवा मामले विभाग, स्किल और सैनिक कल्याण विभाग के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने जोधपुर प्रवास के दूसरे दिन राजकीय उम्मेद स्टेडियम का निरीक्षण किया। यहां खेल छात्रावास का निरीक्षण करने के साथ ही यहां की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने जिमनास्टिक प्रशिक्षण ले रही छात्राओं से संवाद कर समस्याओं की जानकारी ली। इसके साथ ही जिमनास्टिक को बेहतर सुविधा देने को लेकर अधिकारियों को प्लान बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा फुटबॉल को लेकर भी निर्देश दिए गए। इसके बाद राजस्थान राज्य खेल संस्थान जोधपुर एवं शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का भी दौरा किया।

कैबिनेट मंत्री ने यहां सुविधाओं को लेकर और क्या कुछ हो सकता है इसको लेकर दो तीन सप्ताह में ही प्लान बनाकर भेजने के निर्देश दिए। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के अधूरे निर्माण को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। कैबिनेट मंत्री राठौड़ ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि खेलों को आगे बढ़ाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। खिलाड़ियों को प्रमोट करने के साथ विश्वस्तर पर भारतीय प्रतिभाएं निखर सकें इसके लिए केन्द्र-राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि मैं खुद खिलाड़ी रहा हूं, तो मुझे इनकी समस्याओं की जानकारी रहती है ऐसे में विजिट के बाद जो कमियां है, उनको दूर कर खिलाड़ियों का आगे बढ़ाने के लिए नए प्लान तैयार किए जाएंगे। इसके साथ उद्योग को लेकर कहा कि राइजिंग राजस्थान के जरिए जो एमओयू हुए है, उनको धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। एक जाइंट ग्रुप बनाया है, ताकि उद्योगों एवं सरकार के बीच सामंजस्य बने और जो भी समस्याएं है उनको दूर कर उद्योग का विकास हो सके। इसके साथ ही नई पॉलिसी बनाई जा रही है। आगामी स्टोन मार्ट 2026 का आयोजन होने जा रहा है। जिसके लिए लघु उद्योग भारती को भी जोड़ा गया है। राजस्थान का पत्थर विश्व प्रसिद्ध है सुविधा का विस्तार होने पर उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जोधपुर का हैंडीक्राफ्ट काफी एक्सपोर्ट होता है, तो उसको आगे बढ़ाने के लिए क्या कुछ हो सकता है इसके लिए आगामी तीन माह में जो पॉलिसी तैयार हो रही है, उसमें विचार किया जा रहा है। विशेषकर एक्सपोर्ट के लिए बंदरगाह होना आवश्यक है, ताकि ट्रांसपोर्ट की लागत कम हो सके, इसके लिए भी प्रयास किया जा रहा है।

- मंत्री ने खिलाड़ियों से संवाद कर फीडबैक लिया और अणिकारियों को कमियां दूर करने के निर्देश दिये

सड़क हादसे में श्रमिक की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में बाइक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में श्रमिक की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार रात में गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र खरपीणा रोड़ पर बाइक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार खबबर निवासी गणेशलाल (35) पुत्र पदमा मीणा की मौत हो गई।

गणेशलाल अपने साथी पप्पु की बाइक पर राजसमंद से गांव लौट रहा था, जहां बीच रास्ते खरपीणा रोड़ पर पिछे से आ रही अन्य बाइक ने टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर घायल होने पर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई प्रदीप कुमार ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

'राजस्थान पर्यटन विभाग शुरू करेगा राज्य पर्यटन पुरस्कार'

आउटलुक भारतीय जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार राजस्थान - 2025 के तीसरे संस्करण का आयोजन

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि राजस्थान में पर्यटन विभाग की ओर से राज्य पर्यटन पुरस्कार शुरू किए जाएंगे। जिसमें पर्यटन के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में टूरिज्म पॉलिसी, टूरिज्म यूनिट पॉलिसी, फिल्म पॉलिसी की तरह रेस्पॉन्सीबल टूरिज्म पॉलिसी बनाने की सम्भावना पर काम किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से शुक्रवार को जयपुर के एक होटल में आउटलुक भारतीय जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार राजस्थान 2025 के तीसरे संस्करण के आयोजन के अवसर पर अपने सम्बोधन में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण व पर्यटन विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। पानी, बिजली और वृक्षों को बचाने के लिए अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे।

आउटलुक भारतीय जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार आयोजन के अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का सम्मान किया

- दिया कुमारी ने कहा राज्य में पर्यावरण संरक्षण व पर्यटन विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता है

दिया कुमारी ने कहा कि हम इस ज़िम्मेदारी पर गर्व से सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में, राजस्थान ने 23 करोड़ से ज़्यादा घरेलू यात्रियों और 21 लाख विदेशी पर्यटकों का राजस्थान आगमन हुआ। जिससे राजस्थान घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या के हिसाब से भारत में पाँचवाँ सबसे अधिक पर्यटकों द्वारा भ्रमण किया जाने वाला राज्य बन गया है। उन्होंने इस आयोजन का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि जिम्मेदार पर्यटन एक सशक्त विचार का जश्न मनाता है, समावेशिता और हमारे लोगों व हमारे पर्यावरण के प्रति सम्मान पर आधारित पर्यटन आज के समय की आवश्यकता है।

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में हर किले का जीर्णोद्धार, हर सड़क का निर्माण और हर सांस्कृतिक स्थल का प्रचार-प्रसार करना लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमें राजस्थान में विश्वस्तरीय, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से संरक्षित बुनियादी ढाँचा तैयार करना है। इस वर्ष के बजट में 5,000 करोड़ का पर्यटन अवसंरचना और क्षमता निर्माण कोष की व्यवस्था की है।महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। जिसके अनुरूप, हम पर्यटन में महिलाओं की भूमिका का विस्तार कर रहे हैं।

डीएनए रिपोर्ट और परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर दो हत्यारों को उम्रकैद

जयपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-7 महानगर प्रथम ने मंदिर में रहकर देखरेख करने वाले व्यक्ति की हत्या करने वाले दो अभियुक्तों सुरेन्द्र सिंह और गोकुल मेहरा को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने प्रत्येक अभियुक्त पर साठ हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी रविबाला सिंह ने अपने आदेश में कहा कि भले ही घटना को कोई चश्मदीद गवाह नहीं है, लेकिन डीएनए रिपोर्ट और परिस्थितिजन्य साक्ष्य से साबित है कि अभियुक्तों ने यह अपराध किया है। दूसरे अभियुक्त के कब्जे से बरामद मोबाइल में घटनास्थल के फोटो मिले है। जिसमें मृतक रस्सी से बंधा हुआ है। परीक्षण में आया कि यह फोटो घटना की रात करीब तीन बजे लिए हुए थे। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक भगवत गौड़ ने बताया की घटना को लेकर मृतक के बेटे राजेन्द्र सिंह ने 26 जनवरी, 2021 को सोडाला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके पिता गिर्राज सिंह बीते 12 साल से मेहरा मंदिर की देखरेख कर रहे थे। बीती रात वह उन्हें खाना देकर आया था। सुबह उसकी पत्नी के पास मोहल्ले से फोन आया कि पिताजी ने मंदिर का ताला नहीं खोला है। जब वह मौके पर पहुंचा तो उसके पिता के हाथ-पैर बंधे थे और मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। जिसके चलते उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शुक्रवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राठौड़ ने इस अवसर पर सिंह के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। इसके साथ ही राठौड़ ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय ताई राहटकर से भी नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

गोविंद देवजी मंदिर में शिव गायत्री महायज्ञ कल

जयपुर। सावन के पहले सोमवार की पूर्व संध्या पर आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में रविवार सुबह आठ से दस बजे तक शिव गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि यज्ञ पूर्णतया निशुल्क है। किसी भी तरह के सामान लाने की आवश्यक्ता नहीं है। यज्ञ में सभी को आहुतियां प्रदान करने का अवसर मिलेगा। यज्ञ के निर्धारित समय सुबह आठ बजे यज्ञशाला में स्थान ग्रहण करने वाले श्रद्धालुओं को उपहार स्वरूप पौधा दिया जाएगा। सभी श्रद्धालुओं सावन में भोलेनाथ को अर्पित करने के लिए शांतिकुंज हरिद्वार में 98 साल से प्रज्जवलित अखंड ज्योति से होने वाले यज्ञ की भस्म भी दी जाएगी।

शुक्रवार को किरण पथ मानसरोवर स्थित वेदमाता गायत्री वेदना निवारण केन्द्र में गायत्री परिवार राजस्थान के प्रभारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया।

'जल्द आदेश जारी नहीं हुए तो होगा प्रदेशव्यापी आंदोलन'

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा बजट 2025 में की गई घोषणा ठेका कर्मचारियों के लिए की गई घोषणा को लागू करने में हो रही लापरवाही पर अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) ने गहरी नाराजगी प्रकट की है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन प्रेषित किया।

- बजट घोषणा 2025 ठेका कर्मचारियों के लिए की गई घोषणा को लागू नहीं करने पर कर्मचारी महासंघ एकीकृत ने जताई कड़ी नाराजगी

ज्ञापन में विशेष रूप से बजट घोषणा संख्या 97(5) का उल्लेख करते हुए बताया गया कि सरकार द्वारा अल्प वेतन भोगी कर्मचारियों को ठेकेदारों के शोषण से मुक्त कराने के लिए कार्मिक विभाग द्वारा संस्था बनाकर नियम बनाने की घोषणा की गई थी । जिसे सरकार द्वारा 3 माह में पूरा करने के निर्देश उच्च अधिकारियों को दिए गए थे, लेकिन दुखद है कि 5 महीने बाद भी आज तक न तो कोई आदेश जारी हुआ और न ही कोई ठोस प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

इसके विपरीत ठेकेदारों द्वारा कई वर्षों से सेवाएं दे रहे ठेका कर्मचारियों को सेवा से बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है, जिससे कार्य बाधित हो रहा है तथा ठेका कर्मचारियों में भारी असंतोष फैल रहा है।

सरकार की घोषणा के बावजूद विभागों में उच्चाधिकारियों द्वारा कार्मिक विभाग से मांगी जा रही सूचना को शून्य बताकर इन कर्मचारियों के नियोजन को रोकने का प्रयास किया जा रहा है जो कि पूर्णतया गलत है। जिसके कारण उक्त कर्मचारियों के समक्ष रोजगार का संकट उत्पन्न हो रहा है।

मोबाइल चोरी कर ऑनलाइन 3.32 लाख रुपए निकाले

जयपुर। सांगानेर थाना एक युवक को रेड बत्ती पर बाइक रोकना भारी पड़ गया। रेड बत्ती पर बाइक रोकते ही दूसरी बाइक पर आए बदमाशों ने युवक की पीठ पर लटके बैंग से उसका मोबाइल फोन चुराया और ऑन लाइन लाखों रुपए का ट्रांजेक्शन कर लिया। वारदात की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि भीलवाड़ा के हनुमान नगर निवासी दुर्गेश कुमार (39) का आरोप है कि वो देवराज नगर मदरामपुरा में किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रहता है। रविवार दोपहर करीब साढ़े 4 बजे वो मोटरसाईकिल से जगतपुरा से मदरामपुरा आ रहा था। कुम्भा मार्ग पर रेड लाइट होने पर बाइक रोक कर खड़ा था। इसी दौरान बाइक पर आए दो लड़के भी उसके पास आकर रुक गए। बदमाशों ने बाइक पर लटके बैग में रखा मोबाइल निकाल लिया।

वाहन चुराने वाला चोर गिरफ्तार

जयपुर। गलता गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर को पकडा है और उसके पास से चुराई गई एक बाइक बरामद की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि गलता गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले 26 वर्षीय सोहेल निवासी जयसिंह पुरा खोर जयपुर को गिरफ्तार किया है।

31 जुलाई तक आयोजित होंगे सर्वे कैम्प

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर राजस्व वसूली के लिये मिशन मोड पर काम कर रहा है। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार वार्डवार समग्र सर्वे कैम्प आयोजित किये जा रहे है। वर्तमान में 1 जुलाई 2025 से कैम्प आयोजित किये जा रहे है जो 31 जुलाई 2025 तक 15-15 दिन के अन्तराल से वार्डवार आयोजित किये जायेगे।

समग्र सर्वे कैंप प्रत्येक वार्ड में 15 दिन निर्बाध रूप से आयोजित किए जायेंगे। कैंप दिवस से दो दिन पूर्व संबंधित वार्ड में प्री-कैंप आयोजित किए जायेंगे। राज्य सरकार द्वारा 18 जून 2025 से नगरीय विकास कर एवं गृह कर में विभिन्न रियायतें दी गई हैं। जिसके क्रम में राजस्व वसूली की अभिवृद्धि करने तथा नगरीय विकास कर एवं विज्ञापन शुल्क की शत-प्रतिशत वसूली के लिए 1 जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक सभी जोन में वार्डवार शिविर आयोजित किए जा रहे है तथा अगस्त माह में भी रिपीट कैंप आयोजित किए जायेंगे। कैंप की शुरूआत 1 जुलाई 2025 से सभी जोन में एक साथ शुरू हो चुका है। कैंप का समय प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक है।

इन कैंपों में नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार स्थित समस्त संपत्तिधारकों से नियमानुसार शत-प्रतिशत नगरीय विकास कर एवं विज्ञापन शुल्क की वसूली के लिए समस्त संपत्तियों के सर्वे, री-सर्वे, अपडेशन एवं आपत्ति निराकरण, बिल वितरण तथा जियो-टैगिंग का कार्य किया जा रहा है।

जवाहर कला केन्द्र के नटराज थियेटर फेस्टिवल का शुभारंभ

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित नटराज महोत्सव का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। केन्द्र की अतिरिक्त महानिदेशक अलका मीणा ने नटराज की मूर्ति को पुष्प अर्पित कर और दीप जलाकर महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान जेके की वरिष्ठ लेखा अधिकारी बिंदु भोभरिया, कंसल्टेंट प्रोग्रामिंग मैनेजर डॉ. चंद्रदीप हाड़ा अन्य प्रशासनिक अधिकारी, फेस्टिवल क्यूरेटर योगेन्द्र सिंह परमार, निर्देशक और अभिनेता गोपाल दत्त व अन्य कलाकार मौजूद रहे।

- गोपाल दत्त ने अनोखे अंदाज में सजाया थिएटर परफॉर्मेंस में गूंजने वाले गीतों का गुलदस्ता
- आज शाम 7:00 बजे सौरभ नायर के निर्देशन में खेला जाएगा नाटक गोल्डन जुबली

महोत्सव के पहले दिन गोपाल दत्त के निर्देशन में और करो थिएटर नामक प्रस्तुति हुई। यह प्रस्तुति एक संगीतमयी सफरनामा है। ख़ैर-मक़्दम हाजरीन गीत गाते हुए कलाकार मंच पर आते हैं और सभी का अभिवादन करते हैं। तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कला प्रेमी गोपाल दत्त और साथी कलाकारों का स्वागत करते हैं।

थिएटर प्रस्तुतियों में गाए जाने वाले गीतों को संजोकर गोपाल दत्त ने यह सुरीला गुलदस्ता तैयार किया है।

उन्होंने बताया कि राजस्थान में पहली बार यह प्रस्तुति हुई है। दो साल पहले उन्हें यह प्रेरणा मिली कि नाटकों में गाए गए गीतों को संजोया जाए। यह सुरीला ताना बाना ही और करो थिएटर के रूप में सामने आया जिसमें गोपाल दत्त ने एनएसडी में पढ़ाई से लेकर अब तक लगभग 15 से 20 साल के दौरान किए गए नाटकों के गीतों को संकलित किया गया।

30 साल की उम्र हो गई, टूटी-फूटी कमर हो गई, ना नौकरी-ना छोकरी-ना गाड़ी-ना घर, और करो थिएटर, प्रस्तुति का शीर्षक इसी गीत से लिया गया है जिसमें एक रंगकर्मी की जिंदगी को हास्यात्मक व्यंग्य के रूप में व्यक्त किया गया है। गोपाल दत्त का मानना है कि इन पंक्तियों में ही युवा रंगकर्मियों के लिए सबसे बड़ा संदेश छिपा हुआ है कि रंगकर्म एक साधना है जिसमें मुकाम हासिल करने के लिए बहुत संघर्ष, त्याग और समर्पण के साथ आगे बढ़ना पड़ता है। जीवन के अलग-अलग रंगों को व्यक्त करने वाले ऐसे ही 8 से 10 गीतों को गोपाल दत्त व साथी कलाकारों ने अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत किया। साथी कलाकारों में शांतनु हेरलेकर और सिद्धार्थ पडियार शामिल रहे।

गौरतलब है कि नटराज महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार शाम 7:00 बजे सौरभ नायर के निर्देशन में नाटक गोल्डन जुबली का मंचन किया जाएगा।

मृतक पिता की नाबालिग बेटी और माता को कोर्ट ने उत्तराधिकारी माना

जयपुर। जयपुर मेट्रो-द्वितीय की जिला व सेशन न्यायाधीश ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि माता-पिता के बीच में विवाह विच्छेद यानि तलाक होने के बाद भी संतानों के संबंध उनसे खत्म नहीं होते। कोर्ट ने मृतक की नाबालिग बेटी और मां को प्रथम श्रेणी का उत्तराधिकारी मानते हुए दोनों के उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने के लिए कहा है। कोर्ट ने कहा कि हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम1956की धारा8के तहत बेटी और माता को प्रथम श्रेणी का उत्तराधिकारी माना है। डीजे रीटा तेजपाल ने यह आदेश पहली पत्नी के जरिए दायर नाबालिग14साल की बेटी के उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र पर दिया। वहीं कोर्ट ने दूसरी पत्नी को यह कहते हुए उत्तराधिकारी नहीं माना कि बिना सात फेरे और वैवाहिक रस्मों के हुई शादी वैध नहीं मान सकते। मामले से जुड़े अधिवक्ता सुधीर शुक्ला ने बताया कि प्रार्थिया की मां का7मई, 2006को हिंदू रीति-रिवाजों के साथ रोशनलाल सैनी के साथ शादी हुई थी। इस दौरान प्रार्थिया का जन्म हुआ। वहीं5मार्च2018को उसके माता-पिता का विवाह-विच्छेद हो गया,वह अपनी मां के साथ रहती है। उसके पिता की बीएसएनएल की सेवा में रहते हुए29अप्रेल2021को मृत्यु हो गई। उसके पिता की मां ने भी पारिवारिक पेंशन,ग्रेच्युटी,इंश्योरेंस सहित अन्य सेवा परिलाभ के लिए खुद को वारिस बताते हुए राशि उसे देने का आग्रह किया है। इसलिए उसे विधिक वारिस मानकर मृतक पिता की संपत्ति सहित अन्य राशि दिलवाई जाए। जवाब में मृतक की मां ने कहा कि प्रार्थिया की माता ने विवाह विच्छेद के समय ही एक मुश्त भरण-पोषण राशि ले ली। अब उसका मृतक की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं है।

वहीं दूसरी पत्नी ने कहा कि उसकी शादी21अप्रेल2021को हुई थी। पति की शादी के8दिन बाद ही हुई मौत होने पर वह एकमात्र वारिस है। वह सभी सेवा परिलाभ की अधिकारी है। लेकिन कोर्ट के समक्ष पेश साक्ष्य से साबित हुआ कि दूसरी शादी के दौरान ना वैवाहिक रस्में हुई और ना ही फेरे। वहीं दूसरी पत्नी की दिमागी हालत भी सही नहीं थी। कोर्ट ने माना कि दूसरी शादी को हिन्दू रीति-रिवाज के तहत वैध नहीं मान सकते। उसका कोई विधिक उत्तराधिकार नहीं है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा चलाएगा अभियान

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने बताया कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा मुस्लिम बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष अभियान चलायेगा। इस अभियान के माध्यम से उन परिवारों को जागरूक किया जाएगा, जिनकी बेटियाँ किसी कारणवश विद्यालय नहीं जा रही हैं। मेवाती ने बताया कि मोर्चा का उद्देश्य बालिकाओं का विद्यालयों में नामांकन बढ़ाना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित करना है।

साथ ही यह प्रयास किया जाएगा कि उन सामाजिक, आर्थिक या पारिवारिक कारणों की पहचान की जाए, जिनकी वजह से बालिकाएं शिक्षा से वंचित हैं और उन बाधाओं को दूर करने के लिए समुचित कदम उठाए जाएं। मेवाती ने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का यह अभियान समाज में शिक्षा की अलख जगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे मुस्लिम समाज की बेटियों को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर किया जा सकेगा।

देवनानी जायेंगे मध्यप्रदेश, आध्यात्मिक स्थलों का करेंगे दर्शन

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी 13 जुलाई को मध्यप्रदेश जायेंगे। देवनानी 13 से 15 जुलाई तक मध्यप्रदेश की तीन दिवसीय यात्रा पर रहेगे। देवनानी इस यात्रा के दौरान भोपाल, इन्दौर, आगर मालवा और खाण्डवा जिलों में जायेंगे।विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी 14 जुलाई को भोपाल विधान सभा में राज्यों के विधान मण्डलों की समिति प्रणाली की समीक्षा करेंगे। उल्लेखनीय है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश के विधान मण्डलों की समितियों की सुदृढता की समीक्षा के लिए सात विधान सभा अध्यक्षों की एक समिति का गठन किया है। देवनानी इस समिति के सदस्य है। यह समिति देश के विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं में गठित समितियों का तुलनात्मक अध्ययन कर विधान सभा समितियों की सुदृढता के लिए एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इस समिति में राजस्थान विधान सभा के साथ मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और ओडिसा विधान सभा के अध्यक्ष भी शामिल है। यह समिति रिपोर्ट को लोकसभा अध्यक्ष को प्रस्तुत करेंगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी 13 जुलाई को इन्दौर में इन्दौर नगर निगम द्वारा संचालित स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन योजना के तहत की गई व्यवस्था का मौके पर जाकर अवलोकन करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मध्यप्रदेश यात्रा के दौरान महाकाल मंदिर, बगलामुखी मंदिर और ओमकारेश्वर मंदिर जायेंगे। देवनानी मंदिरों में दर्शन और पूजा करके प्रदेश की खुशहाली की कामना करेंगे। देवनानी पवित्र नदी नर्बदा की भी पूजा अर्चना करेंगे। इस तीन दिवसीय यात्रा के लिए देवनानी रविवार को प्रात: जयपुर से वायुयान द्वारा इन्दौर के लिए रवाना होंगे। देवनानी का 15 जुलाई को इन्दौर से वायुयान द्वारा जयपुर लौटने का कार्यक्रम है।

- विधान मण्डलों की समिति प्रणाली की समीक्षा बैठक में लेंगे भाग
- देवनानी 13 से 15 जुलाई तक मध्यप्रदेश की तीन दिवसीय यात्रा पर रहेगे

सनातन धर्म को युग धर्म के रूप में स्थापित करने का पर्व है गुरु पूर्णिमा : स्वामी रामदेव

हरिद्वार। गुरु-शिष्य परम्परा का प्रतीक 'गुरु पूर्णिमा' पर्व पतंजलि योगपीठ के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रामदेव जी महाराज व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के सान्निध्य में पतंजलि वैलनेस,योगपीठ-2स्थित योगभवन ऑडिटोरियम में आस्था व समर्पण के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्वामी रामदेव जी तथा आचार्य बालकृष्ण जी ने एक-दूसरे को माला पहनाकर गुरु पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि गुरु पूर्णिमा सनातन धर्म को युग धर्म के रूप में स्थापित करने का पर्व है।

यह भारत की गौरवशाली गुरु-शिष्य परम्परा,ऋषि परम्परा,वेद परम्परा व सनातन परम्परा का परिचायक तथा इनको पूर्णता प्रदान करने वाला पर्व है। उन्होंने कहा कि वेद,ऋषि और गुरु धर्म में राष्ट्र धर्म भी समाहित हैं। उन्होंने पतंजलि विवि के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपको ऋषित्व और देवत्व में जीना हैं,इसी से जगत में नयी क्रांति का संचार होगा।

उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। वर्चस्व सत्य,योग,अध्यात्म व न्याय का होना चाहिए। अलग-अलग कारणों से पूरी दुनिया में अलग-अलग प्रकार के वैचारिक उन्माद,मजहबी उन्माद, भौतिकवाद, इंटिलेक्चुअल टैरिरिज्म, रिलिजियस टैरिरिज्म, पॉलिटिकल, इकॉनोमिकल टैरेरिज्म, मेडिकल टैरेरिज्म, एजुकेशनल टैरेरिज्म चल रहे हैं। ऐसे में पूरे विश्व को भारत से शिक्षा ,चिकित्सा, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक दिशा मिलेगी और भारत की प्रतिष्ठा विश्वगुरु के रूप में होगी।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने कहा कि गुरु पूर्णिमा पर्व गुरु-शिष्य परम्परा को प्रदर्शित करने का पर्व है किंतु इसकी सार्थकता तभी है जब हम अपने गुरु पर पूर्ण आस्था रखते हुए उनके बताए मार्ग का अनुसरण करें। उनके द्वारा बताए गए नियमों का आलम्बन लेकर अपने जीवन को सद्मार्ग पर ले जाएँ। उन्होंने कहा कि भारत गुरु-परम्परा,योग,आयुर्वेद,सनातन,वैदिक ज्ञान के जरिये ही विश्व गुरु बनेगा। अपने जीवन में किसी ऐसे आदर्श गुरु,महापुरुष का आश्रय व आलम्बन लें जिससे जीवन की उन्नित का मार्ग प्रशस्त हो।इस अवसर पर भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एन.पी. सिंह ने सनातन क़ो प्रणाम करते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा का यह दिव्य वातावरण अद्भुत है। स्वामी रामदेव जी और आचार्य बालकृष्ण जी के आशीर्वाद से शिक्षा में समग्र क्रांति का सूत्रपात पतंजलि के माध्यम से किया जा रहा है।

आचार्य बालकृष्ण जी ने एक-दूसरे को माला पहनाकर गुरु पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएँ दीं।

- पतंजलि योगपीठ में गुरु पूर्णिमा महोत्सव सम्पन्न
- गुरु पूर्णिमा की सार्थकता तभी है जब हम अपने गुरु पर पूर्ण आस्था रखते हुए उनके बताए मार्ग का अनुसरण करें: आचार्य बालकृष्ण

भाजपा नेताओं ने दिया एकता और अखंडता का संदेश

जयपुर। जहां एक ओर देश को तोड़ने की साजिशें की जा रही हैं,वहीं दूसरी ओर प्रवासी संघ राजस्थान विंग के प्रदेश संयोजक भीम सिंह कासनिया एवं राजस्थान नाथ समाज के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश योगी की ओर से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं विधायक विराटनगर कुलदीप धनकड़ के जन्मदिवस को (अभिनंदन समारोह) एक यादगार दिन के रूप में मनाते हुए आयोजकों ने समाज में एकता और अखंडता का अद्भुत संदेश दिया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और दोनों नेताओं को शुभकामनाएं दीं। इस समारोह में नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की सोच को आगे बढ़ाते हुए अत्यंत प्रेरणादायक उद्बोधन देते हुए कहा कि जब सभी प्रदेशों के लोग एक-दूसरे का सम्मान करेंगे, परस्पर सांस्कृतिक गौरव साझा करेंगे और एक परिवार की तरह एकजुट रहेंगे। तभी एक भारत का सपना साकार होगा। नगरीय विकास मंत्री ने आग्रह किया कि वे अपने-अपने राज्यों में राजस्थान के निवासियों को परिवार का हिस्सा मानकर सहयोग करें ।

विश्व जनसंख्या दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या नियंत्रण के साथ ही मातृत्व का सम्मान करने और समाज को सुरक्षित एवं स्वस्थ मातृत्व की दिशा में जागरूक करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्र की परिकल्पना साकार करने में जनसंख्या नियंत्रण की अहम भूमिका है।

- विकसित राष्ट्र की परिकल्पना साकार करने के लिए जनसंख्या नियंत्रण बेहद जरूरी : चिकित्सा मंत्री

चिकित्सा मंत्री शुक्रवार को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण प्रकृति का संतुलन निरन्तर बिगड़ता जा रहा है। जनसंख्या वृद्धि से प्राकृतिक संसाधनों जैसे जल, पर्यावरण आदि की उपलब्धता कम हो रही है। 3इसी का परिणाम है कि पिछले कुछ वर्षों में प्राकृतिक आपदाएं तेजी से बढ़ी हैं। सभी के साझा प्रयासों से जनसंख्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

खींवसर ने कहा कि संस्थागत प्रसव, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, टीकाकरण, चिकित्सा संस्थानों की उपलब्धता सहित कई ऐसे मानक हैं, जिनमें राजस्थान का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है।

उन्होंने कहा कि परिवार कल्याण के क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दृष्टि से मा वाउचर योजना प्रारम्भ की गई है। योजना के लागू होने से गर्भस्थ शिशु एवं गर्भावस्था में गर्भवती महिला की समुचित देखभाल हो रही है।

परिवार कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए संस्थाओं एवं कार्मिकों को सम्मानित किया।

अस्पताल में डिलीवरी के दौरान किडनी में कट लगने से प्रसूता की मौत का आरोप

दोषी डॉक्टरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाने एवं पीड़ित परिवार को मुआवजा दिये जाने की मांग

- प्रसूता की डिलीवरी झालावाड़ के जनाना अस्पताल में संपन्न हुई थी, बाद में प्रसूता को एसआरजी अस्पताल शिफ्ट कर दिया गया, जहां से उसको कोटा रैफर कर दिया गया था
- कोटा में आठ दिन चले उपचार के पश्चात प्रसूता की मौत हो गई, डॉक्टरों ने परिजनों को बताया कि डिलीवरी में ऑपरेशन के दौरान प्रसूता की किडनी में कट लग गया था

झालावाड़, (निसं)। झालावाड़ के जनाना हॉस्पिटल में लापरवाही के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, लापरवाही के आरोपों के चलते यहां कई बार हंगामे हो जाते हैं। ऐसा ही एक और मामला सामने आया है, जिसमें एक प्रसूता की मौत हो गई, जिसकी डिलीवरी झालावाड़ के जनाना अस्पताल में संपन्न हुई थी। बाद में प्रसूता को एसआरजी अस्पताल शिफ्ट कर दिया गया, जहां भी उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई और आखिरकार उसको कोटा रैफर कर दिया गया, कोटा में भी लगभग आठ दिन चले उपचार के पश्चात प्रसूता की मौत हो गई। डॉक्टरों ने परिजनों को बताया कि डिलीवरी में ऑपरेशन के दौरान प्रसूता की किडनी में कट लग गया था।

महिला के परिजनों का कहना है कि दोषी डॉक्टरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाया जाए एवं पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए। झालावाड़ अस्पताल की मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन कर रहे महिला के परिजनों एवं अन्य लोगों ने बताया कि झालरापाटन के गिंदौर निवासी हीरालाल की पुत्री प्रियंका को डिलीवरी के लिए झालावाड़ के जनाना अस्पताल में गत 27 जून को दाखिल करवाया गया था, जहां डिलीवरी के तीन दिन बाद जब विवाहिता को पेशाब आना बंद हो गया तो उसको चिकित्सकों ने एसआरजी अस्पताल शिफ्ट कर दिया। वहां पर भी चिकित्सकों ने ना तो कोई ठोस जवाब दिया, ना हीं परेशानी बताई, ऐसे में जब तीन दिन पश्चात भी विवाहिता की हालत में सुधार नहीं आया तो चिकित्सकों ने उसको कोटा रैफर कर दिया, जिसके बाद विवाहिता को उसके परिजन कोटा मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां पर इलाज के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि महिला के डिलीवरी ऑपरेशन के दौरान उसकी किडनी में कट लग गया था, जिसके चलते उसकी हालत लगातार बिगड़ गई और आखिरकार उसकी मौत हो गई।

प्रियंका की मौत के पश्चात परिजन उसके शव को अपने साथ लेकर झालावाड़ के एस आर जी अस्पताल पहुंचे तथा शव को मोर्चरी में रखवाया, जहां प्रियंका के शव का पोस्टमार्टम किया गया। मामले की जानकारी मिलने पर अस्पताल परिसर में काफी सारे लोग एकत्रित हो गए, जिनके द्वारा नारेबाजी करते हुए दोषी डॉक्टरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की मांग की। प्रदर्शन करने वाले लोगों का कहना था कि जिन डॉक्टरों की लापरवाही के चलते प्रियंका की जान गई, उनके विरुद्ध मामला दर्ज किया जाना चाहिए। साथ ही प्रदर्शनकारियों द्वारा पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजे एवं मृतक महिला के बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी सरकार द्वारा वहन किए जाने की भी मांग की गई। अस्पताल में पहुंचकर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने समझाइश का प्रयास किया, किंतु प्रदर्शनकारी नहीं माने तथा वह बाद में झालावाड़ के मिनि सचिवालय पहुंचे, जहां कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना लगाकर नारेबाजी की। लगभग दो घंटे तक प्रदर्शनकारी वहां बैठे रहे, इस दौरान बड़ी तादाद में पुलिस का जाब्ता भी मौजूद रहा।

बाद में प्रदर्शनकारियों को जिला कलेक्टर द्वारा समझाइश की जाकर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया गया, जिसके बाद प्रदर्शनकारी मौके से हटे और पोस्टमार्टम की कार्यवाही पर सहमति दी।

खाद्य सुरक्षा व रसद विभाग की टीम ने 1268 लीटर फ्रूट ड्रिंक सीज़ किया

कुचामन सिटी में खाद्य सुरक्षा व रसद विभाग ने गोदाम सील किया।

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के निर्देश पर "शुद्ध आहार -मिलावट पर वार" अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शुक्रवार को कुचामन सिटी में खाद्य सुरक्षा व रसद विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 1268 लीटर फ्रूट ड्रिंक को सीज कर दिया। साथ ही गोदाम का लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण गोदाम को भी सील कर दिया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र चौधरी ने बताया कि आमजन को शुद्ध एवं गुणवतापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाये जाने के लिए जारी "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जिला रसद अधिकारी उपेंद्र ढाका व खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाबूलाल ने कुचामन क्षेत्र के गोपालपुरा में फ्रूट ड्रिंक के एक गोदाम का निरीक्षण किया गया, जहां मौके पर खाद्य लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन नहीं पाया गया। इसके अलावा फ्रूट ड्रिंक मैंगो (इंडो नेचुरल) भी अमानक के संदेह में पाया गया, जिसके बाद फ्रूट ड्रिंक के सैंपल लेकर 1268 लीटर को मौके पर ही सीज कर दिया गया। साथ ही गोदाम का लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण गोदाम को भी सील किया गया। उन्होंने बताया कि फ्रूट ड्रिंक के सैंपल को जांच के प्रयोगशाला में भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र चौधरी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे केवल लाइसेंसधारी या विश्वसनीय विक्रेताओं से ही खाद्य सामग्री खरीदे तथा पैक खाद्य सामग्री पर पैकेजिंग दिनांक व उपयोग दिनांक देखकर ही खरीदें।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने ऋषिराज सिंह को श्रद्धांजलि दी

पाली, (नि.सं.)। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शुक्रवार को पाली के खिंवादी गांव पहुंचे और चूरू में एयर फोर्स के फ़ाइटर जेट जगुआर एयरक्राफ्ट हादसे में शहीद हुए वीर सपूत फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज सिंह देवड़ा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शहीद को पुष्पांजलि करने के बाद पिता जसवंत सिंह देवड़ा को गले लगाया और वीर पुत्र की शहादत पर नमन किया ढांढस बंधाया। इस दौरान पशु पालन डेयरी गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सुनील भंडारी, पाली डेयरी के चेयरमैन प्रताप सिंह बीठिया, जगत सिंह सिंदरू सहित अनेक पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मकान का ताला तोड़ जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में स्थित सूने मकान का चोर ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित राजेन्द्र पुत्र दुर्गाशंकर त्रिवेदी निवासी चित्रकूट विहार हिरणमगरी सेक्टर 14 ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

उसने बताया कि एक जुलाई को मकान पर ताला लगा कर मैं परिवार सहित सूरत चला गया था। इस दौरान काम करने वाली रमिला के पास मकान की चाबी थी। चार जुलाई को पड़ोसी ने मकान का ताला टूटा होने एवं चोरी होने की सूचना दी।

उसने बताया कि लौटने पर घर आए तो ताला टूटा हुआ था एवं सामान बिखरा पड़ा था। इस पर पुलिस को प्रकरण दर्ज करवाया। चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात व नकदी व सामान की बाद में सूची देने की रिपोर्ट दी है, जिसकी जांच हेड कांस्टेबल हितेन्द्रसिंह कर रहे हैं।

गांव धांधेला की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर जलभराव से परेशानी

छात्र-छात्राओं और रोजमर्रा काम पर जाने वाले नागरिकों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है

- स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्दी ही सड़क की मरम्मत व जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की

पाटन, (निसं)। धांधेला बाईपास रोड से गांव धांधेला की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर भारी जलभराव ने राहगीरों की परेशानी बढ़ा दी है। खासकर स्कूली छात्र-छात्राओं और रोजमर्रा काम पर जाने वाले नागरिकों को प्रतिदिन गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी कृष्ण कुमार सैनी ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदारों द्वारा उचित ढलान और जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई, जिसके चलते बरसात का पानी सड़क पर ही एकत्रित हो जाता है। उन्होंने बताया, सड़क पर मानो झील बन गई हो। लोग जान जोखिम में डालकर गंदे पानी से होकर आने-जाने को मजबूर हैं। सैनी ने यह भी बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में कई बार प्रशासन को अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। परिणामस्वरूप आमजन को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। धांधेला के फूलचंद कपड़ा वाले,बंटी सैनी, विनोद कुमार सैनी, विजेन्द्र शर्मा का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत व जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि बरसात के मौसम में आमजन को राहत मिल सके।

गांव धांधेला की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर भारी जलभराव ने राहगीरों की परेशानी बढ़ाई।

जल संसाधन मंत्री ने जन समस्याएं सुनी

अजमेर, (कासं)। जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत ने शुक्रवार को अपने मुहामी निवास पर आमजन के अभाव-अभियोग (समस्याएं एवं शिकायतें) सुने। क्षेत्रवासियों ने मंत्री रावत से सीधे संवाद कर अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक एवं विभागीय समस्याएं उनके समक्ष रखीं।

मंत्री रावत ने संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक व्यक्ति की बात को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों से मौके पर ही फोन पर वार्ता कर समाधान हेतु निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनता की सेवा ही मेरे जीवन का उद्देश्य है और जनप्रतिनिधि का सबसे बड़ा धर्म यही है कि वह हर जरूरतमंद तक पहुंचे और उसकी पीड़ा को दूर करे। इस जनसुनवाई के दौरान पानी, सड़क, बिजली, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, विधवा सहायता, पीएम आवास योजना, ग्रामीण विकास, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी अनेक समस्याएं सामने आईं। मंत्री रावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर आमजन को राहत दी जाए।

मानसिक परेशानी से वृद्ध की मौत का आरोप

उदयपुर, (निसं)। जमीन को लेकर परेशान करने से वृद्ध की मौत होने पर उसकी पत्नी ने पड़ोसी के खिलाफ परेशान करने से पति की मौत होने का मामला दर्ज करवाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता सारा मोती पत्नी अब्बाल अली बोहरा निवासी बस्तीरामजी की बाडी धानमण्डी ने आरोपी भेरा डांगी पुत्र रत्ता डांगी निवसी मनवाखेड़ा व साथी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

उसने बताया कि मेने एकलिंपुरा में जमीन खरीदी थी। जिसके पिछवाड़े में आरोपी भेरा की जमीन होने से उसने हमें परेशान करना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद मैं पति के साथ कुवैत चली गई। वहां से लौटी तो आरोपी ने वापस परेशान करना शुरू कर दिया। इसको लेकर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया तो आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया। इसके बावजूद आरोपियों ने परेशान करना जारी रखा। जिससे परेशान होकर मानसिक परेशानी के चलते मेरे पति अब्बास अली पुत्र सैफुद्दीन की अप्रेल 2021 में मृत्यु हो गई। आरोपी द्वारा आए दिन परेशान होने से तनाव में पति की मौत हो गई। इस मामले में हिरणमगरी थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच थाना अधिकारी भरत योगी कर रहे हैं।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार : उदयपुर के सायरा थाना पुलिस ने हत्या के मामले में दो माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित ने सात मई को रणछाराम पुत्र धर्मा गमेती निवासी वागुणी सायरा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 6 मई रात में मेरे भाई चमनाराम पुत्र धर्मा निवासी वागुणी की रेशमाराम, नगाराम व गोपाराम ने मारपीट कर हत्या कर दी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में सायरा थानाधिकारी किशोरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए गोपाराम पुत्र अरजाराम गमेती निवासी वागुणी सायरा को गिरफ्तार किया। जिससे पूछताछ की जा रही है।

टेक्रोंमोटर्स कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज : उदयपुर शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने टेक्रों मोटर्स कंपनीके खिलाफ चोरी की कार पीड़ित को बेचने का मामला दर्ज किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित कार बाजार मालिक हिम्मतराम पुत्र लच्छीराम मेघवाल निवासी संजय नगर सुमेरपुर पाली ने गोवर्धन विलास टैक्रों मोटर्स कंपनी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि मैं कार बाजार का काम करता हू तथा दो माह पूर्व मैने एक कार टेक्रों मोटर्स से खरीद कर राजेन्द्र नामक व्यक्ति को बेची थी। एक माह पूर्व उक्त कार दिल्ली सेआई एटीएम की टीम कार जब्त कर लेगई। इस संबंध में संपर्क किया तो आरोपी कंपनी ने भी पूरी कार्यवाही कर कार बेचने की बात कही। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया हैं।जिसकी जांच एएसआई देवेन्द्रपुरी कर रहे हैं।

जमीन विवाद में युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

- कट्टे से सीने में गोली मारी थी, खेत पर कब्ज़ा करने से रोक रहा था युवक

जुरहरा/भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के जुरहरा थाना पुलिस ने जमीन विवाद को लेकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जब मृतक ने अपनी जमीन पर कब्जा करने से आरोपी और उसके परिजनों को रोका तो आरोपी ने कट्टे से फायर कर रहीश के सीने में गोली मार दी और सभी लोग फरार हो गए।

जुरहरा थाना अधिकारी अमित कुमार चौधरी ने बताया कि दो जुलाई शहजाद निवासी खैरावा ने एक एफआईआर दी थी कि गांव के अरवाज, यूनुस, मिसरूप, इस्लामी अरफीना, हमीद हमारे खेत पर कब्जा करना चाहते थे। वह कई बार हमारे खेत पर कब्जा करने की कोशिश कर चुके हैं। दो जुलाई को भी सभी ने खेत पर कब्जा करने की कोशिश की थी। जब रहीश ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो, वह सभी लोग रहीश से झगड़ने लगे। रहीश खेत पर अकेला था। झगड़े के दौरान अरबाज ने कट्टे से फायर किया, जिसकी गोली सीधे रहीश के सीने में जा लगी।

गोली लगते ही रहीश खेत में गिर गया, जिसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के सूचना आसपास काम कर रहे लोगों ने रहीश को दी, जिसके बाद रहीश के परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। मामला दर्ज करने के बाद पुलिस अरबाज की तलाश कर रही थी। अरबाज तब से फरार चल रहा था। आज सूचना मिली थी कि अरबाज अपने घर आया हुआ है, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

समय पर इलाज नहीं मिलने से नवजात की मौत

झालावाड़, (निसं)। जिले के डग उप जिला अस्पताल में समय पर इलाज नहीं मिलने से एक नवजात की मौत हो गई।

मृतक नवजात के परिजन लक्ष्मण सिंह ने बताया कि डग थाना इलाके के चौकडी गांव निवासी भावना कंवर (30) को गुरुवार रात करीब नौ बजे डग अस्पताल में भती करवाया गया था। रात 10 बजे उसने नॉर्मल डिलीवरी से बच्चे (बेटे) को जन्म दिया। इसके करीब दो घंटे बाद नवजात रोने लगा। उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। मौके पर मौजूद कंपाउंडर ने नवजात को आईसीयू में भर्ती कर लिया। अर्टेडर को डॉक्टर मुकेश भारद्वाज के निजी आवास पर भेजा, लेकिन डॉक्टर ने इलाज के लिए आने से मना कर दिया। नवजात की हालत लगातार बिगड़ती गई। सुबह आठ बजे जब डॉक्टर अस्पताल पहुंचे, तब तक देर हो चुकी थी। जांच के बाद नवजात को मृत घोषित कर दिया। ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी विकास जैन ने बताया कि नवजात को सांस लेने में तकलीफ और घबराहट थी। उसे आईसीयू में भर्ती किया गया था। डॉक्टर को बुलाने अर्टेडर उनके घर गए थे। इसके बावजूद डॉक्टर नहीं आए। लापरवाही के कारण डॉक्टर मुकेश भारद्वाज को कचनारा अस्पताल और कंपाउंडर को झालावाड़ भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार डॉक्टर और कंपाउंडर तीन महीने से डग अस्पताल में पोस्टेड थे।

शराब व नकदी चोरी : उदयपुर में दुकान की दीवार तोड़कर शराब व नकदी चोरी करने वाले आरोपियों के खिलाफ टीडी थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टीडी थाना क्षेत्र सरू गांव में स्थित शराब की दुकान की अज्ञात चोर 29 जुलाई रात पिछवाड़े की दीवार तोड़कर अंदर घुस कर दो कर्टन शराब, दो हजार रूपये नकदी व मोबाइल चुरा ले गए। इसका पता चलने पर सेल्समैन सरू निवासी विद्यासागर मीणा ने पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण व चारागाह विकास कार्यक्रम की शुरुआत

- जिला कलेक्टर ने ग्राम पंचायत ढिंगी के सरपंच प्रतिनिधि संदीपसिंह राठौड़ द्वारा कराए गए विकास कार्यों का निरीक्षण किया
- जिला कलेक्टर ने ग्रामवासियों से इस पहल में जुड़कर पर्यावरण संरक्षण करने हेतु अपील की

तारानगर, (निसं)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा व भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने तारानगर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत ढिंगी में "मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान" के तहत सघन वृक्षारोपण एंव चारागाह विकास कार्यक्रम की शुरुआत की।

सुराना व जांगिड़ ने ढिंगी के सरपंच प्रतिनिधि संदीपसिंह राठौड़ द्वारा कराए गए विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा पंचायत के कायाकल्प, शानदार कार्यों के लिए सरपंच को शुभकामनाएं दी। जांगिड़ ने कहा कि हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम मुख्यमंत्री का महत्वाकांक्षी सोच है। इसी के परिणामस्वरूप हम प्रदेश में ऐतिहासिक वृक्षारोपण कर रिकॉर्ड बनाने की और अग्रसर है। विलुप्त होती जा रही गौचर भूमि के सरंक्षण की दिशा में चारागाह विकास कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण आजीविका में सुधार तथा पशुपालन विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय साबित होगा। कलेक्टर सुराना ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए ग्रामवासियों से इस पहल में जुड़कर पर्यावरण संरक्षण करने हेतु अपील की। इस दौरान जिला परिषद सीईओ श्वेता कोचर, उपखंड अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद, विकास अधिकारी, सहायक अभियंता विनोद कुमार धायल, पं.स. सदस्य भूराराम, सांगवान, फोरेस्टर सुनील बागड़ी, हड़मान, सहित लोग मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत ढिंगी में जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा व भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने पौधारोपण किया।

67 वर्ष की आयु में स्नातकोत्तर की परीक्षा दे रहे विधायक फूलसिंह मीणा

उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा का शिक्षा के प्रति अनूठा जज्बा

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले के उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार निर्वाचित विधायक फूलसिंह मीणा का शिक्षा के प्रति जज्बा अनुकरणीय है। 15 साल की आयु में आर्थिक अभावों के कारण पढ़ाई छोड़ने वाले मीणा ने न केवल अपनी बेटियों की प्रेरणा से दोबारा शिक्षा का दामन थामा, अपितु अपने क्षेत्र की बेटियों के लिए शिक्षा के सबसे बड़े प्रेरणास्त्रोत भी बन कर उभरे हैं।

जनजाति परिवार से आने वाले विधायक फूलसिंह मीणा ने 15 वर्ष की आयु में आर्थिक अभाव एवं संघर्षों के चलते पढ़ाई छोड़ दी थी। बाद में अपनी बेटियों की प्रेरणा और प्रोत्साहन से 40 वर्ष बाद 55 वर्ष की उम्र में पुन: शिक्षा की डगर थामी और बी.ए. की उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने एमए करने की ठानी। वर्तमान में 67 वर्ष की आयु में वे जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ युनिवर्सिटी से एम.ए. राजनीति विज्ञान में अंतिम वर्ष की परीक्षा दे रहे हैं। विधायक मीणा ने बताया कि उनका सपना पीएचडी की पढ़ाई कर डॉक्टर की उपाधि अपने सैनिक पिता को समर्पित करने का है। विधायक मीणा का यह जज्बा पूरे देश के शिक्षार्थियों के लिए आदर्श है।

उल्लेखनीय है कि विधायक मीणा विधानसभा के स्पीकर पैनल में शामिल हैं और लगातार दूसरी बार विधानसभा की जनजाति कल्याण समिति के सभापति भी हैं। अपनी बेटियों से प्रेरणा पाकर शिक्षा की राह पर अग्रसर हुए विधायक मीणा अब क्षेत्र की बेटियों के लिए शिक्षा के प्रेरणापुंज बने हुए हैं। विधायक मीणा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से प्रभावित होकर अनूठी पहल की। इसमें वे प्रति वर्ष अपने क्षेत्र की प्रत्येक पंचायत एवं वार्ड से सभी वर्गों की कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं में सर्वाधिक अंक लाने वाली बेटियों को नि:शुल्क हवाई यात्रा कराते हैं। विधायक फूलसिंह मीणा ने बताया कि उन्हें अपनी पहल के सार्थक होने पर सुकून महसूस होता है क्योंकि बालिकाओं में शिक्षा की अलख जोर-शोर से जाग चुकी है, अभिभावक भी बच्चियों को शिक्षा दिलाने के लिए जागरूक हुए हैं। क्षेत्र में हर बार हवाई यात्रा की पात्र छात्राओं की संख्या और उनके प्रतिशत में वृद्धि होती जा रही है।

जरूर, एमएस धोनी। उनमें गति है, बहुत सहनशक्ति है, वह मानसिक रूप से बहुत मजबूत हैं, और हाल ही में, जब भी वह क्रिकेट नहीं खेल रहे होते हैं, मैंने उन्हें काफी टेनिस खेलते देखा है। तो हां, इसमें कोई शक नहीं कि वह एमएस धोनी ही होंगे। - **सूर्यकुमार यादव**

भारतीय बल्लेबाज, धोनी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वियान मुल्डर

दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने कहा है कि ब्रायन लारा ने उनसे कहा था कि उन्हें टेस्ट में सर्वाच्च व्यक्तिगत स्कोर का उनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाना चाहिए था। बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मुल्डर ने लंच ब्रेक के दौरान पारी घोषित कर दी थी तब मुल्डर 367 के निजी स्कोर पर नाबाद थे। इस फैसले के बाद मुल्डर 2004 में, एंटीगा में इंग्लैंड के खिलाफ लारा द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड नाबाद 400 रन से 33 रन दूर रह गए थे। मुल्डर ने पारी घोषित करने के बाद कहा था कि लारा का रिकॉर्ड लारा के नाम ही रहना चाहिए।

क्या आप जानते हैं ?... बुमराह ने लॉर्ड्स में पहली पारी में 5 विकेट लेते हुए महान गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया और वो वसीम अकरम की इस खास रिकॉर्ड की बराबरी पर आ गए।

जसप्रीत बुमराह का पंजा, भारत ने इंग्लैंड को 387 रन पर रोका

भारत की लड़खड़ाती पारी राहुल और पंत के सहारे

लंदन, 11 जुलाई। इंग्लैंड को 387 रनों के स्कोर पर रोकने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी लड़खड़ाई भारतीय पारी को सलामी बल्लेबाज के एल राहुल (नाबाद 53) और ऋषभ पंत (नाबाद 19) के सहारे है। तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को भारत ने स्टंप के समय तीन विकेट पर 145 रन बना लिये है।

इससे पहले जसप्रीत बुमराह (74 रन पर पांच विकेट), मोहम्मद सिराज और नीतीश कुमार रेड्डी (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम भारत ने चायकाल से पहले इंग्लैंड को 387 रन के स्कोर पर रोक दिया। इंग्लैंड के 387 रनों के जवाब में भारत ने दूसरे दिन चायकाल तक एक विकेट खोकर 44 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल 13 रन बनाकर जोफ्रा आर्चर

का शिकार बने। चायकाल के बाद करुण नायर 40 को आउटकर बेन स्टोक्स ने भारत का दूसरा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान शुभमन गिल 16 रन को वोक्स ने जेमी स्मिथ के हाथों स्टंप कराकर पवेलियन भेज दिया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ने 43 ओवर में तीन विकेट पर 145 रन बना लिये है। के एल राहुल (नाबाद 53) और ऋषभ पंत (नाबाद 19) क्रीज पर मौजूद थे।भारत अभी भी इंग्लैंड के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 242 रन पीछे है और उसके सात विकेट अभी शेष है। इंग्लैंड के लिए क्रिस वोक्स, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कल के चार विकेट पर 251 रनों से आगे खेलने उतरी इंग्लैड को आज सुबह के सत्र में जसप्रीत बुमराह के कहर का सामना करना पड़ा। कप्तान बेन स्टोक्स ने अभी अपने स्कोर में पांच रन जोड़े थे कि बुमराह ने उन्हें बोल्ड कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। बेन स्टोक्स ने 110 गेंदों में चार चौकों की मदद से 44 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेमी स्मिथ ने जो रूट के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान जो रूट ने चौका लगाकर अपना टेस्ट शतक पूरा किया। यह जो रूट के 156 मैचों के टेस्ट करियर का 37वां और भारत के खिलाफ 11वां टेस्ट शतक था। इसी के बाद बुमराह ने उन्हें भी बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। जो रूट ने 199 गेंदो में 104 रनों की पारी खेली। क्रिस वोक्स (शून्य) को भी बुमराह ने आउट किया। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 74 रन पर पांच विकेट लिये। उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में भी पांच विकेट लिए थे। मोहम्मद सिराज और नीतीश कुमार रेड्डी को दो-दो विकेट मिले। रवींद्र जडेजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

राहुल और स्मिथ से आगे निकले जो रूट

लंदन, 11 जुलाई। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में शतक बनाकर दिग्गज राहुल द्रविड़ और स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक टेस्ट शतकों की सूची में शीर्ष पांच में जगह बना ली है। उनका नवीनतम शतक - उनका 37वां शतक - लॉर्ड्स में शानदार अंदाज में लगा।

रूट अब सर्वकालिक टेस्ट शतक बनाने वालों की सूची में केवल सचिन तेंदुलकर (51), जैक्स कैलिस (45), रिकी पोंटिंग (41) और कुमार संगकारा (38) से पीछे हैं। उन्होंने क्रिकेट के इस मैदान पर अपना लगातार तीसरा शतक भी बनाया - इससे पहले उन्होंने 143 और 103 रन बनाए थे - जिससे वह जैक हॉब्स (1912-1926) और माइकल वॉन (2004-2005) के बाद लॉर्ड्स में लगातार तीन टेस्ट शतक बनाने वाले केवल तीसरे खिलाड़ी बन गए।

भारत के खिलाफ उल्लेखनीय निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए, रूट का यह शतक उपमहाद्वीपीय दिग्गजों के खिलाफ टेस्ट मैचों में उनका 11वां शतक था। गौरतलब है कि रूट का नवीनतम कीर्तिमान 192 गेंदों में बना, जो इंग्लैंड के आक्रामक बैजबॉल युग का तीसरा सबसे धीमा टेस्ट शतक है-जो केवल 2024 में रांची में उनके द्वारा बनाए गए 219 गेंदों के शतक और 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेन फोक्स के 206 गेंदों के शतक से धीमा है। रूट की प्रमुख उपस्थिति इंग्लैंड की लाल गेंद की महत्वाकांक्षाओं का आधार बनी हुई है, भले ही टीम ब्रेंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में अपने आक्रामक दृष्टिकोण को नया रूप दे रही हो।

कार्लसन ने बिना कोई मोहरा गंवाए चैटजीपीटी को हराया

नई दिल्ली, 11 जुलाई। शतरंज के दिग्गज मैग्नस कार्लसन, जो पहले ही पांच क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप और रैपिड तथा ब्लिट्ज दोनों प्रारूपों में शीर्ष वैश्विक रैंकिंग के साथ ओवर-द-बोर्ड शतरंज की दुनिया में अपना दबदबा बना चुके हैं, अब अपना ध्यान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चुनौतियों का सामना करने पर केंद्रित कर रहे हैं। नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने हाल ही में ओपनएआई के संवादी एआई, चैटजीपीटी के साथ शतरंज के खेल में मुकाबला किया और बिना एक भी मोहरा गंवाए निर्णायक जीत हासिल की। कार्लसन ने 53 चालों के बाद एआई को हार मानने पर मजबूर कर दिया।

एस.एच.एस. क्रिकेट एकेडमी 15 रन से विजेता

जयपुर, 11 जुलाई। एस.एच. एस. क्लब द्वारा आयोजित प्रथम अंडर 14 फेडस किकेट कप में खेले गये मैच मे एस.एच.एस एकेडमी और एस.बी.सी (ए) क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर एस.एच.एस क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया । एस.एच.एस क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 197/7 रन 20.0 ओवर मे बनाए। एस.एच. एस क्रिकेट एकेडमी की ओर से मानवेन्द्र सिंह ने 71 रन, ध्रुव सिंह ने 22 रन और संचित मलिक ने 34 रन बनाये। एस.बी. सी (ए) क्रिकेट एकेडमी की और से गेदबाजी करते हुए सोहेल अली ने 50 रन देकर 2 विकेट और मुकेश मीणा ने 47 रन देकर के 2 विकेट, लोकेश ने 19 रन देकर के 1 विकेट, ऐलिस कुमार 1 रन देकर के 1 विकेट लिया। एस.बी.सी (ए) क्रिकेट एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 182/4 20.0 ओवर मे बनाऐ। एस.बी. सी क्रिकेट एकेडमी कि ओर से प्रतिक बेनिवाल ने 51 रन, ऐलिस कुमार ने 51 रन, नायन गिल ने 33 रन बनाये। एस.एच.एस क्रिकेट एकेडमी गेदबाजी करते हुए जयदेव 24 रन देकर 1 विकेट, रनवीर सिंह ने 36 रन देकर 1 विकेट, देवराज ने 30 रन देकर 1 विकेट लिया। एस.एच.एस क्रिकेट एकेडमी 15 से विजेता हुई।

जयपुर की गौरवी अजमेरा ने जीता ईस्टर्न चैलेंजर स्क्वैश खिताब

जयपुर, 11 जुलाई। गुलाबी नगर की नन्ही स्क्वैश खिलाड़ी गौरवी अजमेरा ने हाल ही कोलकाता में संपन्न ईस्टर्न चैलेंजर 2025 चैंपियनशिप में गर्ल्स अंडर-11 वर्ग का खिताब जीत लिया। मात्र नौ साल की गौरवी ने अपनी उम्र से अधिक आयु वर्ग में खेलते हुए फाइनल मुकाबले में अंशिका कुमारी को सीधे सेटों में 11-6, 11-8, 12-10 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित स्क्वैश एकेडमी की प्रशिक्षु गौरवी ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा के अनुसार गौरवी ने गर्ल्स अंडर-11 के दूसरे राउण्ड में शीया सिंह को 11-2, 11-1, 11-2 से हरा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में रिशिमा महुरकर को 11-3, 11-1 (रिटायर) से और सेमी फाइनल में जेरुशा जेबिन्द्रन को 11-1, 11-4, 11-1 से शिकस्त दे खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। सुरभि ने बताया कि गौरवी ने अपने खिताबी सफर में एक भी सेट नहीं गंवाया। गौरवी ने विगत दिनों हैदराबाद में आयोजित तेलंगाना स्क्वैश ओपन टूर्नामेंट में अंडर-9 मिक्स्ड कैटेगरी का खिताब जीता था। सुरभि ने बताया कि कोलकाता टूर्नामेंट में एकेडमी के एक और खिलाड़ी युवान वर्मा बॉयज अंडर-11 वर्ग में चौथे स्थान पर रहे।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स (जर्मनी) में राजस्थान विवि. का तनिष्क करेगा भारत का प्रतिनिधित्व

जयपुर, 11 जुलाई। राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्र तनिष्क पारीक, जर्मनी में अयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 16-27 जुलाई तक ताइक्वांडो खेल (पूमसे इंडिविजुअल) में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। ताइक्वांडो कोच साबिर खान ने बताया कि 6 से 12 जुलाई तक इंडिया कैंप गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में आयोजित होगा। इससे पहले तनिष्क ने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में कांस्य पदक प्राप्त किया था। तनिष्क ने इसका श्रेय अपने कोच साबिर खान को और अपनी दादी और राजस्थान विश्वविद्यालय के खेल सचिव डॉ. प्रमोद सिंह को दिया। तनिष्क पिछले 12 साल से चोगान स्टेडियम में कोच साबिर खान के पास प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। तनिष्क का सपना अपने कोच को गुरु वशिष्ठ अवार्ड दिलाना है। राजस्थान ताइक्वांडो के सचिव शहजाद खान ने तनिष्क को बधाई दी है।

कैटरीना सीनियाकोवा और सेम वरबीक ने अपने नाम किया मिक्स्ड डबल्स का खिताब

लंदन, 11 जुलाई। विंबलडन 2025 के मिक्स्ड डबल्स फाइनल में 10 बार की ग्रैंड स्लैम विमेन्स डबल्स चैंपियन और टेनिस कोर्ट की अनुभवी खिलाड़ी कैटरीना सीनियाकोवा ने अपने डच जोड़ीदार सेम वरबीक के साथ मिलकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस जोड़ी ने लुइसा स्टेफेनी और जो सैलिसबरी की मजबूत जोड़ी को सीधे सेटों में 7-6 (7-3), 7-6 (7-3) से हराकर प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया। 10 जुलाई को सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में दोनों सेट बेहद रोमांचक रहे।

दोनों सेटों में मुकाबला टाईब्रेक तक गया, लेकिन हर बार सिनियाकोव और वरबीक की जोड़ी ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया और निर्णायक क्षणों में बाजी मारी। फाइनल का समापन भी बेहद शानदार अंदाज में हुआ, जब सिनियाकोवा ने पहले ही मैच पॉइंट पर बेहतरीन फोरहैंड विनर लगाकर खिताबी मुकाबले का अंत किया। इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर दिखा दिया कि वो डबल्स फॉर्मेट में दुनिया की बेहतरीन खिलाड़ियों में क्यों गिनी जाती हैं।

जहां सिनियाकोव के लिए ये एक और बड़ी उपलब्धि रही, वहीं नीदरलैंड के खिलाड़ी सेम वरबीक के लिए ये उनके करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब रहा। फाइनल जीतनेके बाद वरबीक ने सेंटर कोर्ट पर भावुक अंदाज में अपने पिता के लिए जन्मदिन का गाना गाकर जश्न मनाया। दर्शकों ने भी तालियों और खुशियों के साथ इस पल को यादगार बना दिया।

येरे अल्वारेज ने स्वीकारा उनका ड्रग टेस्ट पॉजिटिव था

मैड्रिड, 11 जुलाई। यूरोपा लीग के सेमीफाइनल के बाद एथलेटिक क्लब बिलबाओ के डिफेंडर येरे अल्वारेज ने स्वीकार किया है कि उनकी प्रतिबंधित पदार्थ की जांच का नतीजा पॉजिटिव था और उन पर चार साल तक का निलंबन लग सकता है।

स्पेन के पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी अल्वारेज ने 2016 में वृषण कैंसर का इलाज कराया था और बीमारी से उबरने के बाद उन्हें फिर से यह बीमारी हो गई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किये गये एक बयान में कहा कि पिछले सीजन में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ यूरोपा लीग सेमीफाइनल के बाद उनका प्रतिबंधित पदार्थ के लिए जांच का नतीजा सकारात्मक था। बचाव पक्ष की ओर से बताया कि सकारात्मक नतीजा उस उपचार के कारण था जिसका उपयोग वह कीमोथेरेपी के बाद बालों के झड़ने को रोकने के लिए कर रहे थे। उन्होंने कहा, अपनी बीमारी पर काबू पाने के बाद, मैं कई वर्षों से एलोपेसिया का इलाज करा रहा हूं और मेरे मामले का अध्ययन करने के बाद हमने पाया है कि सकारात्मक परिणाम इसलिए आया क्योंकि मैंने बालों के झड़ने के इलाज के दौरान अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ ले लिया था।

गेंदबाजी में सुधार का श्रेय पैट कमिंस और मॉर्कल को : रेड्डी

लॉर्ड्स, 11 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन एक ही ओवर में दो विकेट झटकने वाले भारतीय तेज गेंदबाज नीतीश कुमार रेड्डी ने कहा कि उनकी गेंदबाजी में सुधार का श्रेय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनके कप्तान पैट कमिंस और भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्न मॉर्कल को जाता है।

पहले दिन के खेल के बाद रेड्डी ने कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुझे महसूस हुआ कि मुझे अपनी गेंदबाजी और निरंतरता पर काम करने की आवश्यकता है। मैंने पैट से जब इस संबंध में बात की तो उन्होंने मुझे बताया कि मुझे ऑस्ट्रेलिया में कैसी गेंदबाजी करनी चाहिए थी और मैं ऑस्ट्रेलिया में कैसी गेंदबाजी कर सकता हूं। यह मेरे लिए बड़ा अनुभव था और इस दौरे की शुरुआत से पहले मॉर्कल के साथ काम करना भी मेरे काम आया। वह पिछले कुछ सप्ताह से मेरे साथ लगातार काम कर रहे हैं और मेरी गेंदबाजी में बहुत सुधार दिखा है। उनके साथ काम करने में मजा आ रहा है।

उन्होंने कहा, चूंकि मुझे दोनों ओर स्विंग प्राप्त होती है इसलिए हम लगातार मेरी निरंतरता पर काम कर रहे हैं। मैं केवल उन एरिया में निरंतर होना चाहता हूं जहां जरूरत है और हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं मेहनत कर रहा हूं लेकिन अंत में चीजों को समझना और स्वयं पर भरोसा रखना सबसे अहम है। जब आप स्वयं पर भरोसा करते हैं तभी आपकी कड़ी मेहनत रंग लाती है और मुझे अब यह बात समझ आ रही है।

उन्होंने कहा, चोट के बाद लय में आना मेरे लिए कठिन था। आईपीएल सीजन के आखिर में मैंने गेंदबाजी करना शुरू किया और मुझे अच्छा महसूस हुआ। मैं मूवमेंट का लुत्फ उठाना चाहता हूं और मेरी टीम को मुझसे जो उम्मीद है वो करना चाहता हूं और मुझे लगता है कि मैं अब तक वैसा करने में सफल रहा। मैंने आज जिस तरह से गेंदबाजी की उससे मैं खुश हूं और कल भी मैं ऐसी ही गेंदबाजी करना चाहता हूं।

भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा पाकिस्तान

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के कारण खेल संबंधों में गतिरोध बना हुआ है। भारत में इस साल बाद में एशिया कप और जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंटों का आयोजन होना है। पाकिस्तान इन टूर्नामेंटों के लिए अपनी राष्ट्रीय हॉकी टीम भेजने पर फैसला लेने से पहले भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा।

पाकिस्तान सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि अगर कोई सुरक्षा खतरा होगा तो उनकी हॉकी टीम भारत नहीं भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री युवा विकास एवं खेल कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मसूद ने कहा कि पाकिस्तान की हॉकी टीम टूर्नामेंट के लिए भारत तभी जाएगी जब सरकार सुरक्षा स्थिति से पूरी तरह संतुष्ट होगी। पूर्व मंत्री मसूद ने कहा, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत में स्थिति से अगर वह संतुष्ट नहीं है, तो वह हमारे किसी भी खिलाड़ी को भारत में खेलने के लिए भेजकर उसे जोखिम में नहीं डालेगा।

100वें टेस्ट पर स्टार्क : यह मुझे उम्रदराज महसूस कराता है

किंग्स्टन, 11 जुलाई। पिछले सप्ताह क्रेग ब्रैथवेट 100वें टेस्ट की उपलब्धि तक पहुंचने वाले 82वें खिलाड़ी बने थे जबकि मिशेल स्टार्क फ्रंटलाइन तेज गेंदबाजों में इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले केवल 12वें खिलाड़ी बनेंगे। अपने 14 वर्ष के लंबे करियर में स्टार्क वेस्टइंडीज के खिलाफ सबीना पार्क में रविवार से खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट के दौरान इस उपलब्धि तक पहुंच जाएंगे, वह 400 टेस्ट विकेट हासिल करने से भी केवल पांच विकेट दूर हैं। स्टार्क ने कहा कि उनके लिए यहां तक पहुंचना अपने आप में एक बड़ी बात है। उन्होंने कहा, बड़ा होते समय मैं हमेशा ही ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना चाहता था लेकिन मुझे नहीं लगता था कि मैं कभी एक टेस्ट मैच भी खेल पाऊंगा। लेकिन 99 टेस्ट खेलना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है। स्टार्क ने अपनी इस यात्रा में जॉश हेज़लवुड और पैट कमिंस के साथ अपनी मित्रता पर भी बात की जिन्होंने उन्हें बतौर गेंदबाज विकसित होने में मदद की जिसमें वोबल सीम पर पकड़ बनाना भी शामिल है। स्टार्क ने कहा, जब गेंद अधिक हरकत नहीं कर रही होती थी तो मेरे पास अधिक अलग करने के लिए कुछ नहीं हुआ करता था। हां मेरे पास गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता थी लेकिन यह खेल के मध्य के हिस्से में संभव था। बतौर गेंदबाज विकसित होने में मेरे दो करीबी मित्रों जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जो कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं, ने मेरी काफी मदद की। मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है। इसके बाद अलग-अलग चरणों में और दुनिया के अन्य हिस्सों में गेंदबाजी करने में मदद मिली।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

पल्लेकेले, 11 जुलाई। कुसल मेंडिस (73) की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर श्रीलंका ने पहले टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को छह गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका के लिए पथुम निसंका और कुसल मेंडिस की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरआत करते हुए पहले विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी की। पांचवें ओवर में मेहदी हसन मिराज ने पथुम निसंका को आउटकर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई। पथुम निसंका ने 16 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 42 रनों की पारी खेली। 13वें ओवर में कुसल परेरा 24 रन बनाकर आउट हुये। 18वें ओवर में श्रीलंका का तीसरा विकेट कुसल मेंडिस के रूप में गिरा। कुसल मेंडिस ने 51 गेंदों में पांच चौके ओर तीन छक्के लगाते हुए 73 रन बनाये। श्रीलंका ने 19 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। अविष्का फर्नांडो 11 और कप्तान चरित असालंका एक रन बनाकर नाबाद रहे।

एशिया कप 2025 होगा रद्द! भारत और श्रीलंका ने किया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 11 जुलाई। सितंबर में होने वाले एशिया कप 2025 पर संकट के बादल और ज्यादा मंडराने लगे हैं। अब इस टूर्नामेंट के रद्द होने की संभावना जताई जा रही है। बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद की बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। दरअसल, टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों बोर्ड ने ये फैसला ऐसे समय में लिया है जब 6 देशों के इस टूर्नामेंट के शुरू होने में दो महीने से भी कम दिन बचे हैं। हालांकि, एसीसी ने पुष्टि की है कि बैठक योजना के अनुसार होगी, लेकिन भारत और श्रीलंका की अनुपस्थिति इस टूर्नामेंट के फ्यूचर को खतरे में डाल रही है। इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। 5 सितंबर से इस टूर्नामेंट की शुरूआत हो सकती है। लेकिन इससे पहले 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एसीसी की मीटिंग में बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट के हिस्सा न लेने से इस टूर्नामेंट के होने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीसीसीआई ने एसीसी की मीटिंग ढाका में होने पर आपत्ति जताई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी वर्तमान में एसीसी के अध्यक्ष हैं। बीसीसीआई ने हाल ही में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भारत के बांग्लादेश दौरे को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के लिए मना लिया था।

कर्टिस कैम्फर ने 5 गेंद में 5 विकेट लेकर रचा इतिहास

डबलिन 11 जुलाई। आयलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैम्फर पेशेवर क्रिकेट में पांच गेंदों में पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज हैं। मुनस्टर रेड्स के कप्तान कैम्फर ने इंटर-प्रोविंसियल टी-20 ट्रॉफी में नॉर्थ-वेस्ट वॉरियर्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। कैम्फर को अपने दूसरे से तीसरे ओवर के दौरान यह पांचों विकेट हासिल किए। वॉरियर्स 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 87/5 के बाद 88 पर सिमट गई। पाँच विकेटों में से पहले विकेट जेरेड विल्सन 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए।

कार्लोस लगातार तीसरी बार विंबलडन फाइनल में

लंदन, 11 जुलाई। दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने पांचवीं सीड अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को शुक्रवार को चार सेटों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराकर लगातार तीसरी बार विम्बलडन टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार के गत विजेता कार्लोस अल्काराज ने अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर लगातार तीसरी बार विंबलडन फाइनल में प्रवेश किया। धूप से तपते सेंटर कोर्ट पर खेलते हुए, अल्काराज ने अपने पहले सर्व के 88 प्रतिशत अंक जीते, लेकिन दो घंटे 48 मिनट तक चले मुकाबले के दौरान उन्हें कई बार दबाव में रहना पड़ा।

पूर्व खिलाड़ियों ने राज्य में घरेलू क्रिकेट गतिविधियों के संचालन व आयोजन पर रखे अपने सुझाव : कुमावत

जयपुर, 11 जुलाई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व खेल मंत्री राजवर्धन सिंह राठौड़ ने राजस्थान में क्रिकेट के विकास, युवा खिलाडियों को आवश्यक सुविधाओं सहित उच्च स्तरीय क्रिकेट गतिविधियों व प्रतियोगिताओं में अपना प्रदर्शन दिखाने, राज्य क्रिकेट को वापस पटरी पर लाने की जो जिम्मेदारी नवगठित आरसीए एडहॉक कमेटी को दी है उसे सफलतापूर्वक पूरा करने की कड़ी में आज आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा राज्य में क्रिकेट गतिविधियों की समस्त रुपरेखा व आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 -26 का क्रिकेट कैलेंडर को तैयार करने हेतु गठित राज्य के पूर्व पुरुष - महिला खिलाडियों (कमेटी) ने आरसीए अकादमी पर आयोजित मीटिंग में आरसीए एडहॉक कमेटी के समक्ष अपने सुझाव रखे।

संयोजक डी डी कुमावत बताया कि हमारा प्रथम प्रयास है कि राज्य में क्रिकेट गतिविधियों की समस्त रुपरेखा व आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 के क्रिकेट कैलेंडर को राज्य के पूर्व खिलाडी ही तैयार करें जिससे राज्य की क्रिकेट गतिविधियों के आयोजन में न केवल व्यापक सहयोग मिलेगा साथ ही पूर्व

खिलाडियों के सुझावों से राज्य के युवा खिलाडियों को अपना प्रदर्शन दिखाने के लिए उच्च स्तरीय प्लेटफार्म मिलेगा। मीटिंग में आज पूर्व खिलाडियों ने राज्य की क्रिकेट गतिविधियों को बीसीसीआई की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के अनुसार समय पर आयोजित करने, प्रतियोगिताओं की पूर्व तैयारियों हेतु विभिन्न आयु वर्ग के पुरुष - महिला प्रशिक्षण शिविर अनुभवी कोच व प्रशिक्षकों की निगरानी में आयोजित करने, विभिन्न आयु वर्ग की पुरुष - महिला टीमों के बीसीसीआई की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं की पूर्व तैयारियों के लिए अन्य राज्य संघो की टीमों से अभ्यास मैचों के आयोजन सहित अन्य आल इंडिया आमंत्रण प्रतियोगिताओं में भाग लेना। आरसीए द्वारा आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली जिला संघ टीमों में गेस्ट प्लेयर की संख्या व उपयोगिता को तय करने सहित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई साथ ही राज्य के दूर दराज के क्षेत्रों से युवा प्रतिभाओं को तराशने के लिए भी पूर्व खिलाड़ियो ने सुझाव दिए।

संयोजक कुमावत के अनुसार मीटिंग में विशेष रूप से राज्य में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने, महिलाओं के के लिए उच्च स्तरीय खेल सुविधाओं को विकसित करने पर जोर दिया गया जिससे राज्य में महिला क्रिकेट को बढ़ावा मिले व जल्द से जल्द हमारे राज्य की बेटी भी अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर राज्य का नाम रोशन करे यही हमारा प्रयास रहेगा।

आरसीए अकादमी पर आयोजित मीटिंग में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत, सदस्य पिंकेश पोरवाल , आशीष तिवारी के साथ पूर्व खिलाडियों पुरुष - महिला (कमेटी) सदस्य : -पंकज सिंह , राहुल कांवट, अंशु जैन, रोहित झालानी ,विलास जोशी, कुलदीप सिंह , शैलेन्द्र गहलोत, ज़ाकिर हुसैन, शमशेर सिंह , अंकित लाम्बा , नलिन जैन, अनूप दवे , गंगोत्री चौहान, कोमल चौधरी मौजूद रहे।

प्रसार भारती ने हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली, 11 जुलाई। देश भर में हैंडबॉल को बढ़ावा देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम में, प्रसार भारती ने हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया (एचएआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता तीन वर्षों की अवधि के लिए है, जिसके तहत प्रसार भारती डीडी स्पोर्ट्स, वेव्स ओटीटी और अन्य पीबी प्लेटफार्मों पर एचएआई द्वारा आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय हैंडबॉल आयोजनों का निर्माण और प्रसारण करेगी। समझौता ज्ञापन पर प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी और एचएआई के कार्यकारी निदेशक आनंदेश्वर पांडेय ने प्रसार भारती के अध्यक्ष नवीन कुमार सहगल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। प्रसार भारती के अध्यक्ष नवीन कुमार सहगल ने समझौते पर हस्ताक्षर करने के अवसर पर कहा, "यह भारत में हैंडबॉल के लिए एक नए युग की शुरुआत है। हमें विश्वास है कि मजबूत मीडिया और संस्थागत साझेदारियों के साथ, भारतीय एथलीट वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने कहा, "यह साझेदारी भारत में उभरते खेलों को समर्थन और पोषण देने के लिए प्रसार भारती की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। हमारे व्यापक नेटवर्क और राष्ट्रीय पहुंच के माध्यम से, हम हैंडबॉल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह मंच और दृश्यता देने का लक्ष्य रखते हैं जिसके वह हकदार हैं।" एचएआई के महासचिव तेजराज सिंह ने कहा, "प्रसार भारती के सहयोग से, हैंडबॉल अब देश भर के लाखों दर्शकों तक पहुंचेगा। यह पहल प्रतिभा की पहचान करने और अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल में भारत की स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगी।" कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में एचएआई के महासचिव तेजराज सिंह, रेफरी बोर्ड के अध्यक्ष जसबीर सिंह बिस्ला; पूर्व भारतीय उपकप्तान नवीन पूनिया और भारतीय महिला हैंडबॉल टीम की गोलकीपर मिस दीक्षा कुमारी गोयल शामिल थीं ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निवेश समझौतों की प्रगति के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए।

'चार लाख करोड़ से अधिक के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग हुई'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइज़िंग राजस्थान 2024 के एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा की

- **मुख्यमंत्री ने बैठक में सौर ऊर्जा, कम्प्रैस्ड बायो गैस व बायो फ्यूल प्रोड्यूस की बिन्दूवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने शेष रहे एमओयू के श्रेणीवार विभाजन के बाद तय समय सीमा में लागू करने के निर्देश दिये।**

जयपुर, 11 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इस लक्ष्य को पूरा करने में "राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" के तहत हुए ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित निवेश एमओयू की महत्वपूर्ण भूमिका है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निवेश समझौतों की प्रगति के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों से निरंतर संवाद स्थापित रखें और मॉनिटरिंग करते हुए प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

साथ ही, उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव स्तर पर नियमित रूप से अक्षय ऊर्जा से संबंधित एमओयू की समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में सौर ऊर्जा, कॉम्प्रैस्ड बायो गैस व बायो फ्यूल प्रोजेक्ट्स की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रगतिरत एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी लाने एवं शेष रहे एमओयू के श्रेणीवार विभाजन के साथ, तय समय सीमा में धरातल पर लागू करने के संबंध में निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 'राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के दौरान हुए एमओयू की समीक्षा के लिए त्रि-स्तरीय व्यवस्था की गई है। जिसके तहत 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि वाले एमओयू की समीक्षा प्रतिमाह नियमित रूप से मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौतों में से अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है।

आज प्र.मंत्री मोदी 51 हजार नियुक्ति पत्र देंगे

नयी दिल्ली,11 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोज़गार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज यहां बताया कि मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। कार्यालय ने बताया कि देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। यह रोज़गार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। ये भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय और अन्य विभागों तथा मंत्रालयों में शामिल होंगे।

वडोदरा पुल हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट पेश

वडोदरा, 11 जुलाई। गुजरात सरकार के प्रवक्ता और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने वडोदरा जिले के महिसागर नदी पर बने पुल के गिरने की वजह आधार स्तंभ और जोड़ों की क्षति बताया है। पटेल ने शुक्रवार को बताया कि यह जानकारी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में सामने आई है। मंत्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के आदेश पर सड़क और भवन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच समिति की प्रारंभिक रिपोर्ट में पुल के गिरने की वजह आधार स्तंभ (पेडस्टल) और जोड़ों (जॉइंट्स) की क्षति बताई गई है। समिति अपनी विस्तृत रिपोर्ट 30 दिन में सौंपेगी और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नज़रअदाज़ कर रहा है, चुनाव आयोग बिहार में

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आधार कार्ड, वोटर आईडी व राशन कार्ड को मतदाता सूची में नाम दर्ज़ करवाने के लिए जायज़ प्रमाण मानने से इन्कार करने का कोई औचित्य नहीं है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। भारत के सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग (ईसी) को बिहार में चल रहे मतदाता सूची संशोधन के दौरान आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को वैध पहचान पत्र के रूप में स्वीकार करने की जोरदार सलाह दिए जाने के 24 घंटे बाद भी, आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या कार्यवाही में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

- **पर, अभी भी बिहार में मतदाता सूची में नाम बढ़ाये/घटाये जा रहे हैं, आधार कार्ड आदि को, कोई महत्व दिये बिना।**

कोर्ट की स्पष्ट सलाह के बावजूद कि इन दस्तावेजों को पहले से सूचित किए गए 11 पहचान पत्रों के साथ स्वीकार किया जाए, जमीनी रिपोर्टों से पता चलता है कि मतदाताओं को राहत नहीं मिल रही है। उदाहरण के लिए, वैशाली जिले से 3 किलोमीटर दूर लालगंज हाईवे पर स्थित एक गांव में बूथ-स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) अपने दौरे जारी रखे हुए हैं और आधार या वोटर आईडी को वैध दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

पटना के राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने चुनाव आयोग की चुप्पी पर हैरानी व्यक्त की है, जब कि सुप्रीम कोर्ट की अवकाश पीठ, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने की थी, ने वोट देने के मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार को रेखांकित किया था। कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि आधार और वोटर आईडी कार्डधारकों को नवम्बर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों के लिए संशोधित मतदाता सूची में शामिल करने से इनकार करने के लिए कोई वैध तर्क नहीं था। न्यायमूर्ति धूलिया ने 28 जुलाई को अगली सुनवाई की तिथि निर्धारित की और चुनाव आयोग को 21 जुलाई तक जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो अगली सुनवाई से पहले एक रिजॉइन्डर भी दाखिल करना होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोर्ट ने चल रहे संशोधन प्रक्रिया पर स्टे देने से परहेज किया और इसके बजाय घटनाक्रमों पर नज़दीकी निगरानी रखना उचित समझा।

विपक्षी "इंडिया" गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट की इस दखलअंदाजी का स्वागत किया है और इसे अपने रुख की पुष्टि माना है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग की अचानक शुरू की गई संशोधन प्रक्रिया आम मतदाताओं के लिये अनावश्यक परेशानी और अपमान का कारण बन गई है। जिनमें से बहुत से मतदाताओं को स्पष्ट कारणों के बिना कठित रूप से सूची से बाहर कर दिया गया है।

कानूनी विवाद का मुख्य मुद्दा यह है कि चुनाव आयोग ने नागरिकता से जुड़े सवालों का निर्धारण करने का अधिकार हासिल कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां इस बात को लेकर असहमति का संकेत देती हैं कि चुनाव आयोग इस संवेदनशील मुद्दे पर न्यायिक शक्तियां ग्रहण कर रहा है, जो पारंपरिक रूप से अन्य सरकारी विभागों के अधिकार क्षेत्र में आता है।

इस बीच, विपक्षी और गैर-भाजपा दल चुनाव आयोग के अगले कदमों पर बारीकी से निगरानी रखे हुए हैं। फिलहाल, आयोग की ओर से कोई सार्वजनिक स्पष्टीकरण या निर्देश न होने से राजनीतिक असंतोष और आम आदमी की उलझन और ज्यादा गहरी हो गई है। विधानसभा चुनाव सिर्फ तीन महीने दूर हैं, और चुनाव आयोग पर कानूनी और राजनीतिक दबाव बढ़ता जा रहा है। आने वाले हफ्ते, विशेष रूप से 21 जुलाई को हलफनामा दाखिल करने की अदालत द्वारा निर्धारित की गई समय सीमा, बिहार में मतदाता अधिकारों और चुनावी निष्पक्षता के विषय में अपनी-अपनी कहानी को स्वरूप देने की दृष्टि से बड़े महत्वपूर्ण होंगे।

समरावता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। इस समूचे प्रकरण में नरेश मीणा पर अलग-अलग मामलों में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। थप्पड़ मारने पर दर्ज केस में हाईकोर्ट ने नरेश मीणा को गत 30 मई को ही जमानत दे दी थी।

खाटूश्यामजी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ससाड़ी पाड़ा सवाईमाधोपुर, राजकुमार पुत्र भगवान सहाय कुमावत निवासी ईटावा धाना रेनवाल और राकेश मीणा पुत्र रामचंद्र निवासी खंडेलसर को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक आरोपी दुकानदार मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। श्याम बाबा के दर्शन के लिए आए भक्त पीयूष भाटी, निक्की भाटी, लव भाटी और अर्चना भाटी, निवासी आगर मालवा मध्यप्रदेश, के साथ मारपीट की गई। पीड़ित पक्ष ने थाने में मामला दर्ज करवाया है। बरसात होने पर कस्बे की सड़कें दरिया बन जाती हैं, नालियों से पानी आकर सड़कों पर बहता है, जिससे रास्ता एकदम खराब हो जाता है। अक्सर बारिश से बचने के लिए श्रद्धालु दुकानों में शरण लेते हैं, जिस पर दुकानदार विवाद करने लगते हैं। गत कुछ अर्से से खाटूश्याम जी में श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की घटना बढ़ रही हैं। महिलाओं, बच्चों और बालिकाओं के साथ भी दुर्व्यवहार की कई खबरें सामने आई हैं। इन घटनाओं से श्रद्धालुओं में भय का माहौल बन गया है।

'एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक संविधान विरोधी नहीं'

- **पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने यह राय दी लेकिन कुछ प्रावधानों पर चिंता भी जताई।**

नई दिल्ली, 11 जुलाई। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ और जे. एस. खेहर ने 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक के कुछ प्रावधानों पर, चिंता जताई है, खासकर उन प्रावधानों पर जो चुनाव आयोग को अतिरिक्त अधिकार देते हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह विधेयक संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस की प्रियंका गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने इस बात पर सवाल उठाया कि अगर विधानसभा को कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग कर दिया गया तो क्या यह संविधान सम्मत होगा। इस पर खेहर का सुझाव था कि इस फैसले में संसद या केन्द्र सरकार की भूमिका होनी चाहिए, न कि केवल चुनाव आयोग की।

धारा 82ए (5) के अनुसार, यदि किसी विधानसभा का चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराना संभव नहीं है, तो चुनाव आयोग राष्ट्रपति को सिफारिश कर सकता है कि उस विधानसभा का चुनाव बाद में कराया जाए। इस पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश जे. एस. खेहर ने सुझाव दिया कि विधेयक में यह भी साफ-साफ बताया जाना चाहिए कि यदि देश में आपातकाल की स्थिति आ जाए, तो उस दौरान चुनावों की प्रक्रिया कैसे चलेगी। एक अन्य चिंता यह भी जताई गई कि यदि किसी विधानसभा का शेष कार्यकाल केवल कुछ महीने ही बचा हो, तो उस स्थिति में चुनाव कराना उचित होगा या नहीं, इस पर भी विधेयक में स्पष्टता होनी चाहिए।

स्वदेशी मिसाइल "अस्त्र" का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वायु सेना ने हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल 'अस्त्र' का शुक्रवार को सुखोई-30 लड़ाकू विमान से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि व्यक्ति की देखने की सीमा से आगे तक मार करने में सक्षम इस मिसाइल का ओड़िशा के तट से परीक्षण किया गया।

परीक्षणों के दौरान विभिन्न दूरी तथा

- **100 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार करने वाली इस मिसाइल को सुखोई विमान से दो बार दागा गया और दोनों बार सटीक निशाना लगाया।**

अत्यधिक गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्यों पर दो निशाने लगाये गये और दोनों बार मिसाइलों ने सटीक निशाना साधा।

अस्त्र की मारक क्षमता 100 किलोमीटर से अधिक है और यह अत्याधुनिक नौवहन प्रणाली से सुसज्जित है। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के अलावा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सहित 50 से अधिक सार्वजनिक और निजी उद्योगों ने इस हथियार प्रणाली के सफल निर्माण में योगदान दिया है।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए सेना ने शुरु किया "ऑपरेशन शिवा"

आधुनिक टैक्नॉलजी से लैस 8500 जवानों को यात्रा मार्ग पर तैनात किया गया है

- **इसके अलावा ड्रोन रोधी सिस्टम, बम निरोधक दस्ते भी तैनात किए गए हैं।**
- **किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए चिकित्सा, भोजन पानी की व्यवस्था करने में भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई है।**

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। भारतीय सेना ने बाबा अमरनाथ की सुचारू और सुरक्षित यात्रा के लिए नागरिक प्रशासन और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिलकर 'ऑपरेशन शिवा 2025' शुरू किया है।

इस विशेष अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान समर्थित छद्म आतंकवादियों से बढ़े खतरे को देखते हुए उत्तरी और दक्षिणी दोनों यात्रा मार्गों पर मज़बूत और पुख्ता सुरक्षा प्रदान करना है।

इस वर्ष सुरक्षा अभियान के लिए प्रौद्योगिकी और अन्य जरूरी संसाधनों से लैस 8500 से अधिक सैनिकों को तैनात किया गया है। साथ ही आतंकवाद-रोधी ग्रिड, सुरक्षा तैनाती और यात्रा मार्गों की सुरक्षा के उपाय किए गए हैं। सरकारी अफसरों को भी विशेष रूप से आपदा प्रबंधन और आपात स्थिति में सहायता प्रदान की जा रही है।

सेना ने ड्रोन खतरों को बेअसर करने के लिए 50 से अधिक ड्रोन रोधी प्रणाली भी तैनात की है। यात्रा मार्गों और पवित्र गुफा की निगरानी के लिए ड्रोन मिशन चलाए जा रहे हैं। पुल निर्माण, रास्तों को चौड़ा करने और आपदा जोखिम कम करने के लिए 'इंजीनियर टास्क फोर्स' तैनात की गयी है।

अमरनाथ यात्रियों और अन्य को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए 150 से अधिक डॉक्टर और चिकित्सा कर्मी, दो एडवांस ड्रेसिंग स्टेशन, नौ चिकित्सा सहायता पोस्ट, 100 बिस्तरों वाला एक अस्पताल और 2,00,000 लीटर ऑक्सीजन से लैस 26 ऑक्सीजन बूथ बनाये गये हैं। निर्बाध संचार के लिए सिग्नल कंपनियां, तकनीकी सहायता के लिए ईएमई टुकड़ी और बम निरोधक दस्ते भी तैनात किये गये हैं।

इसके अलावा 25 हजार लोगों के लिए आपातकालीन राशन, क्यूआरटी, टेंट सिटी, वाटर पॉइंट, और बुलडोज़र तथा उत्खनन मशीनों सहित अन्य उपकरणों की सुविधा की गयी है। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सेना के हेलीकॉप्टर तैयार रखे गये हैं। ऑपरेशन शिवा 2025 पवित्र तीर्थयात्रा पर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, निर्बाध और आध्यात्मिक रूप से संतुष्टि देने वाली यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराता है।

हिमाचल में बारिश से अब तक 91 लोगों की मौत, 34 अब भी लापता

शिमला, 11 जुलाई। भारी मॉनसूनी वर्षा के कारण हिमाचल प्रदेश में 91 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 34 लोग अभी भी गायब हैं और 131 लोग घायल हैं।

राज्य आपात क्रिया केन्द्र (एसइओसी) ने पुष्टि की है कि मंडी सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यहाँ 15 लोगों की मृत्यु हुई है और 290 से अधिक लोगों को वर्षा प्रभावित क्षेत्र से बचाया गया है। राज्य में अकास्मात बाढ़ की 31 घटनाएँ, बादल फटने की 22 घटनाएँ और भूस्खलन की 17 घटनाएँ दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं के कारण राज्य में भारी विनाश हुआ है। घरों, सड़कों और सार्वजनिक आधारभूत संरचना को काफी क्षति पहुँची है। कई जिलों में स्थापित 16 राहत शिविरों में 534 से अधिक लोगों को स्थनांतरित किया गया है। अभी तक 824 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं और 14 पुल गंभीर रुप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। एक बड़ी जलविद्युत परियोजना भी प्रभावित हुई है। राज्य के पशुधन की बड़ी मात्रा में हानि हुई है। वर्षा के कारण 849 मवेशियों की मौत हो गई है और 622 गौशाला क्षतिग्रस्त हो गईं हैं।

छत्तीसगढ़ में 22 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

- **इन पर 50 हजार से 8 लाख रु. तक का कुल 37.50 लाख रु. का ईनाम था। इस आत्मसमर्पण को बड़ी सफलता माना जा रहा है। अब तक 1476 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं।**

रायपुर, 11 जुलाई। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 22 नक्सलियों ने शुक्रवार को सामूहिक आत्मसमर्पण किया है। इन पर कुल 37.50 लाख का इनाम है। वर्ष 2025 में अब तक कुल 132 छोटे-बड़े कैडर नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया।

आत्मसमर्पित माओवादियों को प्रोत्साहन राशि 50000 का चेक प्रदान किया गया तथा उन्हें नक्सली उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाले सभी सुविधाएं दी जाएगी।

इन नक्सलियों के ऊपर 50 हजार रुपए से लेकर आठ लाख तक के इनाम घोषित थे। इस बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा,लोग अब बंदूक नहीं, विकास की राह पर साथ चलना चाहते हैं। हमारी सरकार में अब तक कुल 1476 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

बिहार के कांग्रेसी नेताओं की 14 जुलाई को दिल्ली में मीटिंग

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। कांग्रेस ने बिहार में विधानसभा चुनाव में सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे तथा पार्टी की चुनावी रणनीति तय करने के लिए अपनी प्रदेश इकाई के नेताओं की यहां 14 जुलाई को बैठक बुलायी है।

पार्टी के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि बैठक में आलाकमान के साथ प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, डॉ शकील अहमद तथा कुछ अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। बैठक में इस बात पर चर्चा होगी कि विधानसभा चुनाव में

- **मीटिंग में आलाकमान के साथ विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।**

महागठबंधन से पार्टी को कितनी सीटें मिलनी चाहिए। इसके अलावा पार्टी द्वारा चुनाव में उठाये जाने वाले मुद्दों के संबंध में भी विचार किया जायेगा। कांग्रेस पिछले कुछ समय से राज्य में बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में - महागठबंध से कांग्रेस को महागठबंधन से 70 सीटें मिली थी, जिनमें से उसने 17 सीटों पर जीत दर्ज की थी। झारखंड में पार्टी का सहयोगी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा भी इस बार बिहार में कुछ सीटों पर दावा कर रहा है।

ट्रंप, सोमवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थी। रूस ने इस कदम का स्वागत किया था।

हालांकि, इस संकेत के बावजूद भी रूस ने हमले कम नहीं किए। बल्कि, रूस ने यूक्रेन द्वारा रूसी इलाकों में किए गए ड्रोन हमलों के प्रतिशोध स्वरूप नागरिक ठिकानों पर हमले और बढ़ा दिए।

बाद में पता चला कि हेगसेथ ने यह निर्णय स्वतंत्र रूप से लिया गया था और अमेरिकी राष्ट्रपति को इसकी जानकारी नहीं थी। हालांकि प्रशासन की ओर से इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई, लेकिन बाद में जब फिर से हथियार आपूर्ति की घोषणा हुई तो अमेरिका की स्थिति स्पष्ट हो गई।

रूस की ओर से यूक्रेन के खिलाफ हमले और बढ़ा दिए गए हैं, जिससे पश्चिमी यूरोप के देशों में चिंता गहराती जा रही है। इस अस्थिरता के बीच चीन ने यूरोपीय संघ के शीर्ष विदेश मामलों के अधिकारी के साथ प्रतिक्रिया देते हुए रूस के समर्थन की घोषणा की।

चीन ने कहा है कि वह यूक्रेन संघर्ष में रूस को हारते नहीं देख सकता, संभवत: अपने ही ताइवान पर आक्रमण की योजनाओं को ध्यान में रखते हुए। रूस ने यह भी स्वीकार किया है कि यूक्रेन में लड़ाई के लिए अब वहां उत्तर कोरिया समेत अन्य देशों के सैनिक भी तैनात हैं।

पूरे यूरोप महाद्वीप में सुरक्षा को लेकर डर बढ़ रहा है। जर्मनी ने अपनी सेना को दोगुना करने और उसे मजबूत करने की घोषणा कर दी है।

इस समस्त हथियारों की होड और व्यापक पैमाने पर टकराव की संभावनाओं के बीच, रूस और पश्चिमी यूरोप के बीच बढ़ते तनाव से यूरोप में शांति का भविष्य खतरे में पड़ता दिख रहा है।

राज्य सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेहतरीन काम किया है, लेकिन एसआईटी के मुखिया भर्ती रद्द करने की सिफारिश करने के लिए अधिकृत ही नहीं थे। याचिकाकर्ताओं ने व्यक्तिगत स्वार्थ की पूर्ति के लिए कोर्ट का सहारा लिया है। पहले याचिका दायर की और फिर उसे वापस लेकर नई याचिका पेश कर दी।

सावरकर मानहानि मामले में 24 जुलाई को सुनवाई

पुणे, 11 जुलाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पुणे की एक अदालत में हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर पर अपनी टिप्पणियों से संबंधित मानहानि के एक मामले में खुद को निर्दोष बताया। न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) और विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए कोर्ट) अमोल श्रीराम शिंदे ने वीडी सावरकर के पोते सात्यिकी सावरकर की ओर से लगाए गए आरोप पढ़े, जिस पर गांधी ने अपने वकील मिलिंद पवार के माध्यम से खुद को निर्दोष बताया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल अदालत में मौजूद नहीं थे और उनके वकील पवार ने अदालत के सामने दोष स्वीकार करने से इन्कार किया। वहीं, सात्यिकी सावरकर का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील संग्राम कोल्हटकर ने कहा कि चूंकि आरोपी के बयान दर्ज करने का चरण समाप्त हो गया है, इसलिए अब मामले की सुनवाई आगे बढ़ेगी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को तय की है।

हथियार तस्करी में यूपी का कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

- **पुलिस इस गिरफ्तारी को राजस्थान में सक्रिय अंकल गैंग के हथियार सप्लायर नेटवर्क पर बड़ी चोट मानती है।**

जयपुर, 11 जुलाई। राजस्थान पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ अपनी जंग में एक बड़ी सफलता हासिल की है। प्रतापगढ़ पुलिस और एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने मिलकर एक हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन को अंजाम देते हुए, फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश के कुख्यात हथियार तस्कर गुलाम हुसैन को धर दबोचा है। यह गिरफ्तारी राजस्थान में सक्रिय प्रवीण उर्फ अंकल गैंग के हथियार सप्लाई नेटवर्क पर एक बड़ी चोट मानी जा रही है

एसपी प्रतापगढ़ विनीत कुमार बंसल ने बताया कि इस बड़े खुलासे की शुरुआत 28 जून 2025 को, हुई जब छोटीसादड़ी थानाधिकारी प्रवीण टांक की टीम ने एक ऑटोमेटिक देशी पिस्टल और दो खाली मैगजीन के साथ बदमाश राकेश राठौर पुत्र कचरू लाल राठौर को गिरफ्तार किया। राकेश से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर नागदा निवासी सलमान पुत्र शेरखान को पकड़ा गया, जिसके पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार और जिंदा कारतूस बरामद हुए।

जांच की परतें खुलती गईं और पता चला कि इन हथियारों की सप्लाई का मास्टरमाइंड कोई और नहीं, बल्कि गुलाम हुसैन ही था। 40 वर्षीय गुलाम हुसैन फिरोजाबाद में थाना दक्षिण कोतवाली क्षेत्र के नक्काशी मोहल्ला टोला का निवासी है और प्रवीण उर्फ अंकल के गिरोह का एक अहम सदस्य है। गुलाम हुसैन और इसके तीन साथियों को उत्तर प्रदेश के रसूलपुर थाना इलाके में 19 मार्च, 2025 को पुलिस मुठभेड़ के बाद तीन पिस्टल सहित गिरफ्तार किया था, मुठभेड़ में इसके बाएं पैर में गोली भी लगी थी। फिलहाल आरोपी जमानत पर बाहर था। एसपी बंसल के अनुसार, गुलाम हुसैन ही प्रतिबंधित हथियार और 9 एमएम के कारतूस प्रवीण उर्फ अंकल को मुहैया कराता था, जो राकेश के माध्यम से सलमान तक पहुंचते थे।

यह सफल ऑपरेशन महानिदेशक पुलिस राजस्थान के निर्देशानुसार, जिला पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ विनीत कुमार बंसल के कुशल निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ परबतसिंह के मार्गदर्शन में संभव हुआ।

इस गिरफ्तारी को अंजाम देने वाली पुलिस टीमों में छोटी सादड़ी थाना टीम से थानाधिकारी प्रवीण टांक, उपनिरीक्षक निर्भय सिंह, सहायक उपनिरीक्षक अर्जुन सिंह, शिवराम, हेड कांस्टेबल मगन लाल व सुरेश चंद और थानाधिकारी धोलापानी रविन्द्र पाटीदार शामिल थे। वहीं, एजीटीएफ जयपुर टीम से पुलिस निरीक्षक सुभाष सिंह, हेड कांस्टेबल कमल सिंह, सुरेश कुमार, कांस्टेबल नरेश और कांस्टेबल चालक सुरेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुलाम हुसैन की गिरफ्तारी से अंकल गैंग के अन्य सदस्यों और उनके हथियार सप्लाई नेटवर्क के बारे में कई और अहम जानकारियां सामने आने की उम्मीद है। पुलिस अब इस मामले में अन्य अभियुक्तों की तलाश में जुटी है और गहन अनुसंधान जारी है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908